साप्ताहिक

आरएनआई न. :- जेकेएचआईएन/25/ए0631

सबका जम्मू कश्मीर

हिन्दी • वर्षः 1 • अंकः 24 • कठुआ, शनिवार 8 नवंबर 2025 • पृष्ठः 16 • मूल्यः 5 रुपए

चुनाव हारने के डर से विपक्ष संवैधानिक संस्थाओं पर बेबुनियाद आरोप लगा रहा है : राजनाथ

सबका जम्मू कश्मीर

सीतामढ़ी : केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को दावा किया कि विपक्षी नेता चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाओं के खिलाफ निराधार आरोप लगा रहे हैं, क्योंकि वे ष्चुनाव हारने के डरष् में हैं। उनकी यह टिप्पणी कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा पिछले साल हरियाणा विधानसभा चुनाव ष्चुराए जानेष् का आरोप लगाने और मतदाता सूची के आंकड़ों का हवाला देते हुए दावा करने के एक दिन बाद आई है कि 25 लाख प्रविष्टियां फर्जी थीं और चुनाव आयोग ने भाजपा को जिताने के लिए भाजपा के साथ मिलीभगत की थी। चुनावी राज्य बिहार के सीतामढ़ी और मोतिहारी में लगातार रैलियों को संबोधित करते

हुए उन्होंने राजद पर राज्य को ष्जंगल राज के दिनोंष् में वापस ले जाने की कोशिश करने का आरोप लगाया। भाजपा नेता ने कहा, ष्लेकिन लोग राज्य को एक विकसित बिहार के रूप में देखना चाहते हैं। एनडीए के अलावा कोई भी लोगों की आकांक्षाओं को पूरा नहीं कर सकता। इसलिए एनडीए दो–तिहाई से अधिक बहुमत से चुनाव जीतेगा।ष्

उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार देश के समग्र विकास के लिए काम कर रही है और आने वाले दिनों में भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने की कोशिश कर रही है। सिंह ने कहा, ष्लेकिन राजद बिहार को श्जंगल राजश के दिनों में वापस ले जाने की कोशिश कर रही है। इसके शासन के दौरान, बिहार की पहचान एक श्गरीबश राज्य की थी, लेकिन सच्चाई यह है कि बिहार प्रतिभाशाली और मेहनती लोगों की भूमि है।ष्

उन्होंने यह भी दावा किया, ष्चुनाव हारने के डर से विपक्षी नेता चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाओं पर निराधार आरोप लगाते हैं। लेकिन जब आयोग सबूत मांगता है, तो वे कोई सबूत पेश करने में विफल रहते हैं।

■ शेष पेज 2...

भारत को विश्वस्तरीय बैंकों की जरूरत है; आरबीआई और ऋणदाताओं से बातचीत चल रही है : वित्त मंत्री सीतारमण

सबका जम्मू कश्मीर

मुंबई : वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को कहा कि देश को बड़े और विश्वस्तरीय बैंकों की जरूरत है और इस संबंध में रिजर्व बैंक तथा ऋणदाताओं के साथ चर्चा चल रही है। 12वें एसबीआई बैंकिंग और इकोनॉमिक्स कॉन्क्लेव

■ शेष पेज 2...

नौसेना प्रमुख एडमिरल त्रिपाठी ने कोच्चि में सर्वेक्षण पोत आईएनएस इक्षक का जलावतरण किया

सबका जम्मू कश्मीर

कोच्चि : नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने गुरुवार को यहां भारतीय नौसेना के तीसरे स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित सर्वेक्षण पोत (बड़े) आईएनएस इक्शाक को कमीशन किया। कमीशनिंग कार्यक्रम को संबोधित करते हुए त्रिपाठी ने कहा कि आईएनएस इक्शाक 2025 में कमीशन होने वाला भारतीय नौसेना का दसवां प्लेटफॉर्म है। उन्होंने इशखाक को भारतीय नौसेना और भारत के जहाज निर्माण उद्यम के

■ शेष पेज 2...

सुप्रीम कोर्ट ने सभी अपराधों के लिए गिरफ्तारी के आधार की लिखित सूचना अनिवार्य कर दी है

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली : एक ऐतिहासिक फैसले में, सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि प्रत्येक गिरफ्तार व्यक्ति को लिखित रूप में गिरफ्तारी के आधार और उनकी समझ में आने वाली भाषा में जानकारी दी जानी चाहिए, चाहे अपराध या कानून की प्रकृति कुछ भी हो। व्यक्तिगत स्वतंत्रता के लिए संवैधानिक संरक्षण को मजबूत करने वाले फैसले में, शीर्ष अदालत ने कहा कि गिरफ्तारी से पहले या तुरंत बाद गिरफ्तार व्यक्ति को गिरफ्तारी के आधार लिखित रूप में न देने से ऐसी गिरफ्तारी को अमान्य नहीं माना जाएगा, बशर्ते कि यह जानकारी ष्उचित समय के भीतर और किसी भी स्थिति में रिमांड कार्यवाही के लिए गिरफ्तार व्यक्ति को मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश करने से दो घंटे पहले लिखित रूप में दी जाएष्।

मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने मिहिर राजेश शाह

■ शेष पेज 2...

एलजी कविंदर ने लद्दाख में एमएसएमई को मजबूत करने और महिला स्वयं सहायता समूहों को सशक्त बनाने पर जोर दिया

लद्दाख में रैंप योजना के कार्यान्वयन पर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की

सबका जम्मू कश्मीर

लेह : लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने लद्दाख में एमएसएमई को मज़बूत और सशक्त बनाने की ज़रूरत पर ज़ोर दिया है, जिसमें महिला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) पर विशेष ज़ोर दिया गया है ताकि आजीविका को बढ़ावा दिया जा सके और लद्दाखी हथकरघा और हस्तशिल्प उत्पादों को बढ़ावा दिया जा सके। उन्होंने कहा, ष्लद्दाख के एमएसएमई क्षेत्र की पूरी क्षमता का दोहन करने से सतत आर्थिक विकास के लिए एक समृद्ध वातावरण बनाने में मदद मिलेगी।

केंद्र शासित प्रदेश में एमएसएमई

प्रदर्शन को बढ़ाने और गति देने (आरएएमपी) योजना के कार्यान्वयन की समीक्षा के लिए आयोजित एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए, उपराज्यपाल ने स्थानीय उद्यमिता को बढ़ावा

■ शेष पेज 2...

सत पॉल शर्मा ने जम्मू-कश्मीर से नवनिर्वाचित राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ ली

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : जम्मू–कश्मीर से राज्यसभा के लिए नवनिर्वाचित सांसद सतपाल शर्मा ने गुरुवार को पद की शपथ ली। संसद भवन में आयोजित एक संक्षिप्त समारोह में उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने उन्हें शपथ दिलाई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और पार्टी की जम्मू–कश्मीर इकाई के अध्यक्ष शर्मा पेशे से चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं।

इससे पहले, वह जम्मू–कश्मीर सरकार में कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं और विधानसभा में

■ शेष पेज 2...

एकीकृत ऑन्कोलॉजी कैंसर उपचार का भविष्य : आयुष मंत्रालय

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली : आयुष मंत्रालय के सचिव ने कहा है कि भारत में कैंसर उपचार का भविष्य एकीकृत ऑन्कोलॉजी के माध्यम से नया रूप दिया जा रहा है – एक ऐसा मॉडल जो आधुनिक ऑन्कोलॉजी को आयुर्वेद, योग और अन्य साक्ष्य–आधारित भारतीय पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों के साथ जोड़ता है।

आयुष मंत्रालय ने भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के सहयोग से देश भर के एम्स में एकीकृत स्वास्थ्य अनुसंधान के लिए पांच उन्नत केंद्र स्थापित किए हैं।

इनमें से, एम्स नागपुर कैंसर–केंद्रित अनुसंधान में अग्रणी है, जबकि मुंबई में। टाटा मेमोरियल सेंटर के एडवांस्ड सेंटर फॉर ट्रीटमेंट, रिसर्च एंड

■ शेष पेज 2...

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

शेष पेज 1 से.....

चुनाव हारने के...

भाजपा नेता ने जोर देकर कहा कि विपक्षी भारतीय ब्लॉक को षबिहार चुनावों में अपमानजनक हार का सामना करना पड़ेगाष।

उन्होंने दावा किया, "एनडीए शासन के तहत बिहार में राजमार्गों, बड़े पुलों और ग्रामीण सड़कों का नेटवर्क बनाया गया है। हम राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।" रक्षा मंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर में सशस्त्र बलों की सफलता की सराहना की। यह अप्रैल में पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद जवाबी कार्रवाई थी जिसमें 26 लोग मारे गए थे।

रक्षा मंत्री ने चुनाव प्रचार के दौरान कहा, ष्हमारे सैनिकों ने आतंकवादियों को धर्म के आधार पर नहीं, बल्कि उनके कर्मों के आधार पर मारा। भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान में आतंकवादियों के ठिकानों को नष्ट कर दिया... मैं ऑपरेशन के दौरान मारे गए आतंकवादियों की संख्या का खुलासा नहीं करना चाहता। यह तीन अंकों के अंकों से कहीं अधिक है।ष उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत अब दुनिया में एक शक्तिशाली देश के रूप में जाना जाता है। उन्होंने कहा, ष्भारत किसी को उकसाता नहीं है, लेकिन अगर कोई हमें उकसाता है, तो हम उन्हें नहीं छोड़ेंगे।

भारत को विश्वस्तरीय...

2025 को संबोधित करते हुए सीतारमण ने ऋणदाताओं से उद्योग के लिए ऋण प्रवाह को बढ़ाने और गहरा करने का आग्रह किया। उन्होंने विश्वास जताया कि जीएसटी दर में कटौती से प्रेरित मांग से निवेश चक्र में तेजी आएगी।

उन्होंने सलाह दी कि वित्त तक पहुंच अत्यंत महत्वपूर्ण है और एक प्रणाली-संचालित, पारदर्शी ऋण प्रक्रिया आवश्यक है। इस बात पर जोर देते हुए कि भारत को बड़ी संख्या में बड़े और विश्वस्तरीय बैंकों की आवश्यकता है, उन्होंने कहा कि ष्सरकार इस पर विचार कर रही है और काम पहले ही शुरू हो चुका है। हम आरबीआई के साथ चर्चा कर रहे हैं। हम बैंकों के साथ चर्चा कर रहे हैं।ष उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा इस पर निर्णय लेने से पहले, बहुत सारा काम किया जाना है, जिसमें आरबीआई से इस बारे में इनपुट लेना भी शामिल है कि वे किस प्रकार बड़े बैंक बनाना चाहते हैं।

उन्होंने कहा, ष्यह आज मौजूद बैंकों से कुछ नया बनाने से नहीं हो सकता... केवल एकीकरण से भी एक रास्ता निकल सकता है, लेकिन आपको एक ऐसे पारिस्थितिकी तंत्र और माहौल की ज़रूरत है जिसमें ज़्यादा बैंक काम कर सकें और आगे बढ़ सकें। तो, भारत में यह माहौल अच्छी तरह से स्थापित है, लेकिन मुझे और ज़्यादा गतिशील होने की ज़रूरत थी। इसलिए, इस पर कुछ काम चल रहा है।ष

बड़े बैंक बनाने के प्रयास में, सरकार पहले भी दो दौर का एकीकरण कर चुकी है। बैंकिंग क्षेत्र में सबसे बड़े एकीकरण की प्रक्रिया में, सरकार ने अगस्त 2019 में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के चार बड़े विलय की घोषणा की थी, जिससे उनकी कुल संख्या 2017 के 27 से घटकर 12 हो गई। 1 अप्रैल, 2020 से प्रभावी, यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया और ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स का पंजाब नेशनल बैंक में विलय कर दिया गया; सिंडिकेट बैंक का केनरा बैंक में विलय कर दिया गया; इलाहाबाद बैंक का इंडियन बैंक में विलय कर दिया गया; और आंध्रा बैंक और कॉर्पोरेशन बैंक का यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में विलय कर दिया गया।

2019 में, देना बैंक और विजया बैंक का बैंक ऑफ बड़ौदा में विलय कर दिया गया था। इससे पहले, सरकार ने एसबीआई के पाँच सहयोगी बैंकों और भारतीय महिला बैंक का भारतीय स्टेट बैंक में विलय कर दिया था। यह विलय अप्रैल 2017 में एसबीआई को और बड़ा बनाने के इरादे से किया गया था। इसके अलावा, निजीकरण की प्रक्रिया के तहत, सरकार ने जनवरी 2019 में आईडीबीआई बैंक में अपनी 51 प्रतिशत नियंत्रक हिस्सेदारी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को बेच दी थी।

इसके बाद, सरकार और एलआईसी ने आईडीबीआई बैंक में अपनी हिस्सेदारी की रणनीतिक बिक्री की योजना की घोषणा की। अक्टूबर 2022 में, दोनों शेयरधारकों ने कुल 60.72 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचकर आईडीबीआई बैंक के निजीकरण के लिए निवेशकों से रुचि पत्र (ईओआई) आमंत्रित किए थे। इसमें सरकार की 30.48 प्रतिशत और एलआईसी की 30.24 प्रतिशत हिस्सेदारी शामिल है। जनवरी 2023 में, निवेश और सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) को आईडीबीआई बैंक के लिए कई रुचि पत्र (ईओआई) प्राप्त हुए।

आईडीबीआई बैंक की बिक्री का रास्ता साफ करते हुए, सेबी ने अगस्त 2025 में ऋणदाता में रणनीतिक विनिवेश पूरा होने पर बैंक के प्रमोटर से सार्वजनिक शेयरधारक के रूप में जीवन बीमा निगम के पुनर्वर्गीकरण को मंजूरी दे दी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि बुनियादी ढांचे का निर्माण सरकार का मुख्य फोकस है, और पिछले दशक में पूंजीगत व्यय में पांच गुना वृद्धि हुई है। राजकोषीय विवेक के बारे में बोलते हुए, उन्होंने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए निरंतर आत्मनिर्भरता सिद्धांत बनाए रख रही है कि राजकोषीय अनुशासन कभी भी खतरे में न पड़े।

नौसेना प्रमुख एडमिरल...

लिए एक और मील का पत्थर बताया। उनके अनुसार, समुद्री क्षेत्र वर्तमान में भू-राजनीति, प्रौद्योगिकी और रणनीति द्वारा संचालित एक गहन परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। उन्होंने कहा, ष्समुद्र में प्रभाव, संसाधनों और कनेक्टिविटी के लिए तीव्र प्रतिस्पर्धा देखी जा रही है। नई प्रौद्योगिकियों का उदय, महत्वपूर्ण खनिजों पर प्रतिस्पर्धा और समुद्री व्यापार के विकसित होते पैटर्न महासागरों में रणनीतिक मानचित्र को फिर से परिभाषित कर रहे हैं।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को उद्धृत करते हुए कहा, ष्जब वैश्विक समुद्र में उथल-पुथल होती है, तो विश्व एक स्थिर प्रकाश स्तंभ की तलाश करता है। भारत मजबूती और स्थिरता के साथ यह भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि भारतीय नौसेना इस दृष्टिकोण का प्रतीक है। उन्होंने कहा, ष्आज, भारतीय नौसेना की बढ़ती परिचालन क्षमताएं, विस्तारित पहुंच और समान विच. ारधारा वाले देशों के साथ व्यापक सहयोगात्मक पहल, इस क्षेत्र में एक स्वतंत्र, खुले और समावेशी वैश्विक साझा स्वरूप को आकार देने में प्रथम प्रतिक्रियादाता और पसंदीदा सुरक्षा साझेदार के रूप में भारत की भूमिका को रेखांकित करती हैं।

उन्होंने कहा कि भारतीय नौसेना के सर्वेक्षण जहाज भारत और उसके समुद्री साझेदारों के लिए समुद्र को जानने योग्य, नौगम्य और सुरक्षित बनाने के मिशन को पूरा करते हैं। उन्होंने कहा, ष्इस भूमिका को पूरा करने के लिए, इक्षक, अपने पूर्ववर्ती संध्याक और निर्देशक की तरह, अत्याधुनिक जल सर्वेक्षण प्रणालियों, उन्नत महासागर-मानचित्रण उपकरणों और विशेष उपकरणों की एक विशाल श्रृंखला से सुसज्जित है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष ही भारतीय नौसेना के सर्वेक्षण जहा. जों ने मॉरीशस और वियतनाम को हाइड्रोग्राफिक सहायता प्रदान की थी। उन्होंने कहा, ष्इस श्रेणी का प्रमुख जहाज आईएनएस संध्याक, जिसे 03 फरवरी 2024 को कमीशन किया गया था, ने हाल ही में सिंगापुर, फिलीपींस, इंडोनेशिया और मलेशिया में एक महत्वपूर्ण तैनाती पूरी की है, जो भारतीय नौसेना की हाइड्रोग्राफिक और जहाज निर्माण क्षमताओं को प्रदर्शित करता है।

उन्होंने कहा कि भारतीय नौसेना क्रेता की नौसेना से निर्माता की नौसेना में परिवर्तित हो गई है। उन्होंने कहा, ष्परिणामस्वरूप, जलाव. तरण किए जा रहे जहाज - चाहे वह सबसे उन्नत पी17ए फ्रिगेट हों, शैलो वाटर एएसडब्ल्यू क्राफ्ट हों, या सर्वेक्षण पोत इक्षक हों - लगभग 80 प्रतिशत स्वदेशी सामग्री ले जाते हैं, जो भारतीय नौसेना की आत्मनिर्भर भारत के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

इस अवसर पर दक्षिणी नौसेना कमान के प्रमुख वाइस एडमिरल समीर सक्सेना और गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) के सीएमडी पीआर हेयर ने भी अपने विचार रखे। युद्धपोत उत्पादन और अधिग्रहण नियंत्रक वाइस एडमिरल राजाराम स्वामीनाथन ने भी इसमें भाग लिया। आईएनएस इक्षक के कमांडिंग ऑफिसर कैप्टन त्रिभुवन सिंह ने कमीशनिंग दस्तावेज पढ़ा।

बाद में, कमीशनिंग प्रक्रिया को पूरा करने के लिए आईएनएस इक्षक पर भारतीय नौसेना का ध्वज फहराया गया। रक्षा प्रवक्ता ने कहा कि जीआरएसई, कोलकाता द्वारा निर्मित इक्षक अत्याधुनिक हाइड्रोग्राफिक और समुद्र विज्ञान प्रणालियों से सुसज्जित है जो 11,000 मीटर की गहराई तक स्कैन कर सकता है। यह हेलीकॉप्टर सहायता भी प्रदान करता है, जिससे दोहरी भूमिका क्षमता के साथ परिचालन बहुमुखी प्रतिभा सक्षम होती है - एक सर्वेक्षण पोत और मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर) संचालन के लिए एक मंच या आवश्यकता पड़ने पर अस्पताल जहाज के रूप में कार्य करना।

इक्षक पहला सर्वेक्षण पोत (बड़ा) है जिसे महिलाओं के लिए विशेष आवास की व्यवस्था के साथ डिज़ाइन किया गया है, जो नौसेना की समावेशिता और आधुनिकीकरण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। 110 मीटर लंबा और 3,400 टन विस्थापन वाला इक्षक, 20 अधिकारियों और 211 नाविकों सहित 231 लोगों को ले जा सकता है। यह 18 समुद्री मील की अधिकतम गति प्राप्त कर सकता है। इस पोत में एक स्वायत्त जल-वाहन और एक दूर से संचालित वाहन भी है जो समुद्र तल की स्कैनिंग और मलबे की जाँच में सक्षम है।

एलजी कविंदर ने....

देने, रोज़गार के अवसर पैदा करने और लद्दाख में समावेशी विकास को गति देने में एमएसएमई क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका पर ज़ोर दिया। उन्होंने लद्दाख की अनूठी सामाजिक-आर्थिक शक्तियों और सांस्कृतिक विरासत के साथ आरएएमपी योजना को जोड़ने के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

उपराज्यपाल ने लद्दाख के स्वदेशी उत्पादों, खासकर पश्मीना को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों तक पहुँचाने के लिए स्थानीय उद्यमियों, कारीगरों और स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों की सराहना की। उन्होंने लद्दाखी युवाओं में कौशल विकास, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए प्रशासन की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने आगे कहा, ष्ह उपलब्धि हमें आत्मनिर्भर भारत के विजन के करीब लाती है। मैं लद्दाखी युवाओं से उद्यमिता कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से शामिल होने और प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण पहलों के माध्यम से अपने कौशल का विकास करने का आग्रह करता हूँ।

सत पॉल शर्मा....

जम्मू पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते थे, जहाँ उन्होंने 2014 में 51,000 वोटों के रिकॉर्ड अंतर से जीत हासिल की थी - जो उस समय का सर्वोच्च अंतर था। शपथ ग्रहण समारोह में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह और भाजपा के जम्मू-कश्मीर प्रभारी तरुण चुघ मौजूद थे। शर्मा के परिवार के सदस्य भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

शर्मा जम्मू-कश्मीर की चार राज्यसभा सीटों में से एक के लिए चुने गए, जिससे चार साल से ज़्यादा के अंतराल के बाद उच्च सदन में केंद्र शासित प्रदेश का प्रतिनिधित्व वापस आ गया। जम्मू-कश्मीर की राज्यसभा सीटें 15 फ़रवरी, 2021 से रिक्त थीं, जब पूर्व सदस्यों गुलाम नबी आज़ाद और नज़ीर अहमद लवे का कार्यकाल समाप्त हो गया था। फ़ैयाज़ अहमद मीर और शमशेर सिंह मन्हास के पास शेष दो सीटें उसी महीने की शुरुआत में रिक्त हुई थीं।

एकीकृत ऑन्कोलॉजी...

एजुकेशन इन कैंसर ने मंत्रालय के सहयोग से, कैंसर देखभाल हेतु आयुष चिकित्सा विकास हेतु एक उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किया है। केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (ब्ब्) ने भी सहयोगी नैदानिक अध्ययनों के लिए ।ब्ज्म्ब् के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए), गोवा ने भारत का पहला एकीकृत ऑन्कोलॉजी अनुसंधान और देखभाल केंद्र (आईओआरसीसी) लॉन्च किया है। इस केंद्र का उद्घाटन 27 सितंबर को 10वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस पर केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रतापराव जाधव ने किया। आईओआरसीसी गोवा सरकार, एआईआईए और एसीटीआरईसी के बीच सहयोग के माध्यम से आधुनिक ऑन्कोलॉजी, आयुर्वेद, योग, फिजियोथेरेपी और आहार चिकित्सा को एक छत के नीचे लाता है।

आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस की पूर्व संध्या पर कहा, ष्एकीकृत ऑन्कोलॉजी आधु. निक विज्ञान की सटीकता को आयुष प्रणालियों के ज्ञान के साथ जोड़ने में भारत की ताकत को दर्शाता है।ष उन्होंने कहा, ष्हमारा लक्ष्य वैश्विक विश्वसनीयता के मानकों के साथ कैंसर देखभाल का एक रोगी-केंद्रित, साक्ष्य-आधारित मॉडल बनाना है।ष

आधिकारिक सूत्रों ने दावा किया कि अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान में 7,800 से अधिक रोगियों का, एम्स झज्जर की ऑन्कोलॉजी इकाई में 2,200 रोगियों का और राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर में 2,600 रोगियों का इलाज किया गया है। सीसीआरएएस मुंबई में भी इसी तरह के प्रयास चल रहे हैं, जो कि कार्कटोल-एस और सीएजीएचई जैसे आयुर्वेदिक फॉर्मूलेशन के नैदानिक परीक्षणों पर टाटा मेमोरियल सेंटर के साथ सहयोग करता है।

दिल्ली और गोवा स्थित अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान के निद. ेशक प्रोफेसर पी.के. प्रजापति ने कहा, ष्यह पहल पारंपरिक प्रणालियों को वैज्ञानिक वैधता प्रदान करती है, साथ ही नैतिक और नैदानिक कठोरता सुनिश्चित करती है।ष उन्होंने कहा, ष्गोवा केंद्र न केवल रोगियों की सेवा करेगा, बल्कि एकीकृत ऑन्कोलॉजी में अनुसंधान और प्रशिक्षण के लिए एक केंद्र के रूप में भी कार्य करेगा।ष

सुप्रीम कोर्ट ने...

बनाम महाराष्ट्र राज्य मामले में फैसला सुनाया, जो जुलाई 2024 की हाई-प्रोफाइल मुंबई बीएमडब्ल्यू हिट-एंड-रन घटना से उत्पन्न हुआ था। न्यायमूर्ति मसीह ने पीठ के लिए 52-पृष्ठ का फैसला लिखते हुए कहा कि संविधान के अनुच्छेद 22(1) के तहत संवैधानिक जनाद. ेश, जो गारंटी देता है कि गिरफ्तार व्यक्ति को गिरफ्तारी के आधार के बारे में ष्जितनी जल्दी हो सकेष सूचित किया जाना चाहिए, एक प्रक्रियात्मक औपचारिकता नहीं है, बल्कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता की एक मौलिक सुरक्षा है।

फैसले में कहा गया, ष्इस अदालत की राय है कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 22(1) के संवैधानिक अधिदेश के इच्छित उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए, गिरफ्तारी के आधार को बिना किसी अपवाद के प्रत्येक मामले में गिरफ्तार व्यक्ति को सूचित किया जाना चाहिए और ऐसे आधारों के संचार का तरीका उस भाषा में लिखित रूप में होना चाहिए जिसे वह समझता है।ष इसने कहा, ष्गिरफ्तार व्यक्ति को गिरफ्तारी के आधारों को सूचित करने का संवैधानिक अधिदेश आईपीसी 1860 (अब बीएनएस 2023) के तहत अपराधों सहित सभी कानूनों के तहत सभी अपराधों में अनिवार्य है। आदेश में कहा गया है, गिरफ्तारी के आधार गिरफ्तार व्यक्ति को उसकी समझ में आने वाली भाषा में लिखित रूप में बताए जाने चाहिए और यदि गिरफ्तार करने वाला अधिकारी/व्यक्ति गिरफ्तारी के समय या उसके तुरंत बाद गिरफ्तारी के आधार लिखित रूप में बताने में असमर्थ है, तो मौखिक रूप से ऐसा किया जाना चाहिए। उक्त आधारों को उचित समय के भीतर लिखित रूप में बताया जाना चाहिए और किसी भी स्थिति में मजिस्ट्रेट के समक्ष रिमांड कार्यवाही के लिए गिरफ्तार व्यक्ति को पेश करने से कम से कम दो घंटे पहले बताया जाना चाहिए।

भाजपा 31 अक्टूबर को जम्मू-कश्मीर में जिला स्तर पर एकता मार्च निकालेगी : बलदेव सिंह बिलावरिया

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : जम्मू–कश्मीर भाजपा सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में 31 अक्टूबर को ष्सरदार/150 – एकता मार्चष् के तहत सभी जिलों में एकता मार्च निकालेगी। जम्मू–कश्मीर भाजपा अध्यक्ष एवं सांसद (राज्यसभा) सत शर्मा (सीए) जम्मू मार्च में शामिल होंगे, जबकि महासचिव एवं कार्यक्रम प्रभारी बलदेव सिंह बिलावरिया ने लोगों से अपने–अपने जिलों में सरदार पटेल की विरासत का सम्मान करने के लिए इसमें भाग लेने की अपील की।

बलदेव बिलावरिया, जम्मू–कश्मीर भाजपा मीडिया प्रभारी डॉ. प्रदीप महोत्रा और कार्यक्रम के जिला संयोजक अनिल मासूम के साथ, जम्मू–कश्मीर भाजपा मुख्यालय, त्रिकुटा नगर, जम्मू में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए, बलदेव सिंह बिलावरिया ने कहा कि सरदार/150 – एकता मार्च का उद्देश्य पदयात्रा, युवा गतिविधियों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से एकता और राष्ट्रीय अखंडता के अपने संदेश को फैलाना है, और नागरिकों को एक भारत, श्रेष्ठ भारत और विकसित भारत 2047 के विजन में योगदान करने के लिए प्रेरित करना है।

बिलावरिया ने कहा कि यह अभियान भारत के लौह पुरुष को श्रद्धांजलि है, जिनके साहस और दृढ़ संकल्प ने एक खंडित राष्ट्र को एक सूत्र में पिरोया। उन्होंने कहा, ष्सरदार पटेल का यह विश्वास कि श्भारत एक है, भारत अविभाज्य है और भारत सदैव अविभाज्य रहेगा, आज भी राष्ट्र को प्रेरित करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने श्विकसित भारत 2047श के विजन के माध्यम से इसी भावना को आगे बढ़ा रहे हैं।ष्

उन्होंने कहा, ष्31 अक्टूबर से 25 नवंबर तक प्रत्येक जिले में 8 से 10 किलोमीटर की पदयात्राएं आयोजित की जाएंगी और प्रत्येक लोकसभा क्षेत्र में तीन पदयात्राएं होंगी।ष्

उन्होंने आगे कहा कि स्कूलों और कॉलेजों में वाद–विवाद प्रतियोगिताएँ, निबंध प्रतियोगिताएँ, सरदार पटेल के जीवन और आदर्शों पर सेमिनार, नशामुक्त भारत के लिए युवा संकल्प, स्वदेशी मेले आयोजित किए जा रहे हैं जहाँ लोग स्वदेशी प्रतिज्ञा ले रहे हैं। पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए योग और स्वास्थ्य शिविर, बड़े पैमाने पर स्वच्छता अभियान और ष्एक पेड़ माँ के नामष् वृक्षारोपण अभियान भी चलाया जाएगा।

बिलावरिया ने ज़ोर देकर कहा कि ये पदयात्राएँ जन जागरण का एक माध्यम हैं। जिस तरह सरदार पटेल ने रियासतों को एक भारत में एकीकृत किया, उसी तरह ये पदयात्राएँ लोगों के दिलों को एक करेंगी। उन्होंने कहा कि ये पदयात्राएँ सड़कों पर एक लघु भारत का प्रदर्शन करेंगी और एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना के तहत हमारी विविधता का जश्न मनाएँगी।

उन्होंने बताया कि ज़िला–स्तरीय पदयात्राओं के बाद, चुनिंदा प्रतिभागी सड़क मार्ग से गुजरात के करमसद जाएँगे और देश भर के प्रतिनिधियों के साथ शामिल होंगे। उन्होंने आगे कहा, ष्26 नवंबर, जो संविधान दिवस है, से पूरे भारत के पदयात्री करमसद से केवड़िया स्थित स्टैच्यू ऑफ़ यूनिटी तक 152 किलोमीटर की पदयात्रा करेंगे, जो भारत की एकता का प्रतीक है।ष्

एवरेस्टबीकेसीसी सीजन 7 ने एफसीआई जम्मू में पाक कला की उत्कृष्टता को प्रज्वलित किया

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : एवरेस्ट बेटर किचन कलिनरी चौलेंज (एवरेस्टबीकेसीसी) सीजन 7 ने फूड क्राफ्ट इंस्टीट्यूट (एफसीआई), जम्मू के परिसर को जगमगा दिया, जहां महत्वाकांक्षी शेफ, आतिथ्य क्षेत्र के नेता और गणमान्य व्यक्ति पाककला नवाचार और प्रतिभा के एक गतिशील प्रदर्शन के लिए एकत्र हुए। बेटर किचन पत्रिका द्वारा आयोजित, यह होटल प्रबंधन के छात्रों के लिए भारत की सबसे बड़ी पाककला प्रतियोगिता है, जिसे आतिथ्य क्षेत्र के पेशेवरों की अगली पीढ़ी को पोषित करते हुए शिक्षा और उद्योग के बीच की खाई को पाटने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए बेटर किचन की प्रकाशक एकता भार्गव ने इस बात पर जोर दिया कि इस पहल का उद्देश्य छात्रों को वैश्विक अवसरों के लिए तैयार करना है, साथ ही दुनिया भर में भारतीय क्षेत्रीय व्यंजनों को बढ़ावा देना है। ष्भारत के स्वादष् की स्थायी थीम के साथ, यह चुनौती भारत की विविध खाद्य विरासत का जश्न मनाती है और उसे संरक्षित करती है, तथा युवा शेफ को प्रामाणिक, स्वस्थ और टिकाऊ खाना पकाने के तरीकों का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित करती है।

प्रतियोगिता का सातवां सीजन भारत भर के 19 शहरों में आयोजित किया जाएगा, जिसमें तीन अन्य प्रतियोगिताएं भी शामिल होंगी – बेटर किचन बेकरी चैंपियन, बेटर किचन एफएंडबी यंग मास्टर्स चौलेंज और एन्जो हाउसकीपिंग ओलंपियाड। प्रत्येक क्षेत्रीय राउंड के विजेता मुंबई में राष्ट्रीय फाइनल में भाग लेंगे, जिसमें उन्हें ब्रिज यूएसए जे–1 एक्सचेंज विजिटर प्रोग्राम के तहत नकद पुरस्कार और छात्रवृत्तियां तथा यूरोप में उच्च अध्ययन के अवसर मिलेंगे।

जम्मू राउंड के निर्णायक मंडल में शेफ राजीब मित्रा (रेडिसन ब्लू), शेफ सुधीन एन. गायकवाड़ (ताज विवांता), शेफ नयन (आमंत्रण) और मोहिंदर सिंह (रेडिसन ब्लू) शामिल थे। इस कार्यक्रम में भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के क्षेत्रीय प्रबंधक मनोज कुमार और भाग लेने वाले संस्थानों के संकाय सदस्य भी उपस्थित थे।

एफसीआई जम्मू की प्रिंसिपल ज्योति भट्टी ने सेमीफाइनल राउंड की मेजबानी पर गर्व व्यक्त करते हुए इसे आतिथ्य शिक्षा और वैश्विक प्रदर्शन को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण मंच बताया। उन्होंने प्रतिभागियों के उत्साह की सराहना की और विजडम करियर एजुकेशन (डब्ल्यूसीई) द्वारा प्रदान की गई छात्रवृत्ति सहायता की सराहना की।

इस पहल को एवरेस्ट (टाइटल पार्टनर), अतुल्य भारत – पर्यटन मंत्रालय (सपोर्ट पार्टनर), भारतगैस (एनर्जी पार्टनर), विजडम करियर एजुकेशन (डब्ल्यूसीई) (इंटरनेशनल प्लेसमेंट पार्टनर) और अरुणा शर्मा, आईएएस (ट्रॉफी पार्टनर) की पहल डल्डम्छ365 द्वारा समर्थन दिया गया।

विजेता (जम्मू राउंड)रू एवरेस्ट बेटर किचन कलिनरी चौलेंज में, टीम एवरेस्ट कसूरी मेथी (आसिफा ज़ोहरा और शबनम कुसर, परेड कॉलेज) ने पहला स्थान हासिल किया, उसके बाद एवरेस्ट धनिया पाउडर (विदुषी डोगरा और फ़रिश्ता खान, एसएचटीएम यूनिवर्सिटी) का स्थान रहा। तीसरा स्थान एवरेस्ट ड्राई मैंगो पाउडर (तनिषा पांडे और सिया शर्मा, पीएसपीएस गांधी नगर) और एवरेस्ट जलजीरा पाउडर (निकिता शर्मा और आशिया खातून, जीडीसी नगरोटा) के बीच साझा रहा।

सीपीआई (एम) विधायक ने जम्मू-कश्मीर सरकार से केंद्र शासित प्रदेश के बाहर की जेलों में बंद कश्मीरी कैदियों को वापस भेजने का आग्रह किया

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : कुलगाम से सीपीआई (एम) विधायक एमवाई तारिगामी ने बुधवार को जम्मू–कश्मीर सरकार से केंद्र शासित प्रदेश के बाहर की जेलों में बंद कश्मीरी कैदियों को वापस भेजने की सुविधा देने का आग्रह किया।

जम्मू–कश्मीर विधानसभा की शून्यकाल कार्यवाही के दौरान बोलते हुए, तारिगामी ने कहा कि डेमोक्रेटिक फ्रीडम पार्टी के प्रमुख शब्बीर शाह सहित जम्मू–कश्मीर के बंदियों को केंद्र शासित प्रदेश के अंदर की जेलों में स्थानांतरित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ष्यह एक बुनियादी मानवाधिकार है जिसे सार्वभौमिक रूप से स्वीकार किया जाता है।ष् सीपीआई (एम) विधायक ने कहा कि अगर जम्मू–कश्मीर में पर्याप्त जेल नहीं हैं, तो ष्अपर्याप्तता को दूर किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ष्(इन कैदियों के) परिवार पीड़ित हैं। यह मांग उन लोगों तक पहुँचनी चाहिए जिनके पास निर्णय लेने की शक्ति है।ष् हंदवाड़ा से पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के विधायक सज्जाद लोन ने भी मांग की कि ऐसे कैदियों को जम्मू–कश्मीर की जेलों में स्थानांतरित किया जाए। उन्होंने कहा , ष्शब्बीर शाह की हालत इतनी खराब है कि वह खड़े भी नहीं हो पा रहे हैं। अगर यह विधानसभा जम्मू–कश्मीर के लोगों की दुर्दशा पर अपनी आँखें बंद रखेगी, तो इस विधानसभा का क्या उपयोग है।ष् हंदवाड़ा के विधायक ने कहा कि वह समझते हैं कि गृह विभाग इस विधानसभा के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता है, ष्लेकिन हम कैदियों के मुद्दे पर गृह मंत्रालय को अपनी चिंताएं बता सकते हैं।

जम्मू-कश्मीर सरकार ने नवंबर 2025 के लिए श्रीनगर सिविल सचिवालय में प्रशासनिक सचिवों के लिए रोस्टर जारी किया

श्रीनगर

जम्मू और कश्मीर सरकार ने बुधवार को नवंबर 2025 के महीने के लिए श्रीनगर के नागरिक सचिवालय में प्रशासनिक सचिवों की उपस्थिति का विवरण देते हुए एक आधिकारिक रोस्टर जारी किया। जीएडी–जेके द्वारा जारी 2025 के सरकारी आदेश संख्या 1407–जेके (जीएडी) के अनुसार, विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी पूरे महीने रोटेशन के आधार पर नागरिक सचिवालय में उपलब्ध रहेंगे। आदेश के अनुसार, अनिल कुमार सिंह, आईएएस, वित्तीय आयुक्त (एसीएस), लोक निर्माण (आर एंड बी) विभाग, और मोहम्मद एजाज, आईएएस, सचिव, ग्रामीण विकास और पंचायती राज, 3 से 7 नवंबर 2025 तक उपलब्ध रहेंगे।

10 से 14 नवंबर 2025 तक, शांतमनु, आईएएस, वित्तीय आयुक्त (एसीएस), उच्च शिक्षा विभाग, और नवीन एसएल, आईएएस, सचिव, नागरिक उड्डयन विभाग, सचिवालय में तैनात रहेंगे। 17 से 21 नवंबर 2025 तक, कृषि उत्पादन विभाग के वित्त आयुक्त (एसीएस) शैलेंद्र कुमार, आईएएस और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव डॉ. पीयूष सिंगला, आईएएस सचिवालय में उपस्थित रहेंगे।

पवन शर्मा ने नगरोटा के पथवार गाँव में बूथ स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की - भाजपा उम्मीदवार देवयानी राणा के समर्थन में घर-घर जाकर प्रचार अभियान तेज़ करने का आह्वान किया

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : भाजपा जम्मू–कश्मीर के प्रदेश सचिव पवन शर्मा ने आज नगरोटा विधानसभा क्षेत्र के बूथ संख्या 132, गाँव पथवार, पंचायत सागेन, ब्लॉक नगरोटा में बूथ स्तरीय बैठक बुलाई। बैठक बूथ अध्यक्ष श्री बेली राम की अध्यक्षता में आयोजित हुई और इसमें स्थानीय पार्टी कार्यकर्ताओं और निवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

बैठक के दौरान, पवन शर्मा ने क्षेत्र से संबंधित स्थानीय मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की और 11 नवंबर 2025 को होने वाले नगरोटा निर्वाचन क्षेत्र में आगामी उपचुनावों के मद्देनजर चलाए जा रहे डोर–टू–डोर अभियान की प्रगति की समीक्षा की।

उन्होंने सभी बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे संपर्क प्रयासों को और तेज करें तथा प्रत्येक घर से सीधा जुड़ाव सुनिश्चित करें, तथा भाजपा के विकास, सुशासन और जन–केंद्रित नीतियों के दृष्टिकोण को प्रभावी ढंग से संप्रेषित करें।

शर्मा ने ज़ोर देकर कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की असली ताकत है और उनका सामूहिक प्रयास भाजपा प्रत्याशी सुश्री देवयानी राणा की शानदार जीत सुनिश्चित करेगा। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से पूरी लगन और प्रतिबद्धता के साथ काम करने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा परिकल्पित प्रगति, स्थिरता और सशक्तिकरण का संदेश प्रत्येक मतदाता तक पहुँचाने का आग्रह किया।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

बांग्लादेश के राष्ट्रगान 'आमार सोनार बांग्ला' पर असम में क्यों मचा है बवाल? बंगाली अस्मिता पर उठे सवाल

नई दिल्ली

भारत की सियासत में बांग्लादेशी घुसपैठियों की चर्चा आम हो गयी है. बिहार चुनाव में बांग्लादेशी घुसपैठियों की खूब चर्चा हो रही है और इसे लेकर आरोप–प्रत्यारोप लगाए जा रहे हैं, लेकिन इस बीच बांग्लादेश का राष्ट्रगान 'आमार सोनार बांग्ला भी विवाद में घिर गया है और इसे लेकर भारत में जमकर सियासत की जा रही है. कांग्रेस और भाजपा 'आमार सोनार बांग्ला को लेकर आमने–सामने है. असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने 'आमार सोनार बांग्ला गाने पर कांग्रेस नेता के खिलाफ पुलिस कार्रवाई का निर्देश दिया है.

इसके साथ ही 'आमार सोनार बांग्ला विवाद की गूंज असम से पश्चिम बंगाल पहुंच गई है और तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा कांग्रेस नेता के समर्थन में उतर आई है और इसे बंगाली संस्कृति से जोड़कर देखा जा रहा है और भाजपा पर बंगाली संस्कृति की खिलाफत करने का आरोप लगाया है.

'आमार सोनार बांग्ला' पर कैसे शुरू हुआ विवाद?

विवाद की शुरुआत असम में कांग्रेस की एक सभा में बांग्लादेश का राष्ट्रगान 'आमार सोनार बांग्ला बजाने से हुई. सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होते ही राजनीतिक घमा. सान शुरू हो गया. भाजपा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस अब 'बांग्लादेश–ग्रस्त' हो गई है. यह घटना ऐसे समय में हुई है जब बांग्लादेश के नए नक्शे में पूर्वोत्तर भारत के अधिकांश हिस्से को अपना बताया गया है.

यह घटना असम के श्रीभूमि जिले (जिसे पहले करीमगंज के नाम से जाना जाता था) में हुई. वहां जिला स्तर के नेता बिधुभूषण दास ने कांग्रेस के एक कार्यक्रम में 'आमार सोनार बांग्ला' गाया. उनका यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. उसके बाद भाजपा ने इसे लेकर कांग्रेस पर हमला बोलना शुरू कर दिया.

क्या है 'आमार सोनार बांग्ला'?

'आमार सोनार बांग्ला' मूल रूप से रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा रचित एक देशभक्ति गीत है. उन्होंने 1905 में बंगाल विभाजन के विरोध में यह गीत लिखा था. यह गीत तत्कालीन ब्रिटिश सरकार की विभाजनकारी नीति के विरोध का प्रतीक बन गया था और अंततः 1911 में बंगाल विभाजन रद्द कर दिया गया था. स्वतंत्रता के कई वर्षों बाद 1971 में जब बांग्लादेश अलग राष्ट्र बना तो बांग्लादेश ने 'आमार सोनार बांग्ला' को अपना राष्ट्रगान अपनाया. रवींद्रनाथ टैगोर की रचनाएं बंगाल की प्रकृति, मिट्टी और लोगों के प्रति प्रेम को उजागर करती हैं. बांग्लादेश और पश्चिम बंगाल में आज भी विभिन्न आयोजनों में यह गीत गाते हैं. यहां तक कि देश के विभिन्न हिस्सों में बंगाली रेस्टोरेंट के नामों में भी 'आमार सोनार बांग्ला' का इस्तेमाल किया जाता है. पश्चिम बंगाल को भी 'सोनार बांग्ला' बनाने की बात राजनीतिक वादों में की जाती है. ब्ड सरमा ने दिया मामला दर्ज करने का आदेश

दूसरी ओर, यह विवाद गहराने के बाद असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने पुलिस को श्रीभूमि जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) के खिलाफ तीन दिन पहले एक पार्टी समारोह में बांग्लादेश का राष्ट्रगान गाने के आरोप में मामला दर्ज करने का निर्देश दिया है.

सरमा ने कहा कि कांग्रेस की बैठक में भारत के बजाय बांग्लादेश का राष्ट्रगान गाना "भारत के लोगों और उसके राष्ट्रीय प्रतीकों का घोर अनादर" है. उन्होंने आरोप लगाया कि यह "बांग्लादेश में कुछ लोगों के इस दावे से मेल खाता है कि पूर्वोत्तर उनका क्षेत्र है. सरमा ने कहा कि मैंने पुलिस को श्रीभूमि जिला कांग्रेस कमेटी के खिलाफ मामला दर्ज करने का निर्देश दिया है. बांग्लादेश का राष्ट्रगान गाना उन विभाजनकारी दावों का समर्थन है."

दक्षिणी असम की बराक घाटी के तीन बंगाली बहुल जिलों में से एक, श्रीभूमि, बांग्लादेश की सीमा से लगा हुआ है. पिछले साल इस क्षेत्र का नाम बदलकर करीमगंज से श्रीभूमि कर दिया गया था. यह कदम टैगोर से भी जुड़ा है, जिन्होंने इस क्षेत्र को "श्रीभूमि, मां लक्ष्मी की भूमि" कहा था.

बांग्लादेश के राष्ट्रगान पर कांग्रेस और भाजपा आमने–सामने

असम के कैबिनेट मंत्री अशोक सिंघल ने एक्स पर लिखारू "श्रीभूमि में कांग्रेस की एक बैठक में बांग्लादेश का राष्ट्रगान गाया गया दृ वही देश जो पूर्वोत्तर को भारत से अलग करना चाहता है! यह उजागर करता है कि कैसे कांग्रेस ने वोट बैंक की राजनीति के लिए अवैध घुसपैठ को बढ़ावा दिया, जिसका लक्ष्य 'ग्रेटर बांग्लादेश' बनाना था."

अवैध घुसपैठ असम के सबसे संवेदनशील मुद्दों में से एक है, जिसका अक्सर राजनीतिक बयानबाजी में जिक्र होता है. विपक्षी कांग्रेस ने पलटवार करते हुए सरकार पर बंगाली संस्कृति का "अनादर" और नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर के प्रति "अनादर" करने का आरोप लगाया, जिन्होंने 1905 में ब्रिटिश राज के दौरान बंगाल के विभाजन के विरोध में यह गीत लिखा था.

2 युवराज, 2 सबसे भ्रष्ट परिवार : पीएम मोदी

सबका जम्मू कश्मीर

मुजफ्फरपुररू प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और राष्ट्रीय जनता दल नेता तेजस्वी यादव पर तीखा हमला किया और उन्हें भ्रष्टाचार का युवराज करार दिया तथा उन पर झूठे वादों की दुकान चलाने का आरोप लगाया।

बिहार के मुजफ्फरपुर में एक विशाल चुनावी रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने दोनों विपक्षी नेताओं पर भारत और बिहार के ष्सबसे भ्रष्ट परिवारोंष् का प्रतिनिधित्व करने का आरोप लगाया और कहा कि दोनों करोड़ों रुपये के घोटालों में जमानत पर बाहर हैं।

उन्होंने भीड़ की तालियों की गड़गड़ाहट के बीच कहा, ष्बिहार के चुनावी संग्राम में दो युवा हैं जो खुद को युवराज समझते हैं। उन्होंने झूठे वादों की दुकानें खोल रखी हैं। एक भारत के सबसे भ्रष्ट परिवार का युवराज है और दूसरा बिहार के सबसे भ्रष्ट परिवार का युवराज है। दोनों ही हजारों करोड़ रुपये के घोटालों में जमानत पर बाहर हैं।ष्

प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों विपक्षी नेताओं ने पिछले दिन बिहार में अपनी चुनावी रैलियों के दौरान उन्हें गालियां दीं।

उन्होंने कहा, ष्सुविधा प्राप्त परिवारों में जन्मे लोग स्वाभाविक रूप से उस व्यक्ति को निशाना बनाएंगे जो साधारण पृष्ठभूमि से उठा है। विशेषाधिकार प्राप्त लोग आम आदमी का अपमान किए बिना खाना नहीं पचा पाते। दलितों और पिछड़ों को गाली देना वे अपना जन्मसिद्ध अधिकार समझते हैं।ष्

अपने हमले को तेज करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि ष्विशेषाधिकार प्राप्त पृष्ठभूमि वाले लोग यह बर्दाश्त नहीं कर सकते कि एक गरीब, पिछड़े परिवार का चाय बेचने वाला अब देश के सर्वोच्च पद पर आसीन हो।ष्

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस और राजद नेता बिहार चुनाव में वोट पाने के लिए छठी मैया का अपमान कर रहे हैं और राज्य की जनता उन्हें सदियों तक माफ नहीं करेगी।

दंगे के समय उमर खालिद दिल्ली में नहीं थे... सिब्बल की सुप्रीम कोर्ट में दलील, अब 3 नवंबर को सुनवाई

नई दिल्ली

दिल्ली में साल 2020 में हुए दंगों के मामले में आरोपी शरजील ईमाम, उमर खालिद, मीरान हैदर समेत कई लोग जेल में बंद हैं. इनकी जमानत याचिका पर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई की गई. गुल्फीशा फातिमा की तरफ से अभिषेक मनु सिंघवी ने पक्ष रखा, उन्होंने कहा कि इन्हें जेल में बंद हुए 5 साल 5 महीने हो चुके हैं. इसके अलावा कई पूरक चार्जशीट भी दाखिल हो चुकी हैं. जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एन वी अंजिरिया की बेंच इस मामले की सुनवाई की. कोर्ट ने दलीलें सुनने के बाद जमानत याचिका पर सुनवाई 3 नंवबर के तक के लिए टाल दी है.

गुल्फीशा फातिमा की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा गुल्फीशा फातिमा अप्रैल 2020 से 5 साल 5 महीने से जेल में हैं. चार्जशीट 16.9.2020 को दायर की गई है. अब वे हर साल एक पूरक चार्जशीट दायर करने के लिए एक वार्षिक अनुष्ठान करते हैं. कोर्ट में सुनवाई के दौरान कपिल सिब्बल ने दावा किया कि दंगों के समय उमर दिल्ली में मौजूद ही नहीं था.

आगे कहा कि यह बाद में तय किया जाना है कि क्या इस तरह के पूरक आरोपपत्रों द्वारा जांच जारी रखी जा सकती है. सिंघवी ने कहा कि ैब का कहना है कि गुल्फिशा समानता पर जमानत के हकदार हैं. सिंघवी ने कहा कि इस मामले पर विचार करने में भी बहुत देरी हो चुकी है. यह अगला मुद्दा है, वह एक महिला है, यह ध्यान दिया जाना चाहिए.

सिंघवी ने कहा कि आरोपों पर बहस जारी है और आरोप तय नहीं हुए हैं. सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि यह कब शुरू हुआ? सिंघवी ने कहा कि अक्टूबर 2024 तक 939 गवाह पेश किए गए. यहां गुण–दोष मायने नहीं रखते हैं.

दिल्ली पुलिस ने दाखिल किया था हलफनामा

दिल्ली दंगों के आरोप में जेल में बंद आरो. पियों की जमानत के खिलाफ दिल्ली पुलिस की तरफ से हलफनामा दाखिल किया गया है. इसमें पुलिस की तरफ से कहा गया कि 2020 के दिल्ली दंगे कोई अचानक भड़की हिंसा नहीं थे, बल्कि केंद्र में सत्ता परिवर्तन करने की साजिश के तहत किए गए थे. इसका मकसद देश को कमजोर करना था. पुलिस का कहना है– इस साजिश के तहत देशभर में हिंसा फैलाने की कोशिश हुई.

हाईकोर्ट की तरफ से दिल्ली दंगों के सभी आरोपियों की पहले ही जमानत याचिका खारिज कर दी गई थी. कोर्ट ने कहा था कि नागरिकों द्वारा प्रदर्शनों या विरोध प्रदर्शनों की आड़ में षड्यंत्रकारी हिंसा की अनुमति नहीं दी जा सकती है.

दंगों के समय उमर दिल्ली में नहीं था– कपिल सिब्बल

शरजील इमाम की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे ने कहा कि अभियोजन पक्ष को जांच पूरी करने में 3 साल लग गए. 3 साल, मुकदमा आगे नहीं बढ़ सका, क्योंकि उन्होंने कहा कि जांच जारी है. इसलिए 5 में से 3 साल निकल गए.

राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय अगले साल अप्रैल से कश्मीर घाटी में काम करना शुरू कर देगा : उमर

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को कहा कि राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (एनएलयू) अगले साल अप्रैल से घाटी में काम करना शुरू कर देगा।

मुख्यमंत्री ने बांदीपोरा के कांग्रेस विधायक निजाम–उद–दीन भट द्वारा पेश एक निजी प्रस्ताव पर बोलते हुए ये टिप्पणियां कीं। भट के प्रस्ताव में कहा गया है, ष्यह सदन सर्वसम्मति से सरकार पर बिना किसी और देरी के श्रीनगर में जम्मू–कश्मीर राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय की स्थापना की प्रक्रिया शुरू करने के लिए दबाव डालने का संकल्प लेता है, क्योंकि पहले चरण के लिए निर्धारित धनराशि पहले ही प्रदान की जा चुकी है।ष् मुख्यमंत्री द्वारा यह कहने के बाद कि उनकी सरकार को इस पर कोई आपत्ति नहीं है, प्रस्ताव को विधानसभा ने ध्वनिमत से पारित कर दिया।

शांति और सहअस्तित्व : एक वैश्विक दृष्टि

पिनरायी विजयन, अनुवाद : संजय पराते

नव–निर्वाचित न्यूयॉर्क मेयर ममधानी को हार्दिक बधाई कृ यह जीत न केवल व्यक्तिगत सफलता है, बल्कि उस विश्वास की भी पुष्टि है कि लोकतंत्र की जड़ें आज भी जीवित हैं। उनके भाषण में पं. जवाहरलाल नेहरू का उल्लेख और समाजवादी लो. कतांत्रिक विचारधारा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता सुनकर आशा जगती है कि राजनीति मानवतावादी और समावेशी मूल्यों की ओर लौट सकती है।

दुनिया आज एक ऐसे दौर से गुजर रही है जहाँ कॉर्पोरेट स्वार्थ और लाभ की राजनीति ने मानवीय संवेदनाओं और प्राकृतिक संसाधनों को दरकिनार कर दिया है। बड़े आर्थिक हित अक्सर देशों के भीतर और देशों के बीच विवादों को भड़काकर हथियारों, मिसाइलों और अन्य युद्ध–सम्बंधी व्यापारों के जरिए मुनाफा कमाते हैं। इस प्रवृत्ति का परिणाम है प्राकृतिक संसाधनों का अति–उपयोग, वैश्विक ऊष्माकरन, जलवायु परिवर्तन, खाद्य व पेयजल की कमी, गरीबी और बेरोजगारी कृ जिनका सीधा प्रभाव समाज में अस्थिरता और हिंसा की ओर ले जाता है।

इन समस्याओं का एकमात्र स्थायी समाधान है कृ राजनीति का इंसान और प्रकृति केंद्रित होना। शांति की राजनीति, परस्पर निर्भरता और सहअस्तित्व की नीति को अपनाकर ही हम इन संकटों का सामना कर सकते हैं। विभिन्न पहचानें कृ जातीय, भाषाई, सांस्कृतिक, धार्मिक और क्षेत्रीय कृ परस्पर समृद्धि और सहिष्णुता के आधार बन सकती हैं, बशर्ते राजनीतिक और सामाजिक संस्थाएँ इन्हें समझें और अपनाएँ।

वैश्विक व्यवस्था को पुनर्गठित करने की आवश्यकता है। ष्वन नेशन कृ वन वोटष् के सिद्धांत के साथ एक संघीय पद्दति जहाँ सत्ता ग्राम–स्तर तक खुली और उत्तरदायी हो, पारदर्शिता एवं जवाबदेही बनी रहे, और निर्णय सहमति पर आधारित हों कृ यह मॉडल अधिक न्यायपूर्ण और टिकाऊ हो सकता है। निर्णय प्रक्रिया में सर्वसम्मति का महत्व युद्ध और द्वेष की राजनीति को कमजोर करेगा और बहुलवादी समाजों में सहयोग को प्रोत्साहित करेगा।

राष्ट्रों के बीच विवादों का निपटारा अब सैन्य विकल्पों से नहीं, बल्कि कूटनीति, मध्यस्था, अंत. रराष्ट्रीय न्याय और सहयोग के माध्यम से होना चाहिए। अगले सौ वर्षों के लिए युद्धों का त्याग और सभी प्रकार के आक्रामक हथियारों – परमाणु, मिसाइलों और बड़े हथियारों कृ का नश्वरकरण ही मानवता के लिए जीवनदायी कदम होगा। साथ ही, किसी एक या कुछ देशों को विशिष्ट श्वीटोश अधिक. ार देकर वैश्विक निर्णयों को टाला नहीं जाना चाहिए; निर्णायक प्रक्रियाएँ पारदर्शी व समावेशी होनी चाहिए।

आर्थिक नीति में भी परिवर्तन अनिवार्य है। विकास को सिर्फ वृद्धि के आंकड़ों तक सीमित नहीं रखा जा सकता कृ उसे प्रकृति और मानव के कल्याण पर केन्द्रित करना होगा। आय में असमानता को सीमित करके, सामाजिक सुरक्षा और मूलभूत सुविधाओं जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षित पेयजल तक सार्वभौमिक पहुंच सुनिश्चित करके ही समाज का समतामूलक विकास संभव है। प्रस्तावित आय अनुपात कृ अमीर और गरीब के बीच 1रू5 कृ एक आदर्श उद्देश्य है जो अधिक समानता की दिशा में सोच को मजबूती देता है।

हम सबको यह समझना होगा कि हर नागरिक केवल अपने राष्ट्र का नहीं, बल्कि वैश्विक समुदाय का सदस्य है। किसी भी व्यक्ति को मानवाधिकारों और जीवन के बुनियादी अवसरों से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। सीमाएँ और राष्ट्रीय नीतियाँ मानवता के हित में बनाई जाएँ कृ न कि असहिष्णुता और विभाजन को बढ़ावा देने के लिए। परस्पर स्वीकृ ति, सम्मान और सहयोग से ही विश्व वासियों के लिए स्थायी शांति और समृद्धि सुनिश्चित हो सकती है।

अंततः, शांति की राजनीति बहस नहीं बल्कि प्रतिबद्धता मांगती है कृ राजनीतिक इच्छाशक्ति, सामूहिक अनुशासन और बहुपक्षीय सहयोग। हमें नफरती और युद्धोन्मुख विचारधाराओं का विरोध करते हुए शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक न्याय और समान आर्थिक अवसरों के लिए मिलकर काम करना होगा। यही रास्ता भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित, सुंदर और न्यायपूर्ण दुनिया छोड़ने का मार्ग है।

'मुस्लिम लीग ने किए थे सरदार पटेल पर हमले', बीजेपी का सवाल- कांग्रेस ने इसे 86 वर्षों तक क्यों छिपाया

नई दिल्ली

देश आज सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती मना रहा है, जिसको लेकर गुजरात के केवडिया में एकता दिवस परेड का आयोजन किया गया. इस बीच बीजेपी ने कांग्रेस पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं. सोशल मीडिया पोस्ट में पार्टी ने दावा किया कि 1939 में सरदार पटेल पर हुए मुस्लिम लीग के जानलेवा हमलों को कांग्रेस ने 86 साल तक दबाए रखा था. इसके अलावा यह मामला स्वतंत्रता के बाद पाठ्यपुस्तकों से भी हटा दिया गया. पार्टी ने कहा कि वडोदरा और भावनगर में मुस्लिम लीग ने सरदार पटेल पर हमला किया, जिससे देशभक्त शहीद हुए. रिजवान कादरी ने इस छिपी सच्चाई को उजागर किया कि कैसे राजनीतिक सुविधा के लिए यह इतिहास दबाया गया था, जबकि पटेल ने भारत की एकता के लिए संघर्ष किया था. यही वजह है कि बीजेपी ने कांग्रेस से सवाल किया है.

इतिहासकार रिजवान कादरी ने किया सच उजागर बीजेपी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने सरदार पटेल पर हुए हमले को 86 साल तक छुपाए रखा. इसको उजागर इतिहासकार रिजवान कादरी ने किया था. इसके अनुसार 1939 में, मुस्लिम लीग ने सरदार वल्लभभाई पटेल पर दो हमले करवाए थे. इन हमलों को कांग्रेस ने चुपचाप दबा दिया था.

साल 1939 भारत के संघर्ष में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ, जब सरदार पटेल प्रजामंडल आंदोलन के जरिए रियासतों को एकजुट कर रहे थे, उसी समय मुस्लिम लीग ने तुष्टिकरण की राजनीति से प्रेरित होकर धर्म के नाम पर हिंसा भड़काना शुरू कर दिया था. उस समय कांग्रेस ने टकराव की बजाय चुप्पी साध ली थी.

जैसे ही सरदार पटेल का जुलूस मांडवी से गुजरा, मुस्लिम लीग समर्थित लोगों ने "सरदार वापस जाओ!"

के नारे लगाए और उनकी कार पर पथराव किया. प्रजामंडल कार्यालय में आग लगा दी गई. यह पटेल के बढ़ते प्रभाव को दबाने का प्रयास था. इन हमलों पर कांग्रेस ने हमेशा मौन साधे रखा.

मुस्लिम लीग के लोगों ने बनाई थी हमले की योजना

सरदार पटेल ने खुद पर हुए हमले के बाद भी लोगों से शांति और संयम रखने का आग्रह किया था, लेकिन वडोदरा शासन ने एक फर्जी जांच का आयोजन किया और मामले को बंद कर दिया. यह तो बस शुरुआत थी. मुस्लिम लीग के लोग भावनगर में पहले से ही कुछ और घातक योजना बना रहे थे.

भावनगर में भी हुआ था पटेल पर हमला

गुजरात के भावनगर में साल 1939 में 14 मई को जैसे ही पटेल पांचवीं प्रजा परिषद का नेतृत्व कर रहे थे. उसी दौरान मुस्लिम लीग से जुड़ी एक भीड़, जिसे कथित तौर पर स्थानीय रियासतों का समर्थन प्राप्त था, उसने नगीना मस्जिद से उनके शांतिपूर्ण जुलूस पर हमला किया. यह एक पूर्वनियोजित षड्यंत्र था. इस दौरान बच्चू वीर जी और जादू जी शहीद हो गए थे.

सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती : जम्मू-कश्मीर पुलिस ने अनंतनाग, पुलवामा, शोपियां में कई कार्यक्रम आयोजित किए

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में चल रहे समारोह के तहत पुलिस ने अनंतनाग, पुलवामा और शोपियां में पदयात्रा, स्वच्छता अभियान, जागरूकता कार्यक्रम सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए हैं।

अनंतनाग में पुलिस ने लारनू बाज़ार से पुलिस स्टेशन लारनू तक एक पदयात्रा का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में छात्रों, स्थानीय नागरिकों, नागरिक समाज के सदस्यों और पुलिसकर्मियों सहित विभिन्न क्षेत्रों के लगभग 100–150 लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पदयात्रा का नेतृत्व एसएचओ लारनू श्री सज्जाद अहमद ने किया, उनके साथ अन्य पुलिस अधिकारी और कर्मचारी भी थे। इसके अतिरिक्त, सरकारी हाई स्कूल कोकरनाग में एक निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एसडीपीओ कोकरनाग श्री आरिफ हुसैन और अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित थे और उन्होंने छात्रों से बातचीत की और उन्हें एकता, अखंडता और देशभक्ति के मूल्यों को आत्मसात करने के लिए प्रोत्साहित किया।

स्वच्छता, एकता और जन–उत्तरदायित्व के संदेश को बढ़ावा देने के लिए ज़िले के विभिन्न स्थानों पर श्रृंखलाबद्ध स्वच्छता अभियान भी आयोजित किए गए। बिजबेहरा के पद्शबाग में, एसडीपीओ बिजबेहरा श्री शेख मुदासिर ने अन्य पुलिस अधिकारियों और स्थानीय प्रतिभागियों के साथ इस अभियान में भाग लिया। इसी तरह की एक पहल मुगल गार्डन अच्छाबल में एसडीपीओ अच्छाबल श्री बशारत हुसैन के नेतृत्व में आयोजित की गई, जहाँ अधिकारियों और स्थानीय लोगों ने मिलकर यह सुनिश्चित किया कि आसपास का वातावरण साफ़–सुथरा और सुंदर हो। मुगल गार्डन वेरीनाग में, पुलिस स्टेशन डूरू द्वारा स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया, जबकि एसडीपीओ पहलगाम श्री फारूक अहमद ने ज़ियारत शरीफ ऐशमुकाम में एक अन्य अभियान का नेतृत्व किया, जिसमें स्वच्छता बनाए रखने और विरासत स्थलों के संरक्षण में सामुदायिक भागीदारी पर ज़ोर दिया गया।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

द रीयल केरला स्टोरी -- केरल की असली कहानी

(आलेख : एम ए बेबी, अनुवाद : संजय पराते)

1 नवंबर 2025 को, केरल ने इतिहास रच दिया। वह भारत का एकमात्र और दुनिया का दूसरा ऐसा राज्य बन गया, जिसने अत्यधिक गरीबी का उन्मूलन कर दिया है। एलडीएफ सरकार के 21 मई 2021 को पुनः सत्ता में आई थी। उसी दिन हुई अपनी पहली कैबिनेट बैठक में अत्यधिक गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम (एक्सट्रीम पावर्टी एरेडिकेशन प्रोग्राम — ईपीईपी) की घोषणा की गई थी।यह आने के बाद से इस दिशा में साढ़े चार सालों तक चले प्रयासों का परिणाम है।

लाभार्थियों की पहचान के लिए किए गए सर्वेक्षण में 1,032 स्थानीय स्वशासन संस्थाओं के 64,006 परिवारों के 1,03,099 लोगों को अत्यधिक गरीब पाया गया था। इस मूल सूची से उन्हें हटा दिया गया था, जिनकी बाद में मृत्यु हो गई थी, या जो दूसरे राज्यों में चले गए थे, या जिन्हें सूक्ष्म–योजना (माइक्रो–प्लान) की आवश्यकता नहीं रही और जिनके नाम दो बार शामिल थे। शेष सभी लोगों को आवश्यकतानुसार दस्तावेज़, भूमि, आवास, भोजन, स्वास्थ्य सेवा, कौशल विकास, उद्यमिता सहायता आदि प्रदान करके अत्यधिक गरीबी से बाहर निकाला गया है। बहरहाल, विशुद्ध राजनीतिक रूप से संकीर्ण मानसिकता के कारण, विपक्ष ने केरल को अत्यधिक गरीबी से मुक्त घोषित करने के लिए बुलाए गए विशेष विधानसभा सत्र से बहिर्गमन कर दिया। उन्होंने इसके लिए अपनाई गई कार्यप्रणाली पर निराधार प्रश्न उठाए हैं और यहाँ तक कहा है कि केरल में अभी भी अत्यधिक गरीब लोग पाए जा सकते हैं। कुछ नेकनीयत वाले व्यक्ति और संगठन भी विपक्ष के इस राजनी. तिक दिखावे के बहकावे में आ गए हैं। इसलिए, केरल के 70वें स्थापना (पिरवी) दिवस पर की गई इस घोषणा से पहले की प्रक्रिया पर गौर करना ज़रूरी है।

केरल में ईपीईपी (अत्यधिक गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम) का नेतृत्व स्थानीय स्वशासन संस्थाओं ने किया है। केरल में 941 ग्राम पंचायतें, 87 नगर पालिकाएँ और 6 नगर निगम हैं ; कुल 1034 स्थानीय स्वशासन संस्थाएं हैं।जैसा कि पहले ही बताया जा चुका है, 1,032 स्थानीय स्वशासन संस्थाओं (एलएसजीआइ) में अत्यधिक गरीब परिवारों की पहचान की गई थी, यह लगभग 100 प्रतिशत है। केरल के स्थानीय स्वशासन संस्थाओं में से लगभग 41 प्रतिशत पर कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ का शासन है, जो राज्य में सीपीआई (एम) के नेतृत्व वाले एलडीएफ का विपक्षी दल है। अत्यधिक गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम (ईपीईपी) को यूडीएफ द्वारा संचालित स्थानीय स्वशासन संस्थाओं (एलएसजीआइ) द्वारा भी पूरे मन से लागू किया गया, जिनमें से कुछ ने तो सीपीआई (एम) के सदस्य, स्थानीय स्वशासन विभाग (एलएसजीडी) के मंत्री को अपने–अपने स्थानीय निकायों को अत्यधिक गरीबी मुक्त घोषित करने के लिए आमंत्रित भी किया था। अत्यधिक गरीबी उन्मूलन में अपने स्वयं के स्थानीय निकायों के अनुकरणीय प्रदर्शन को नजरअंदाज करके ही केरल में विपक्ष अब अवैज्ञानिक चिंताओं को व्यक्त कर रहा है।

केरल के विपक्ष के नेता ने सरकार द्वारा इस घोषणा की पूर्व संध्या पर सवाल उठाए थे, जबकि अत्यधिक गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम (ईपीईपी) साढ़े चार साल से चल रहा है। इतने लंबे समय के दौरान, विपक्ष के नेता या उनके राजनीतिक समर्थकों में से किसी ने, एक बार भी ईपीईपी के क्रियान्वयन के बारे में कोई चिंता या सुझाव नहीं जताया। 2023 में प्रकाशित अंतरिम रिपोर्ट और पिछले चार वर्षों की सभी आर्थिक समीक्षाओं जैसे दस्तावेज़ों में ईपीईपी की प्रगति का विस्तृत विवरण दिया गया है। फिर भी, जो लोग अब इस पर आपत्ति जता रहे हैं, उन्होंने कभी इस पर गौर करने और ईपीईपी के ठोस क्रियान्वयन पर अपनी राय देने की ज़हमत नहीं उठाई। यही कारण है कि केरल के लोग उनकी वर्तमान चिंताओं के सही होने पर संदेह कर रहे हैं।

बहरहाल, गरीबी और अत्यधिक गरीबी से जुड़ी आम जनता की एक चिंता का समाधान करना ज़रूरी है। गरीब वे लोग हैं, जो अपनी रोज़मर्रा की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए संघर्ष करते हैं। उनकी मज़दूरी घर के बुनियादी खर्चों के लिए मुश्किल से भी पर्याप्त नहीं होती, जिससे वे एक अच्छा घर बनाने या उसकी मरम्मत करने में भी असमर्थ हो जाते हैं। ऐसे लोग भी हैं, जिनके पास बुनियादी सुविधाएँ तो हैं, लेकिन एक स्थिर आय का अभाव है, जिससे उनके लिए जीवनयापन एक चुनौती बन जाता है। वे गरीब हैं और उनके लिए गरीबी उन्मूलन योजनाएँ बनाई जाती हैं। सरकारें वार्षिक योजना निर्माण के दौरान ही उन्हें आवास और आजीविका के अवसर प्रदान करती हैं।

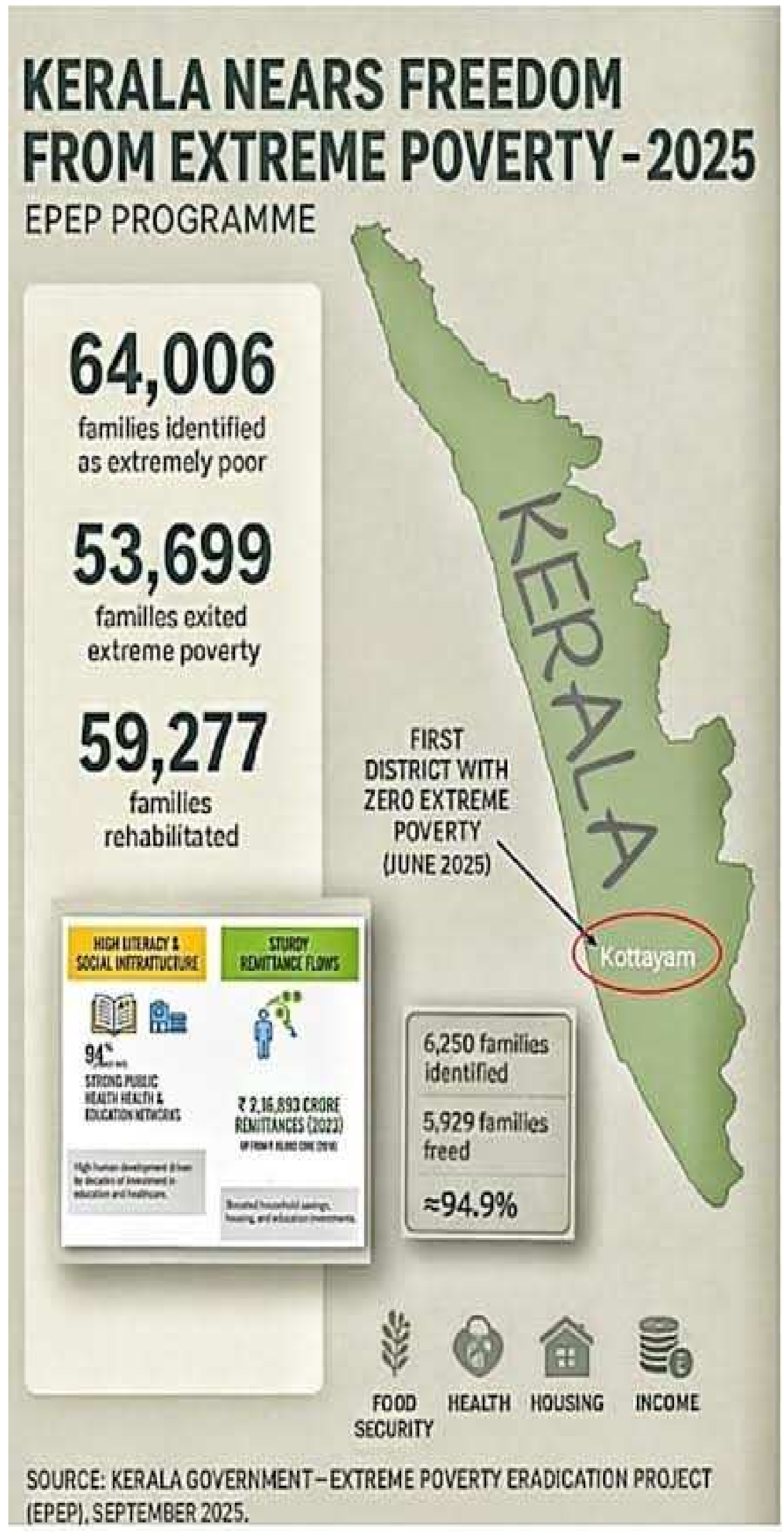

लोगों का एक और समूह है, जिनके लिए ज़िंदा रहना भी नामुमि. कन है, जो काम करने में असमर्थ हैं, जो काम करने में तो सक्षम हैं, लेकिन घर पर बिस्तर पर पड़े आश्रितों की देखभाल करने के लिए मजबूर हैं, जो अपनी ज़रूरतें दूसरों को बताने में असमर्थ हैं, जो ग्राम सभाओं से भी अनजान हैं या उनमें शामिल नहीं हो पाते, और जो लाभ के लिए चुने जाने पर भी, उन लाभों को प्राप्त करने के लिए ज़रूरी दस्तावेज़ पेश नहीं कर सकते। ये बेहद गरीब लोग हैं, जिनका बाहरी मदद के बिना गुज़ारा असंभव है।

केरल के ईपीईपी के एक लाभार्थी का उदाहरण इसे और स्पष्ट करता है। शिवकुमार, जो कभी खाड़ी देशों में काम करते थे, घर लौटने पर अखबार बाँटने का काम करने लगे। मधुमेह की जटिलताओं के कारण उनकी उँगलियों के कुछ हिस्से काटने पड़े। उनके दोनों पैर घुटनों के नीचे से काटने पड़े, जिससे वे काम करने में असमर्थ हो गए। वे अपने दसवीं कक्षा में पढ़ने वाले बेटे के साथ एक स्वयंसेवी संस्था द्वारा दिए गए एक कमरे में रहते थे। उनके तीन बार के भोजन में सुबह खरीदी गई रोटी शामिल थी।

शिवकुमार ने अंतर्जातीय विवाह किया था, इसलिए उन्हें अपने रिश्तेदारों से कोई सहारा नहीं मिला। जब उनकी पत्नी, जो कई बीमा. रियों से पीड़ित थीं, की देखभाल करना संभव नहीं रहा, तो उन्हें मजबूरन उन्हें अपने मायके वापस भेजना पड़ा। इस तरह वे अपने बेटे के साथ उस छोटे से कमरे में अकेले रहने लगे। स्कूल के बाद, उनका बेटा एक फूलों की दुकान पर माला बनाने का काम करता था, और उस मामूली कमाई से वे अपना खाना और स्कूल का खर्च चलाते थे।

शिवकुमार और उनके परिवार के लिए बनाई गई सूक्ष्म–योजना के तहत उन्हें ज़मीन, घर और इलाज व शिक्षा के लिए आर्थिक मदद दी गई। लड़के ने दसवीं और बारहवीं दोनों कक्षाएँ अच्छे अंकों से पास कीं। उसकी माँ घर लौट आई हैं और उन्हें एक सिलाई मशीन दी गई है। इस तरह, शिवकुमार का परिवार आत्महत्या के कगार से वापस आकर सम्मान की ज़िंदगी जीने लगा। वे केरल के उन हज़ारों परिवारों में से एक हैं, जिन्हें अच्छी ज़िंदगी जीने का दुबारा मौका मिला है।

लोकतंत्र तभी सार्थक होता है, जब सरकार समाज में ऐसे व्यक्तियों के अस्तित्व को पहच. ाने और उनकी देखभाल करे। यह तभी पूर्णता प्राप्त करता है, जब यह उन मूक, अदृश्य अल्पसंख्यकों तक पहुँचता है, जो अपनी बात नहीं कह सकते। केरल की एलडीएफ सरकार निश्चित रूप से ईपीईपी को लागू करके बेजुबानों को आवाज़ देने और लोकतंत्र को और अधिक सार्थक बनाने का प्रयास कर रही थी। यही बात केरल के अत्यधिक गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम (ईपीईपी) को अलग बनाती है!

एक ऐसे देश में, जहाँ दशक. ों से एक संरचनात्मक गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम लागू हैं, केरल की राज्य सरकार को उन लोगों तक पहुँचने के लिए विशेष प्रयास करने पड़े, जो हर प्रशासनिक खुर्दबीन से बच गए थे, यानी सबसे असहाय व्यक्ति, जिन्हें सभी मौजूदा तंत्रों ने नज़रअंदाज़ कर दिया था। ऐसा करने के लिए, एलडीएफ सरकार ने अपने प्रशासनिक तंत्र से औपचारिक सीमाओं से परे जाकर सबसे हाशिए पर पड़े लोगों को खोजने और उनकी ज़रूरतों को पूरा करने का आग्रह किया था। इस प्रक्रिया में, राजनीतिक नेतृत्व, सिविल सेवा, जनप्रतिनिधियों और समग्र रूप से सार्वजनिक जीवन में एक नई संस्कृति का उदय और विकास हुआ।

क्या समय के साथ अत्यधिक गरीबी फिर से उभरकर सामने नहीं आएगी? ऐसा हो सकता है, और इसीलिए केरल की एलडीएफ सरकार ने पहले ही ईपीईपी 2.0 लागू करने का संकेत दे दिया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आने वाली पीढ़ियों के लिए अत्यधिक गरीबी पर नज़र रखने और उसे दूर करने के लिए एक सतत प्रक्रिया लागू रहे। इसे साकार करने के लिए सरकार और नागरिक समाज, दोनों को मिलकर काम करना होगा।

इससे यह भी सुनिश्चित होगा कि व्यापक रूप से प्रसारित समाचार पत्रों में छपे कुछ गरीब लोगों के छिटपुट मामलों पर भी ध्यान दिया जाए। लेकिन चाहे जो भी हो, माकपा के नेतृत्व वाली एलडीएफ सरकार में अत्यधिक गरीबी उन्मूलन में केरल की इस अद्वितीय उपलब्धि को कम करके नहीं आंका जा सकता।

(लेखक माकपा के महासचिव और राज्यसभा के पूर्व सांसद हैं। अनुवादक अखिल भारतीय किसान सभा से संबद्ध छत्तीसगढ़ किसान सभा के उपाध्यक्ष हैं। संपर्क रू 94242–31650)

साप्ताहिक सबका जम्मू कश्मीर

संपादकीय

सावधानी बनाम सहयोग

संपादक – राज कुमार

कनाडा में भारतीय आवेदकों के लिए अध्ययन परमिट अस्वीकृत होने की संख्या में भारी वृद्धि, एक समय में एक विश्वसनीय शैक्षिक साझेदारी में एक महत्वपूर्ण मोड़ का संकेत देती है। अब लगभग हर चार में से तीन भारतीय आवेदनों को अस्वीकृत किए जाने के साथ, ये आंकड़े अकेले ओटावा की आव्रजन नीति में बढ़ती सतर्कता की कहानी बयां करते हैं। इसका कारण धोखाधड़ी की रोकथाम बताया गया है। कनाडाई अधिकारियों ने जाली प्रवेश पत्रों के व्यापक दुरुपयोग का पर्दाफाश किया है, जिनमें से कई भारत से आए थे, और तब से उन्होंने सत्यापन प्रक्रियाओं और वित्तीय जाँच को मजबूत किया है। पहली नज़र में, सरकार का रुख उचित है। कोई भी देश अपनी शिक्षा या आव्रजन प्रणालियों की अखंडता से समझौता नहीं कर सकता। लेकिन अस्वीकृति में वृद्धि और इसके परिणामस्वरूप भारतीय नामांकन में गिरावट, कनाडा के भीतर अपने विदेशी छात्रों के प्रवेश की विश्वसनीयता को लेकर गहरी बेचैनी की ओर इशारा करती है। दशकों से, भारतीय छात्र कनाडाई परिसरों में सबसे बड़ा विदेशी समूह रहे हैं, जो शैक्षणिक प्रतिभा और महत्वपूर्ण शिक्षण राजस्व लेकर आए हैं। उनकी उपस्थिति ने संस्थानों को समृद्ध किया है और उत्कृष्टता और खुलेपन के लिए एक साझा प्रतिष्ठा बनाने में मदद की है। यह समीकरण अब बदल रहा है। हालांकि इस बात का कोई स्पष्ट प्रमाण नहीं है कि वास्तविक आवेदकों को बड़ी संख्या में अस्वीकार किया जा रहा है, फिर भी कुल मिलाकर माहौल बदल गया है, स्वागत योग्य जाँच से लेकर सतर्क फ़िल्टरिंग तक। व्यापक संदर्भ घरेलू राजनीति है। कनाडा में अस्थायी प्रवासियों की संख्या में भारी वृद्धि हुई है, जिससे आवास, स्वास्थ्य सेवा और जनभावना पर दबाव पड़ा है। छात्र वीज़ा॰ जो कभी खुलेपन का प्रतीक था॰ अब क्षमता और नियंत्रण पर बहस का केंद्र बन गया है। स्वीकृतियों में कमी करके, ओटावा संकेत दे रहा है कि आव्रजन को बुनियादी ढाँचे की वास्तविकताओं के अनुरूप होना चाहिए। यह बदलाव भारत–विरोधी नहीं, बल्कि अति–विस्तार विरोधी हैरू आंतरिक दबावों से प्रेरित एक सुधार जो धोखाधड़ी वाले दस्तावेज़ों के बाहरी मुद्दे से जुड़ता है। इसका परिणाम भेदभाव नहीं, बल्कि प्रशासनिक आवश्यकता और राजनीतिक दबाव से प्रेरित विश्वास का पुनर्संतुलन है। कनाडा के वीज़ा अधिकारी धीमी प्रवेश दर और घटती विविधता की कीमत पर भी सावधानी बरतने के लिए दृढ़ प्रतीत होते हैं। भारतीय आवेदकों के लिए, नई वास्तविकता का अर्थ है धन के प्रमाण के लिए उच्च आवश्यकताओं को पूरा करना और अधिक संशयी सत्यापन प्रणाली से गुजरना। ख़तरा पक्षपात से कम, नौकरशाही में ज़्यादा है, जहाँ सहानुभूति की जगह कुशलता ले लेती है और प्रक्रियागत सावधानी में व्यक्तिगत योग्यता कहीं खो जाती है। इसके दुष्परिणाम पहले से ही दिखाई दे रहे हैं। प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों ने भारतीय नामांकन में भारी गिरावट दर्ज की है, जिससे कक्षाओं की सांस्कृतिक संरचना बदल रही है जो कभी कनाडा की वैश्विक पहुँच को दर्शाती थी। व्यापक संदेश, चाहे जानबूझकर हो या अनजाने में, यह है कि कनाडा अंतर्मुखी हो रहा है और अपनी अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा रणनीति में विस्तार के बजाय नियंत्रण को प्राथमिकता दे रहा है। फिर भी, यह क्षण भारत में भी आत्मनिरीक्षण को आमंत्रित करता है। धोखेबाज़ बिचौलियों के उदय ने छात्र आवे. दनों की विश्वसनीयता में विश्वास को कम कर दिया है। जब तक भारत विदेशी शिक्षा एजेंटों की निगरानी को मज़बूत नहीं करता और अपनी सत्यापन प्रक्रियाओं को कड़ा नहीं करता, तब तक कुछ लोगों के कदाचार से योग्य छात्र वंचित रहेंगे। लंबे समय में, कनाडा की सावधानी उसकी व्यवस्था की रक्षा तो कर सकती है, लेकिन उसकी छवि को नुकसान पहुँचा सकती है। और भारत के लिए, सबक भी उतना ही स्पष्ट हैरू विदेश में विश्वसनीयता घरेलू जवाबदेही से शुरू होती है।

हरियाणा में कांग्रेस क्या वाकई वोट चोरी के चलते हारी? हमने जो ग्राउण्ड पर देखा वो चौंकाने वाला था

नीरज कुमार दुबे

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हरियाणा विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत को वोटों की चोरी और हेरफेर का परिणाम बताया है। राहुल गांधी ने एक तरह से सवाल उठाते हुए कहा है कि कांग्रेस की स्पष्ट चुनावी जीत की संभावना के बीच भाजपा आखिर कैसे स्पष्ट बहुमत हासिल कर सकती है? राहुल गांधी ने भारतीय निर्वाचन आयोग और भाजपा पर जो सवाल उठाये हैं उससे पहले उन्हें इस बात का जवाब देना चाहिए कि आखिर क्यों कांग्रेस को हरियाणा विधानसभा में विपक्ष का नेता नियुक्त करने में एक साल का समय लग गया? आखिर क्यों कांग्रेस हरियाणा में हुड्डा परिवार से बाहर के किसी नेता को नेतृत्व नहीं सौंप पाती? राहुल गांधी को समझना होगा कि समस्या मतदाता सूची में नहीं बल्कि उसके राज्य नेतृत्व में है।

राहुल गांधी को हरियाणा में भाजपा की जीत के कारणों पर ध्यान देने की बजाय इस बात पर आत्ममंथन करना चाहिए कि कांग्रेस की करारी पराजय के कारण क्या रहे? सवाल उठता है कि हरियाणा की जिस जनता ने विधानसभा चुनावों से कुछ माह पहले लोकसभा चुनावों के दौरान कांग्रेस को अच्छा जन समर्थन दिया था उसने विधानसभा चुनावों में पार्टी से क्यों मुँह मोड़ लिया?

प्रभासाक्षी की टीम ने हरियाणा विधानसभा चुनावों में पूरे राज्य में घूम घूमकर प्रचार को कवर किया था। सबसे पहली बात जो धरातल पर नजर आ रही थी वह यह थी कि कांग्रेस की हवा सिर्फ मीडिया में है जमीन पर नहीं। दूसरी बात यह थी कि हुड्डा गुट ने जिस तरह पूरी कांग्रेस पर कब्जा किया हुआ था उससे पार्टी के अन्य गुट बेहद नाराज थे। खासकर टिकटों के बंटवारे, चुनाव प्रचार में भूमिका आदि के मामले में जिस तरह कुमारी शैलजा के साथ कांग्रेस नेतृत्व ने भेदभाव किया था उसके चलते गुस्सा सिर्फ कांग्रेस कार्यकर्ताओं के मन में ही नहीं बल्कि समाज के भीतर भी दिख रहा था। खुद कुमारी शैलजा जिस तरह चुनावों के बीच नाराज चल रही थीं उससे हुड्डा गुट के प्रति गुस्सा उभर रहा था। कई सीटों पर मैंने देखा कि कांग्रेस के उम्मीदवार अपने प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ सिर्फ चुनाव नहीं लड़ रहे थे बल्कि वह पार्टी के भीतर मौजूद दूसरे गुटों से भिड़ने में ज्यादा समय लगा रहे थे। उनके चुनाव कार्यालय में बैठे लोग अपने प्रतिद्वंद्वी से ज्यादा पार्टी के ही नेताओं के खिलाफ बयानबाजी करने में मशगूल रहते थे।

इसके अलावा, कांग्रेस ने कई ऐसे प्रत्याशियों को मैदान में उतारा था जोकि अपने पैसे के बलबूते ही जीत की उम्मीद कर रहे थे। मैंने देखा कि ऐसे दो कांग्रेस उम्मीदवारों का सारा जोर सिर्फ फिल्मी सितारों से प्रचार करवाने में है। एक दो सभा के बाद वह अपनी आरामगाह में चले जाते थे और फिर शाम को ही प्रचार के लिए निकलते थे। प्रचार के लिए निकलने से पहले मुद्दों को समझने की बजाय उनका ज्यादा जोर श्अच्छा दिखनेश पर रहता था। एक कांग्रेस उम्मीदवार तो ऐसे भी दिखे जोकि दिन में ही इतना नशा कर लेते थे कि प्रचार करने की हालत में नहीं रहते थे, ऐसे में प्रचार की कमान उनके बेटे ने संभाल रखी थी। एक कांग्रेस उम्मीदवार का सारा जोर सिर्फ इसी बात पर था कि मतदाताओं को कैसे श्खुशश किया जाये। हालांकि बात. चीत में वह यह तक नहीं बता पा रहे थे कि उनके क्षेत्र की समस्याएं क्या हैं और उनकी पार्टी ने जो घोषणापत्र जारी किया है उसमें क्या वादे किये गये हैं।

कई विधानसभा क्षेत्रों में कांग्रेस उम्मीदवारों की सभाओं में बच्चों की अच्छी खासी संख्या दिखती थी। पूछने पर बच्चे बताते थे कि उनके परिजन तो भाजपा को वोट देंगे। यही नहीं, एक कांग्रेस उम्मीदवार की रैली में उम्मीदवार का जोरदार अंदाज में स्वागत करने वाली गांव की सरदारी ने भी मुझसे बातचीत में कहा कि गांव तो भाजपा को वोट देगा लेकिन सबका सम्मान करना हमारी परम्परा और संस्कृति है इसलिए किसी को निराश नहीं करते। इसके अलावा, हरियाणा में एक कांग्रेस उम्मीदवार ने पार्टी की सरकार बनने पर सरकारी नौकरियों के आवंटन को लेकर विवादित बयान दे डाला था जिससे कांग्रेस बैकफुट पर आ गयी थी। साथ ही एक बात पूरे हरियाणा में देखने को मिल रही थी कि हुड्डा पिता–पुत्र की रैलियों या रोड शो में आये कार्यकर्ता जिस तरह का हुड़दंग कर रहे थे उसके चलते लोगों के मन में खासतौर पर पिछड़ी जातियों के मन में खौफ पैदा हो रहा था। इस सबके अलावा, कांग्रेस हरियाणा में उसी अति–आत्मविश्वास की शिकार हुई जिसने 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को बड़ा नुकसान पहुँचाया था।

वहीं हरियाणा विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत के कारणों को देखें तो सबसे बड़ा और अहम कारण यह रहा कि आरएसएस और भाजपा के बीच समन्वय बहुत बेहतर था। पूरे हरियाणा में कोई ऐसा विधानसभा क्षेत्र नहीं था जहां भाजपा के प्रवासी कार्यकर्ताओं की टोली चुनाव प्रबंधन से जुड़े कार्य नहीं संभाल रही हो। भाजपा उम्मीदवारों के चुनाव कार्यालय में पार्टी कार्यकर्ता सिर्फ इसी बात में मशगूल दिखते थे कि मतदाता पर्चियां मतदाताओं तक और बस्ते बूथ एजेंटों तक समय से पहुँच जायें। इसके अलावा, हरियाणा में लगभग सवा नौ साल तक मुख्यमंत्री रहे मनोहर लाल खट्टर के खिलाफ उपजी नाराजगी को भांप कर भाजपा नेतृत्व ने भले उन्हें मुख्यमंत्री पद से हटा कर दिल्ली की राजनीति में स्थापित कर दिया था लेकिन खट्टर का मन हरियाणा में ही लगा देख कर ऐन चुनावों के समय एक और बड़ा निर्णय लेते हुए पूरे चुनाव प्रचार अभियान से खट्टर का नाम और उनकी तस्वीर गायब कर दी गयी। हमने पाया कि भाजपा की हर चुनावी रैली अथवा जनसभाओं के दौरान मंच पर या उसके आसपास लगने वाले पोस्टरों, बैनरों और होर्डिंगों में खट्टर का नाम और तस्वीर नहीं थी। यही नहीं हरियाणा सरकार की जिन उपलब्धियों के सहारे भाजपा ने चुनाव लड़ा उसमें भी खट्टर की तस्वीर नहीं लगायी गयी। भाजपा ने साधारण लोगों की तस्वीरों का इस्तेमाल चुनाव प्रचार सामग्री में किया। जैसे युवाओं की तस्वीरों के साथ लिखा गया कि बिना खर्ची पर्ची नौकरी दी गयी। किसानों की तस्वीरों के साथ लिखा गया कि 24 फसलों का एमएसपी दे रही हरियाणा सरकार, महिलाओं की तस्वीरों के साथ लिखा गया कि तमाम योजनाओं का लाभ दे रही भाजपा सरकार। इसी प्रकार अन्य उपलब्धियों का बखान करते हुए भी प्रचार सामग्री तैयार करवायी गयी जिसमें आम लोगों की तस्वीरें प्रकाशित की गयी थी।

इसके अलावा, हरियाणा में कांग्रेस सिर्फ हवा में है जमीन पर नहीं, इस बात का पता जैसे ही भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को चला वैसे ही उसने प्रचार के अंतिम 10 दिनों में अपनी पूरी ताकत झोंक दी थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चार जनसभाएं कराई गयीं और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत तमाम मुख्यमंत्रियों को चुनाव प्रचार में उतार दिया गया। पूरे चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस ने 70 से ज्यादा रैलियां और जनसभाएं कीं। जवाब में भाजपा ने 150 सभाएं और रैलियां कर माहौल को पूरी तरह बदल दिया।

इसके अलावा, हरियाणा में कांग्रेस ने जमीन तक इस बात को पहुँचाने में सफलता हासिल कर ली थी कि श्कांग्रेस आ रही है, भाजपा जा रही हैश। भाजपा ने इस हवा की चाल को धीमा करने के लिए परिवारवाद को मुद्दा बनाया और भूपिंदर सिंह हुड्डा के पिछले शासन की याद दिलाई जिससे माहौल बदलने लगा। भाजपा ने जनता के बीच इस धारणा को मजबूत किया कि अगर कांग्रेस आई तो निश्चित रूप से हुड्डा को कमान सौंपी जाएगी। कांग्रेस नेतृत्व ने भी बार–बार हुड्डा को ही कमान सौंपने के संकेत दिये जिससे फायदा होने की बजाय नुकसान होता दिखा क्योंकि हुड्डा को अपने पिछले कार्यकाल में सिर्फ रोहतक का सीएम माना जाता था और उन पर अपने आलाकमान को खुश रखने के लिए प्रदेश के संसाधनों का दुरुपयोग करने के आरोप भी हैं। कई क्षेत्रों के लोगों ने हमसे कहा कि हुड्डा ने सिर्फ रोहतक में काम किया जिससे वहां की जमीनों के रेट ज्यादा हैं और उनके इलाके की जमीनों का रेट बहुत कम है।

इसके अलावा, भाजपा ने जिस एकजुटता और रणनीति के साथ हरियाणा में काम किया उससे पार्टी चुनावी मुकाबले में तेजी से वापसी करती दिखी। रैलियों, सभाओं और डोर टू डोर हुए प्रचार के बाद मिल रहे फीडबैक से भाजपा के नेताओं और कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह दिखा और इस उत्साह को और बढ़ाने के लिए पार्टी ने कोई कसर नहीं छोड़ी इसलिए 3 अक्टूबर 2024 को शाम पांच बजे चुनाव प्रचार थमने तक भाजपा के प्रदेश के बड़े नेता, दूसरे राज्यों के मंत्री और मुख्यमंत्री तथा केंद्रीय मंत्री जनता के बीच लगातार पहुंचकर भाजपा की सरकार तीसरी बार बनाने की अपील करते दिखे।

खासतौर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जब श्बटेंगे तो कटेंगेश वाला भाषण दिया तो उसके परिणामस्वरूप ध्रुवीकरण जोरदार ढंग से हुआ। इसके अलावा हरियाणा विधानसभा चुनावों के दौरान ही नवरात्रि का पर्व भी चल रहा था और ऐसे में धर्म तथा राजनीति का मिश्रण भाजपा के लिए उपयोगी सिद्ध हो रहा था।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

एवरेस्टबीकेसीसी सीजन 7 ने जम्मू के एफसीआई में खाना पकाने की उत्कृष्टता को प्रज्वलित किया'

सबका जम्मू कश्मीर

'जम्मू, 31 अक्टूबर :' एवरेस्ट बेटर किचन क्यूलिनरी चौलेंज (एवरेस्टबीकेसीसी) सीजन 7 ने फूड क्राफ्ट इंस्टीट्यूट (एफसीआई), जम्मू के परिसर में आगाज किया, जहां महत्वाकांक्षी शेफ, आतिथ्य नेता और गणमान्य व्यक्ति खाना पकाने की नवीनता और प्रतिभा के जीवंत प्रदर्शन के लिए एकत्र हुए।

बेटर किचन मैगजीन द्वारा आयोजित यह भारत का सबसे बड़ा होटल मैनेजमेंट छात्रों के लिए खाना पकाने का प्रतियोगिता है, जो शिक्षा और उद्योग के बीच की खाई को पाटने के साथ–साथ आतिथ्य पेशेवरों की अगली पीढ़ी को पोषित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। समारोह को संबोधित करते हुए, बेटर किचन की प्रकाशक एकता भार्गव ने जोर दिया कि यह पहल छात्रों को वैश्विक अवसरों के लिए तैयार करने के साथ–साथ भारतीय क्षेत्रीय व्यंजनों को विश्व स्तर पर बढ़ावा देने का उद्देश्य रखती है। फ्लेवर्स ऑफ इंडिया के स्थायी थीम के साथ, यह चौलेंज भारत की विविध खाद्य विरासत का जश्न मनाता और संरक्षित करता है, जिससे युवा शेफ प्रामाणिक, स्वस्थ और टिकाऊ खाना पकाने की प्रथाओं की खोज करने के लिए प्रोत्साहित होते हैं।

प्रतियोगिता का सीजन 7 भारत भर में 19 शहरों में फैला हुआ है, साथ ही तीन समानांतर प्रतियोगिताएंक्र बेटर किचन बेकरी चौंपियन, बेटर किचन एफएंडबी यंग मास्टर्स चौलेंज और एंजो हाउसकीपिंग ओलंपियाड।

हर क्षेत्रीय राउंड के विजेता मुंबई में राष्ट्रीय फिनाले में प्रतिस्पर्धा करेंगे, जहां नकद पुरस्कार, ब्रिज यूएसए जे–1 एक्सचेंज विजिटर प्रोग्राम के तहत छात्रवृत्तियां और यूरोप में उच्च अध्ययन के अवसर मिलेंगे। जम्मू राउंड के ज्यूरी में शेफ राजीब मित्रा (रेडिसन ब्लू), शेफ सुधीन एन. गायकवाड़ (ताज विवांता), शेफ नयन (अमंत्रण) और मोहिंदर सिंह (रेडिसन ब्लू) शामिल थे। इस आयोजन में भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के क्षेत्रीय प्रबंधक मनोज कुमार और भाग लेने वाले संस्थानों के फैकल्टी सदस्य भी उपस्थित थे। एफसीआई जम्मू की प्रिंसिपल ज्योति भट्टी ने सेमी–फाइनल राउंड की मेजबानी करने पर गर्व व्यक्त किया और इसे आतिथ्य शिक्षा और वैश्विक एक्सपोजर को बढ़ावा देने का महत्वपूर्ण मंच बताया। उन्होंने प्रतिभागियों के उत्साह की सराहना की और विजडम करियर एजुकेशन (डब्ल्यूसीई) द्वारा प्रदान की गई छात्रवृत्ति सहायता को स्वीकार किया।

यह पहल एवरेस्ट (टाइटल पार्टनर), इनक्रेडिबल इंडिया दृ पर्यटन मंत्रालय (सपोर्ट पार्टनर), भारतगैस (एनर्जी पार्टनर), विजडम करियर एजुकेशन (डब्ल्यूसीई) (इंटरनेशनल प्लेसमेंट पार्टनर) और मायमेनू365, अरुणा शर्मा, आईएएस की पहल (ट्रॉफी पार्टनर) द्वारा समर्थित थी।

'विजेता (जम्मू राउंड)रू'

एवरेस्ट बेटर किचन क्यूलिनरी चौलेंज में टीम एवरेस्ट कसूरी मेथी (आसिफा जोहरा और शबनम कुसर, परेड कॉलेज) ने पहला स्थान हासिल किया, इसके बाद एवरेस्ट कोरिएंडर पाउडर (विदुषी डोगरा और फरिश्ता खान, एसएचटीएम यूनिवर्सिटी) दूसरे स्थान पर रहीं। तीसरा स्थान एवरेस्ट ड्राई मैंगो पाउडर (तनीषा पांडे और सिया शर्मा, पीएसपीएस गांधी नगर) और एवरेस्ट जलजीरा पाउडर (निकिता शर्मा और आशिया खातून, जीडीसी नागरोटा) के बीच साझा किया गया।

बेटर किचन बेकरी चौंपियन श्रेणी में अजय गुप्ता और अमन शर्मा (एफसीआई जम्मू) ने शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि अर्ची शर्मा और ऋषिता शर्मा (गवर्नमेंट वुमेन कॉलेज) तथा तानिया शर्मा और तनीषा चड्ढा (गवर्नमेंट वुमेन कॉलेज) ने क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त किया। बेटर किचन एफएंडबी यंग मास्टर्स चौलेंज में सभी तीन विजेताक्र रितिक शर्मा, विशाल शर्मा और अरुण चौधरीक्र एफसीआई जम्मू से थे, जिन्होंने अपनी असाधारण प्रदर्शन से श्रेणी पर कब्जा जमाया।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में हंगामा : बाढ़ और भ्रष्टाचार पर विरोध प्रदर्शन के बीच भाजपा विधायकों को बाहर निकाला गया

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगररू जम्मू–कश्मीर विधानसभा में गुरुवार को नाटकीय घटनाक्रम देखने को मिला, जब सड़क एवं भवन विभाग में कथित भ्रष्टाचार और हाल ही में आई बाढ़ के पीड़ितों की दुर्दशा पर चर्चा के लिए लाए गए स्थगन प्रस्ताव को प्रक्रियागत आवश्यकताओं को पूरा न करने के कारण अध्यक्ष द्वारा अस्वीकार किए जाने के विरोध में सदन के आसन के समक्ष हंगामा करने पर तीन भाजपा विधायकों को मार्शलों द्वारा बाहर निकाल दिया गया। सत्र में आरक्षण नीति पर भी तीखी बहस हुई, जिससे सां. सदों के बीच गहरे मतभेद उजागर हुए।

प्रश्नकाल के दौरान व्यवधान तब शुरू हुआ जब भाजपा विधायकों ने हाल ही में हिमालयी क्षेत्र, खासकर जम्मू संभाग में आई बाढ़ पर तत्काल चर्चा की मांग की। उन्होंने इस मुद्दे पर एक नया स्थगन प्रस्ताव पेश करने का दावा किया, लेकिन अध्यक्ष अब्दुल रहीम राठेर ने इसे अस्वीकार्य करार देते हुए कहा कि एक बार खारिज होने के बाद ऐसे प्रस्तावों पर दोबारा विचार नहीं किया जा सकता।

इस फैसले से नाराज़ विपक्ष के नेता सुनील कुमार शर्मा ने उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार पर बाढ़ संकट पर जवाबदेही से बचने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ष्भारी बारिश से आई बाढ़ ने जम्मू–कश्मीर के हर कोने को तबाह कर दिया। लोगों को इसके प्रभावों पर चर्चा की उम्मीद थी, लेकिन कोई चर्चा नहीं हुई।ष् उन्होंने बाढ़ प्रभावित निवासियों की पीड़ा पर चर्चा को प्राथमिकता देने के लिए प्रश्नकाल स्थगित करने का आग्रह किया।

आग में घी डालते हुए, शर्मा ने सड़क एवं भवन विभाग में कथित भ्रष्टाचार को उजागर करने वाली एक अखबार की रिपोर्ट लहराई, जिससे सत्ता पक्ष और विपक्षी सदस्यों के बीच नारेबाजी और प्रति–नारेबाजी शुरू हो गई। यह हंगामा आधे घंटे से ज़्यादा समय तक जारी रहा। अध्यक्ष द्वारा प्रदर्शनकारियों से बार–बार अपनी सीटों पर लौटने की अपील के बावजूद, भाजपा विधायक अपनी मांगों पर अड़े रहे और सरकार विरोधी नारे लगाते रहे और अपना प्रदर्शन और तेज़ कर दिया। इसके बाद तीन भाजपा विधायकक्रआरएस पठानिया, सुनील भारद्वाज और सुरिंदर कुमारक्रसदन के वेल में आ गए, जिसके बाद मार्शलों ने उन्हें हटा दिया।

भाजपा महिला मोर्चा ने श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाई गोपाष्टमी

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : गोपाष्टमी के पावन अवसर पर, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) महिला मोर्चा ने अम्फाला आश्रम में आश्रम के प्रमुख पंडित राज कुमार जी के आध्यात्मिक मार्गदर्शन में एक पवित्र अनुष्ठान का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम में भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट नेहा महाजन और उनकी समर्पित टीम ने गहरी आस्था और श्रद्धा के साथ गौ माता का पूजन किया। प्रदेश महिला मोर्चा की टीम में उर्वशी गुप्ता, प्रेरणा नंदा, पूनम गुप्ता, सुमन रैना, गीतांजलि महाजन, जिला इकाई से अनुराधा शर्मा और अन्य प्रमुख महिला कार्यकर्ता भी उपस्थित थीं। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक अनुष्ठानों और मंत्रोच्चार के साथ हुई, जिसमें सनातन धर्म में 33 करोड़ देवी–देवताओं का स्वरूप मानी जाने वाली गौ माता का आशीर्वाद लिया गया।

इस आयोजन को आध्यात्मिक रूप से भव्य बनाने के लिए, इस्कॉन की सदस्यों ने भी समारोह में भाग लिया और भाजपा महिला मोर्चा के साथ मिलकर गौ सेवा ही देव सेवा हैष् का संदेश फैलाया।

उनके भक्तिमय भजनों और कीर्तनों ने वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया, जो हर सनातनी हृदय को जोड़ने वाली सद्भावना और साझा भक्ति को दर्शाता है। सभा को संबोधित करते हुए एडवोकेट नेहा महाजन ने युवाओं में सनातन मूल्यों को पुनर्जीवित करने और उन्हें गौ सेवा में संलग्न होने के लिए प्रोत्साहित करने के महत्व पर बल दिया, जो न केवल हमारी संस्कृति को कायम रखता है बल्कि प्रकृति और दिव्यता के साथ हमारे संबंध को भी गहरा करता है।

उन्होंने कहा, ष्गौ माता की सेवा करना केवल एक परंपरा नहीं है – यह एक पवित्र कर्तव्य है जो हमारे नैतिक ताने–बाने को मजबूत करता है और आने वाली पीढ़ियों को सनातन धर्म के शाश्वत मूल्यों को बनाए रखने के लिए प्रेरित करता है।

सीएम उमर अब्दुल्ला द्वारा आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन को लेकर भाजपा चुनाव आयोग से संपर्क करेगी : सुनील शर्मा

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : वरिष्ठ भाजपा नेता और विपक्ष के नेता सुनील शर्मा ने बुधवार को कहा कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बडगाम में राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय की कक्षाएं शुरू करने की घोषणा करके आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) का उल्लंघन किया है, जहाँ उपचुनाव प्रक्रिया चल रही है।

श्रीनगर में विधानसभा के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए, शर्मा ने कहा कि बडगाम के ओमपुरा में राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय की कक्षाएं शुरू करने के संबंध में मुख्यमंत्री द्वारा सदन में की गई घोषणा चुनाव दिशानिर्देशों का उल्लंघन है।

शर्मा ने कहा, ष्सदन में उमर अब्दुल्ला साहब ने बडगाम में राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय की कक्षाएं खोलने का आश्वासन दिया था, जो आदर्श आचार संहिता के विरुद्ध है।ष् उन्होंने आगे कहा, इस गलती के लिए उन्हें नैतिक आधार पर इस्तीफा दे देना चाहिए। शर्मा ने कहा,

सदन में उमर अब्दुल्ला साहब ने बडगाम में राष्ट्रीय विधि विश्व. विद्यालय की कक्षाएं खोलने का आश्वासन दिया था, जो आदर्श आचार संहिता के विरुद्ध है। उन्होंने आगे कहा, इस गलती के लिए उन्हें नैतिक आधार पर इस्तीफा दे देना चाहिए।

विधानसभा सत्र निराशाजनक रहा, केवल राज्यसभा चुनाव ही सकारात्मक परिणाम : भाजपा

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : श्रीनगर में हाल ही में संपन्न जम्मू–कश्मीर विधानसभा का सत्र पूरी तरह से अनुत्पादक और निराशाजनक साबित हुआ। लगभग कोई विधायी कार्य न होने के कारण, सत्र के लिए सरकार की योजनाएँ पूरी तरह विफल साबित हुईं। पूर्व विधान परिषद सदस्य और भाजपा जम्मू–कश्मीर–केंद्र शासित प्रदेश के प्रवक्ता गिरधारी लाल रैना ने कहा कि जन कल्याण के लिए कोई सार्थक पहल नहीं की गई।

गिरधारी लाल रैना ने कहा कि एकमात्र राहत देने वाली बात यह रही कि राज्यसभा चुनाव का सफल आयोजन हुआ, जहां सदस्यों ने अपनी अंतरात्मा और जम्मू–कश्मीर के भविष्य के लिए अपने दृष्टिकोण के अनुरूप मतदान किया।

रैना ने उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार की खराब योजना, लापरवाह रवैये और आम लोगों से जुड़े मुद्दों के प्रति उदासीनता की कड़ी आलोचना की।

उन्होंने कहा कि विधायी कार्यों पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, सरकार विपक्ष, खासकर जनहित के महत्वपूर्ण मुद्दे उठाने वाले भाजपा विधायकों को चुप कराने पर ज़्यादा आमादा दिख रही है।

क्षेत्रीय आवा उत्तरी कमान ने ध्रुव तारा अस्मिता 2025 मनाया - साहस, लचीलापन और सशक्तिकरण को श्रद्धांजलि

सबका जम्मू कश्मीर

उधमपुर : साहस, दृढ़ता और सशक्तिकरण के एक हार्दिक उत्सव में, क्षेत्रीय ॉ। उत्तरी कमान, उधमपुर ने 1 नवंबर, 2025 को चिनार कॉम्प्लेक्स, उधमपुर में बहुप्रतीक्षित वार्षिक कार्यक्रम ध्रुव तारा अस्मिता 2025ॆ का आयोजन किया। यह कार्यक्रम भारतीय सेना बिरादरी की भावनात्मक रीढ़, सेना की पत्नियों और वीर नारियों के अदम्य साहस को एक भावभीनी श्रद्धांजलि थी।

इस कार्यक्रम ने आर्मी वेलफेयर वाइव्स एसोसिएशन (ॉ) से जुड़ी महिलाओं को अपनी गहरी व्यक्तिगत यात्राएँ साझा करने के लिए एक सार्थक मंच प्रदान किया – ऐसी कहानियाँ जो अटूट दृढ़ संकल्प, विपरीत परिस्थितियों में शक्ति और त्याग एवं सेवा के मूल्यों को बनाए रखने की उनकी गरिमा को दर्शाती हैं। कार्यक्रम के दौरान सुनाई गई प्रत्येक कहानी उन अनगिनत महिलाओं की मौन वीरता को प्रतिध्वनित करती है जो ष्शक्ति के स्तंभोंॆ के सार को साकार करते हुए, ऑलिव ग्रीन्स के पीछे दृढ़ता से खड़ी रही हैं।

इस कार्यक्रम में माननीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह की धर्मपत्नी श्रीमती मंजू सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उनकी उपस्थिति ने कार्यक्रम में उत्साह और प्रेरणा का संचार किया। अपने संबोधन में, श्रीमती सिंह ने सैन्य समुदाय में एकता, करुणा और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए ॉ। के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने सशक्त परिवारों के निर्माण और राष्ट्र की नैतिक एवं भावनात्मक मजबूती में योगदान देने में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया।

ॉ।, उत्तरी कमान की क्षेत्रीय अध्यक्ष श्रीमती शाइनी शर्मा ने उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया और विशिष्ट अतिथियों, प्रतिभागियों और आयोजकों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। अपने संबोधन में, उन्होंने सैन्य पत्नियों और वीर नारियों के असाधारण साहस की सराहना की, जो अपार व्यक्तिगत चुनौतियों का सामना करने के बावजूद, गरिमा, आशावाद और आंतरिक शक्ति के साथ आगे बढ़ती रहती हैं। उन्होंने ॉ। के संपूर्ण कमान में परिवारों के लिए सहायता प्रणालियाँ, कल्याणकारी पहल और सशक्तिकरण के अवसर प्रदान करने के निरंतर मिशन पर ज़ोर दिया।

पूरे कार्यक्रम के दौरान, प्रतिभागियों द्वारा साझा की गई कहानियाँ सहनशीलता, प्रेम और लचीलेपन के सशक्त विषयों से जुड़ी रहीं। व्यक्तिगत क्षति के आख्यानों से लेकर नवीनीकरण और आशा की कहानियों तक, प्रत्येक वृत्तांत उन महिलाओं की गहन भावनात्मक शक्ति को दर्शाता है जो कठिनाइयों को प्रेरणा में बदल देती हैं।

उनके अनुभव एक मार्मिक अनुस्मारक के रूप में कार्य करते हैं कि प्रत्येक सैनिक के पीछे एक परिवार साहस से दृढ़ और अटूट विश्वास से बंधा होता है।

इस कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, संवादात्मक सत्रों और सम्मान समारोहों का भी प्रदर्शन किया गया, जिसमें ॉ। बिरादरी की अनुकरणीय महिलाओं को सम्मानित किया गया। चिनार कॉम्प्लेक्स का माहौल भावनाओं और गर्व से भर गया क्योंकि उपस्थित लोगों ने सुना, सराहना की और साझा अनुभवों के माध्यम से जुड़े।

समारोह की पहुँच बढ़ाने के लिए, ध्रुव तारा अस्मिता 2025 का सीधा प्रसारण किया गया, जिससे उत्तरी कमान और उससे आगे के ॉ। सदस्यों को वर्चुअल रूप से भाग लेने का अवसर मिला। डिजिटल जुड़ाव ने व्यापक सेना परिवार को साझा की गई उल्लेखनीय कहानियों और संदेशों को देखने और उनसे प्रेरणा लेने का अवसर प्रदान किया।

जैसे ही इस यादगार शाम का समापन हुआ, ध्रुव तारा अस्मिता 2025 ने उपस्थित सभी लोगों पर अपनी अमिट छाप छोड़ी। इस कार्यक्रम ने भावनात्मक बंधनों को मज़बूत करने, महिलाओं को सशक्त बनाने और विस्तृत सेना परिवार की पहचान को परिभाषित करने वाले लचीलेपन का जश्न मनाने के लिए ॉ। की स्थायी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। ऐसी पहलों के माध्यम से, उत्तरी कमान ॉ। आशा, एकता और सशक्तिकरण की एक किरण के रूप में खड़ी है – यह संदेश देते हुए कि सच्ची ताकत विपरीत परिस्थितियों में ही चमकती है।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा अनिश्चितकाल के लिए स्थगित; पांच सरकारी विधेयक पारित, 700 से अधिक प्रश्नों पर सुनवाई

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : विधानसभा अध्यक्ष अब्दुल रहीम राथर ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर विधानसभा को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया। इसके साथ ही नौ दिवसीय सत्र का समापन हो गया, जिसमें केंद्र शासित प्रदेश से चार राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव हुए और कई प्रमुख विधेयक पारित किए गए।

सत्र, जो कुछ शोरगुल के अलावा अधिकांशतः सुचारू रूप से चला, में पांच सरकारी विधेयक पारित किये गये तथा दो निजी सदस्यों के प्रस्तावों पर चर्चा हुई। बैठक के दौरान, विधानसभा सचिवालय को 732 प्रश्न प्राप्त हुए, जिनमें से 682 को स्वीकार किया गया, जबकि 29 प्रश्नों पर चर्चा हुई और सदस्यों द्वारा 73 अनुपूरक प्रश्न भी उठाए गए। कार्यवाही के दौरान शून्यकाल के कुल 97 मुद्दे भी उठाए गए।

समाचार एजेंसी कश्मीर डॉट कॉम के अनुसार, 14 निजी विधेयक प्राप्त हुए और पिछले सत्रों के 33 विधेयक अभी भी लंबित हैं। चर्चा के लिए सूचीबद्ध 41 निजी विधेयकों में से केवल आठ पर ही बहस हुई और सभी या तो सरकारी आश्वासन के बाद वापस ले लिए गए या प्रस्ताव के चरण में ही ध्वनिमत से खारिज कर दिए गए। इसके अतिरिक्त, 67 ध्यानाकर्षण प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए, जिनमें से 10 पर चर्चा हुई। चौदह निजी सदस्य प्रस्ताव स्वीकृत हुए, हालाँकि केवल एक ही पारित हुआ।

एकमात्र बड़ा व्यवधान तब हुआ जब भाजपा विधायकों ने सदन से बहिर्गमन किया, क्योंकि अध्यक्ष राथर ने उधमपुर के विधायक पवन गुप्ता द्वारा जम्मू-कश्मीर में बाढ़ पीड़ितों की स्थिति पर बहस की मांग को लेकर लाए गए स्थगन प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया था।

सत्र का समापन करते हुए अध्यक्ष अब्दुल रहीम राठेर ने सभी सदस्यों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा, "मैं सदन की कार्यवाही को सुचारू रूप से चलाने में सहयोग के लिए सभी सदस्यों को धन्यवाद देता हूं।"

डॉ. प्रदीप महोत्रा ने सुपरस्पेशलिटी अस्पताल जम्मू में जय शिरोमणि बाबा कालीवीर जी ट्रस्ट द्वारा आयोजित लंगर प्रसाद वितरण का उद्घाटन किया

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : जम्मू-कश्मीर भाजपा के मीडिया प्रभारी डॉ. प्रदीप महोत्रा ने जय शिरोमणि बाबा कालीवीर जी ट्रस्ट, रेशम घर द्वारा जम्मू के सुपरस्पेशलिटी अस्पताल में आयोजित ष्लंगर प्रसाद वितरणॆ का उद्घाटन किया।

इस नेक पहल का उद्देश्य सनातन धर्म की शिक्षाओं से प्रेरित लंगर सेवा की सदियों पुरानी परंपरा को जारी रखते हुए, मरीजों और उनके तीमारदारों को स्वच्छ भोजन और जलपान उपलब्ध कराना है।

ट्रस्ट के अध्यक्ष शक्ति उप्पल, बंटी जामवाल, शिव उप्पल, कमल भगत, धीरज उप्पल, दिनेश शर्मा, अजीत राठौर, विमित गुप्ता और अन्य स्वयंसेवकों ने पूरी श्रद्धा और समर्पण के साथ इस सेवा में भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए, डॉ. प्रदीप महोत्रा ष्ने कहा कि लंगर सेवा सनातन धर्म के शाश्वत मूल्यों का एक जीवंत उदाहरण है, जो निस्वार्थ भाव से मानवता की सेवा पर जोर देती है। उन्होंने कहा कि भारत विश्व बंधुत्व, ष्सर्वे संतु निरामयाॆ (सभी स्वस्थ रहें) और ष्वसुधैव कुटुम्बकमॆ (विश्व एक परिवार है) की भावना का अग्रदूत रहा है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा, ष्किसी मनुष्य का वास्तविक मूल्य धन या सांसारिक संपत्ति से नहीं, बल्कि सेवा के ऐसे विनम्र और नेक कार्यों से परिलक्षित आंतरिक गुणों और करुणा से मापा जाता है।ॆ

डॉ. प्रदीप ने कुलदेवता बाबा कालीवीर जी की महिमा और दिव्य भावना को बनाए रखने के लिए ट्रस्ट की सराहना की, जिनकी शिक्षाएँ अनगिनत भक्तों को मानवता की सेवा और अच्छाई फैलाने के लिए प्रेरित करती हैं। उन्होंने कहा, ष्बाबा कालीवीर जी धार्मिकता, साहस और करुणा की आत्मा का प्रतिनिधित्व करते हैं। उनके नाम पर किया गया प्रत्येक कार्य मानव सेवा और हमारी गौरवशाली आध्यात्मिक विरासत के प्रति श्रद्धांजलि बन जाता है।ॆ उन्होंने जरूरतमंदों को भोजन कराने और मरीजों और उनके देखभाल करने वालों को प्रेम और विनम्रता से सहयोग देकर इस दिव्य मिशन को आगे बढ़ाने के ट्रस्ट के प्रयासों की सराहना की। डॉ. प्रदीप ने वैश्विक स्तर पर करुणा और समावेशिता के इसी दर्शन को अपनाने के लिए मोदी सरकार की भी सराहना की।

उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति की देखभाल से लेकर कोविड-19 महामारी के दौरान ज़रूरतमंद देशों को मुफ़्त चिकित्सा सहायता प्रदान करने तक, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने शांति, युद्ध और बीमारी के समय में वसुधैव कुटुम्बकम की भावना का उदाहरण प्रस्तुत किया है। ट्रस्ट के अध्यक्ष शक्ति उप्पल ने बताया कि लंगर पिछले दो वर्षों से निरंतर चल रहा है, जिसमें मरीजों और उनके तीमारदारों की ज़रूरतों के अनुसार कम से कम मसालों और अत्यंत स्वच्छता के साथ तैयार चाय, नाश्ता और ताज़ा भोजन उपलब्ध कराया जाता है। उन्होंने बाबा कालीवीर जी के नाम पर इस पवित्र कार्य में योगदान देने वाले सभी स्वयंसेवकों और भक्तों का आभार व्यक्त किया।

जम्मू-कश्मीर में 2024-25 में घरेलू हिंसा के मामलों में 121 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई : आंकड़े

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : जम्मू-कश्मीर में पिछले दो वर्षों में घरेलू हिंसा के 2,800 से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष में दर्ज घटनाओं में 121 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह जानकारी गुरुवार को विधानसभा को दी गई।

हब्बाकदल से नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) विधायक शमीम फिरदौस के एक प्रश्न के उत्तर में समाज कल्याण मंत्री सकीना इटू ने कहा कि पिछले दो वर्षों के दौरान महिलाओं के लिए वन स्टॉप सेंटर और जम्मू-कश्मीर में मिशन शक्ति डैशबोर्ड पर 2,872 घरेलू हिंसा के मामले दर्ज किए गए।

मंत्री ने बताया कि इनमें से 893 मामले 2023-24 में दर्ज किए गए, जबकि 1,979 मामले 2024-25 में दर्ज किए गए।

आंकड़ों के अनुसार, पिछले वित्तीय वर्ष में 2023-24 की तुलना में 1,086 अतिरिक्त घरेलू हिंसा के मामले – 121.61 प्रतिशत – दर्ज किए गए।

सरकार ने बताया कि मिशन शक्ति निदेशालय के तहत महिलाओं के लिए वन स्टॉप सेंटर, जिन्हें ष्सखीॆ केंद्र के नाम से जाना जाता है, कार्यरत हैं।

ये केंद्र 2018 से जम्मू-कश्मीर में कार्यरत हैं और संकटग्रस्त महिलाओं को चिकित्सा सहायता, मनोसामाजिक परामर्श, कानूनी सहायता, अस्थायी आश्रय और पुलिस सहायता जैसी सहायता प्रदान करते हैं।

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

एनआईटी श्रीनगर ने राष्ट्रीय एकता दिवस और सतर्कता जागरूकता सप्ताह पर संयुक्त दौड़ का आयोजन किया

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) श्रीनगर ने शुक्रवार को राष्ट्रीय एकता दिवस (राष्ट्रीय एकता दिवस) के उपलक्ष्य में और सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 को मनाने के लिए एकता के लिए संयुक्त दौड़ का आयोजन किया, जिसे सार्वजनिक जीवन में पारदर्शिता, अखंडता और जवाबदेही को बढ़ावा देने के लिए पूरे देश में मनाया जा रहा है।

भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों और कर्मचारियों के बीच राष्ट्रीय एकता, अखंडता और नैतिक जिम्मेदारी के मूल्यों की पुष्टि करना था।

कार्यक्रम की शुरुआत एकता दिवस शपथ के साथ हुई, जिसमें प्रतिभागियों ने राष्ट्र की एकता और अखंडता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

शपथ प्रो. रूही नाज़ मीर (निदेशक प्रभारी, एनआईटी श्रीनगर), प्रो. अतीकुर रहमान (रजिस्ट्रार), और प्रो. मंजूर अहमद अहंगर (मुख्य सतर्कता अधिकारी और डीन संकाय कल्याण), डॉ. अशोक कुमार (नोडल अधिक. ारी, ईबीएसबी सेल), डॉ. प्रमोद यादव (नोडल अधिकारी, एनएसएस यूनिट), और संकाय समन्वयक डॉ. मनोज कुमार, डॉ. हरीश माइनेनी, डॉ. नितिका कुनादान और डॉ. की उपस्थिति में दिलाई गई। जननी एल.

कार्यक्रम में एआर (प्रशासन) मुबाशिर अहमद वानी, एआर (शिक्षाविद) मोहम्मद इकबाल डार, एआर (लेखा) शाहिद हामिद नजर, एसएएस अधिकारी कौसर अली मीर और कॉलेज के अन्य स्टाफ सदस्य भी उपस्थित थे।

शपथ के बाद, सुबह 10ः00 बजे फाउंटेन पार्क से एकता दौड़ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया, जो परिसर के भीतर एक निर्धारित ट्रैक से होकर गुज़री। इस कार्यक्रम में छात्रों, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

यह दौड़ मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) कार्यालय, एक भारत श्रेष्ठ भारत (ईबीएसबी) सेल और एनआईटी श्रीनगर की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 के तहत संस्थान की पहल के हिस्से के रूप में संयुक्त रूप से आयोजित की गई थी।

लड़कों, लड़कियों और संकाय/कर्मचारियों के लिए अलग-अलग दौड़ आयोजित की गईं। लड़कों के वर्ग में मोहम्मद यासिर मीर ने पहला स्थान हासिल किया, उसके बाद हिमांशु और भरत ने दूसरा स्थान हासिल किया।

बालिका वर्ग में ज्यू मिश्रा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि प्रोजेक्टा बोधत (द्वितीय) और अंजलि राजपूत (तृतीय) स्थान पर रहीं। शिक्षण एवं गैर-शिक्षण स्टाफ श्रेणी में नरेश कुमार प्रथम स्थान पर रहे, उसके बाद डॉ. अतेन्द्र कुमार और डॉ. फरहाद इलाही बख्श रहे।

सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए, जबकि विजेताओं को निदेशक, रजिस्ट्रार और संकाय समन्वयकों द्वारा स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

अपने संबोधन में प्रभारी निदेशक प्रोफेसर रूही नाज़ मीर ने कार्यक्रम के आयोजन के लिए सीवीओ कार्यालय, ईबीएसबी सेल और एनएसएस इकाई के संयुक्त प्रयासों की सराहना की।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एकता, अखंडता और नैतिक आचरण का संदेश राष्ट्रीय एकता दिवस और सतर्कता जागरूकता सप्ताह दोनों का केन्द्र बिन्दु है।

उन्होंने छात्रों और कर्मचारियों से आग्रह किया कि वे अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में ईमानदारी, जिम्मेदारी और राष्ट्र निर्माण के आदर्शों को बनाए रखें।

यह कार्यक्रम सद्भाव, एकजुटता और एक मजबूत, पारदर्शी और एकजुट भारत के निर्माण के लिए प्रतिबद्धता के सामूहिक संद. ेश के साथ संपन्न हुआ।

इस पहल को विश्व भर में लाखों महिलाओं को प्रभावित करने वाले एक गंभीर स्वास्थ्य मुद्दे के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए सभी प्रतिभागियों से व्यापक सराहना मिली।

स्थानीय लोगों से ना छीने रोजी-रोटी कमाने की आजादी, क्षेत्रीय प्रतिबंधों को रोलबैक करे प्रशासन : शिवसेना

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू। शिवसेना (यूबीटी) जम्मू-कश्मीर इकाई ने जम्मू प्रशासन द्वारा ई-रिक्शा चालकों पर लागू किए गए क्षेत्रीय प्रतिबंधों के मनसूबों को स्थानीय लोगों की रोजी-रोटी कमाने की आजादी पर प्रहार करार देते हुए तत्काल रोलबैक करने की मांग की है।

पार्टी प्रदेश मध्यवर्ती कार्यालय में आयोजित आज एक पत्रकार वार्ता में प्रदेश अध्यक्ष मनीश साहनी ने कहा कि ष्गैरों पे करम अपनों पे सितमष् डाए जा रहे हैं। बंगलादेशी व बाहरी राज्य के लोगों के यहा बसने व हमारे रोजगार व वयापार को हडपने की खुली छूट है, मगर स्थानीय लोगों के जम्मू आकर अपनी रोजीरोटी कमाने पर रोक लगाई जा रही है। साहनी ने कहा कि जम्मू को प्रयोगशाला बनकर रख दिया है, ऐसा तुगलकी फरमान कश्मीर के किसी जिले में जारी नहीं किया गया ।

उनहोंने कहा कि आम व गरीब लोगों के लिए ई रिक्शा कम निवेश पर अपने परिवार की रोजीरोटी चलाने , अपने पैरों पर खड़े होने का माधयम बना था।

जिसे जोन में बांट उनकी कमाई पर चोट की जा रही है। प्रशासन के इस फैसले से सैकड़ों परिवारों की रोजी-रोटी पर असर पड़ेगा, खासकर उन युवाओं के लिए जिनके लिए यह आय का एकमात्र स्रोत है। वही इन निर्देशों से आम आदमी को भी असुविधाओं का सामना करना पड रहा है ।

साहनी ने कहा के ई-रिक्शा पर क्षेत्रीय प्रति. बंधों से काले-पीले ऑटो की मनमानियां बढ़ने की आशंका है।

सैन्य-नागरिक संलयन कैप्सूल जम्मू : संपूर्ण क्षेत्र दृष्टिकोण पर प्रकाश डालता है

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : भारतीय सेना द्वारा राइजिंग स्टार कोर के टाइगर डिवीजन के तत्वावधान में शुरू की गई सैन्य-नागरिक संलयन कैप्सूल (एमसीएफसी) का उद्देश्य जम्मू के सभी हितधारकों, जिनमें सशस्त्र बल, नागरिक प्रशासन, बीएसएफ, जम्मू-कश्मीर पुलिस, सीआरपीएफ, सीआईएस, एनडीआरएफ, खुफिया एजेंसियां, शिक्षा जगत, मीडिया, पूर्व सैनिक और गैर सरकारी संगठन शामिल हैं, के बीच तालमेल को बढ़ावा देना है। यह कैप्सूल दस दिनों तक चला, जिसमें विचारों के आदान-प्रदान, विचार-मंथन सत्र, परिचय और विभिन्न प्रतिष्ठानों के दौरे सहित कई संरचित कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसका उद्घाटन 15 अक्टूबर को हुआ और इसमें सभी हितधारकों की व्यापक भागीदारी देखी गई, जिसका उद्देश्य परिचालन से लेकर जमीनी स्तर तक समन्वय को संस्थागत बनाना था। इस पहल का उद्देश्य एक-दूसरे की ताकत, चुनौतियों और सहयोग को जानना था ताकि निर्बाध एकीकरण और समन्वय प्राप्त किया जा सके।

सेना इकाइयों, आईआईएम जम्मू, आईआईटी जम्मू, संभागीय आयुक्त कार्यालय, जम्मू क्षेत्र पुलिस मुख्यालय और सीमा चौकियों का विभिन्न प्रतिष्ठानों में दौरा किया गया, जिससे प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त हुआ और परिचालन एकीकरण पर ध्यान केंद्रित किया गया।

एलजी सिन्हा ने कथित राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के चलते दो और सरकारी कर्मचारियों को बर्खास्त किया

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने गुरुवार को आतंकवादियों के साथ कथित संबंधों के लिए दो सरकारी कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया।

पिछले पांच वर्षों में उपराज्यपाल के नेतृत्व वाले प्रशासन द्वारा संविधान के अनुच्छेद 311 का प्रयोग करके अब तक लगभग 80 सरक. ारी कर्मचारियों को सेवा से बर्खास्त किया जा चुका है।

अधिकारियों ने कहा कि यह कार्रवाई सिन्हा की आतंकवाद के खिलाफ ष्शून्य सहनशीलताष् नीति और जम्मू-कश्मीर में आतंकी पारिस्थितिकी तंत्र पर व्यापक कार्रवाई का हिस्सा है।

अधिकारियों ने बताया कि उपराज्यपाल ने गुलाम हुसैन और माजिद इकबाल डार नामक शिक्षकों की सेवाएं समाप्त कर दीं, जो लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) संगठन की गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल पाए गए थे।

हुसैन को 2004 में रहबर-ए-तालीम (आरईटी) शिक्षक के रूप में नियुक्त किया गया था, तथा 2009 में उन्हें नियमित कर दिया गया और रियासी के माहौर के कलवा स्थित सरकारी प्राथमिक विद्यालय में तैनात किया गया।

सूत्रों के अनुसार, हुसैन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के लिए आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए गुप्त रूप से काम कर रहा था। एक ओवर ग्राउंड वर्कर (ओजीडब्ल्यू) के रूप में, उसे रियासी और आसपास के इलाकों में आतंकी नेटवर्क को मजबूत करने का काम सौंपा गया था और उसे 2023 में गिरफ्तार कर लिया गया।

कानून प्रवर्तन और खुफिया एजेंसियों के जांचकर्ताओं द्वारा एकत्र किए गए साक्ष्यों से पता चला है कि हुसैन एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग एप्लिकेशन के माध्यम से लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों मोहम्मद कासिम और गुलाम मुस्तफा के संपर्क में था।

सूत्रों ने बताया, ष्दोनों उसके हैंडलर थे और गुलाम हुसैन उनके निर्देशों के अनुसार आतंकी गतिविधियों को अंजाम दे रहा था। उसे एक स्थानीय माध्यम से आतंकी फंडिंग मिलती थी, जिसे वह बाद में आतंकवाद को समर्थन देने के लिए ज्ञात आतंकवादियों के परिवारों तक पहुँचाता था। साथ ही, वह आतंकवादियों की भर्ती के लिए पैसे भी बाँटता था और रसद का खर्च भी उठाता था।

जम्मू-कश्मीर सरकार ने हाल ही में आई बाढ़ के बीच निर्वाचन क्षेत्र विकास निधि की शर्तों में ढील दी

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को कहा कि विधायकों द्वारा निर्वाचन क्षेत्र विकास निधि खर्च करने के दिशानिर्देशों में संशोधन किया गया है ताकि विधायकों को अपने निर्वाचन क्षेत्रों के लोगों की सेवा करने में अधिक स्वतंत्रता मिल सके।

विधानसभा में बोलते हुए, अब्दुल्ला ने कहा कि विभिन्न मदों में खर्च की सीमा में या तो ढील दी गई है या उसे पूरी तरह से हटा दिया गया है। उन्होंने कहा, "हमने सीडीएफ दिशानिर्देशों के संबंध में उन क्षेत्रों की पहचान की है जिनमें सुधार किया जा सकता है।

उन्होंने कहा, ष्बिजली विकास के बुनियादी ढाँचे की अधिकतम सीमा हटा दी गई है। पहले यह 50 लाख रुपये थी। सौर पैनल लगाने के लिए 10 लाख रुपये की अधिकतम सीमा भी हटा दी गई है।

अब्दुल्ला ने कहा कि पानी के टैंकर, स्कूल बसें और वैन खरीदने की अनुमति देने के लिए नियमों में ढील दी गई है। उन्होंने कहा, ष्हाल ही में आई बाढ़ और प्रभावित परिवारों के समक्ष आई कठिनाइयों को देखते हुए, सरकार ने विधायकों को चालू वित्त वर्ष और 2026-27 वित्तीय वर्ष के दौरान आपदा प्रभावित परिवारों के लिए घरों के निर्माण और मरम्मत के लिए सीडीएफ से 50 लाख रुपये तक का उपयोग करने की अनुमति देते हुए एकमुश्त छूट प्रदान की है।

साप्ताहिक राशिफल

मेष

मेष राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह कभी खुशी कभी गम लिए रहने वाला है। इस सप्ताह आपक. ो निजी जीवन से लेकर करियर–कारोबार तक में उतार–चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं। हालांकि सप्ताह की शुरुआत सामान्य रहने वाली है। इस दौरान व्यक्तिगत और पेशेवर रूप से खुद को मजबूत पाएंगे। कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी। युवाओं का अधिकांश समय मौज–मस्ती करते हुए बीतेगा। घर–परिवार में मांगलिक कार्य संपन्न होंगे। सप्ताह के मध्य में आपको करियर–कारोबार में कुछ अप्रत्याशित बदलाव को झेलना पड़ सकता है।

इस दौरान नौकरीपेशा लोगों के सिर पर अचानक से अतिरिक्त जिम्मेदारी का बोझ आ सकता है। जिसे पूरा करने के लिए आपको अधिक समय और ऊर्जा खर्च करने की आवश्यकता रहेगी।

वृषभ

वृष राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मध्यम फलदायी है। वृष राशि के जो जातक किसी कार्य विशेष के लिए बीते कुछ समय से लगातार प्रयासरत हैं, उन्हें इस सप्ताह भी उससे जुड़ी सफलता के लिए इंतजार करना पड़ सकता है। सप्ताह के उत्तरार्ध के मुकाबले उनका पूर्वार्ध थोड़ा राहत भरा रहने वाला है।

ऐसे में इस राशि के जातकों को अपने करियर–कारोबार और जीवन से जुड़े अहम कार्यों को इसी दौरान करने का प्रयास करना चाहिए। सप्ताह के मध्य में किसी व्यक्ति विशेष से मेल–मुलाकात होगी। जिसकी मदद से अटके कार्यों में धीमी गति से ही लेकिन प्रगति होती नजर आएगी। सप्ताह के उत्तरार्ध में न सिर्फ कार्यक्षेत्र से जुड़ी बल्कि घर–परिवार से संबंधित समस्याएं भी आपकी परेशानी का कारण बन सकती हैं। इस दौरान पैतृक संपत्ति अथवा किसी जमीन–जायदाद को लेकर विवाद हो सकता है। अचानक से जीवन में तमाम तरह की समस्याएं सामने आने से आपका मन थोड़ा विचलित रह सकता है। हालांकि सुखद पहलू यह है कि इस दौरान आपके संगी–साथी आपकी ढाल बनेंगे और आपके साथ साए की तरह बने रहेंगे।

मिथुन

मिथुन राशि के जातकों को इस सप्ताह सौभाग्य का पूरा साथ मिलेगा। यदि आप किसी कार्य विशेष के लिए लंबे समय से प्रयासरत थे तो उम्मीद का दामन बिल्कुल न छोड़ें क्योंकि इस सप्ताह उसमें आ रही बाधाएं स्वतरू दूर होती हुई नजर आएंगी। सप्ताह के पूर्वार्ध का समय नौकरीपेशा लोगों के लिए अनुकूल रहने वाला है।

इस दौरान आपके शुभचिंतक आपको नेक सलाह देते हुए नजर आएंगे, जिस पर अमल करके आप अपनी चीजों को सुव्यवस्थित कर सकते हैं। सप्ताह के मध्य में किसी तीर्थ स्थान पर जाने का अचानक प्रोग्राम बन सकता है। इस पूरे सप्ताह घरेलू महिलाओं का मन धार्मिक–कार्यों में खूब रमेगा। किसी धार्मिक–आध्यात्मिक व्यक्ति की विशेष कृपा आप पर बरस सकती है। यदि आप व्यवसाय से जुड़े हुए हैं तो आपके लिए सप्ताह के पूर्वार्ध के मुक. बिले उत्तरार्ध ज्यादा शुभ रहने वाला है। इस दौरान आप समझदारी के साथ अपने पैसे का सही जगह निवेश करते हैं तो आपको उससे भविष्य में बड़ा लाभ मिल सकता है। उच्च शिक्षा के लिए प्रयासरत लोगों के लिए यह सप्ताह गुडलक लेकर आएगा।

कर्क

कर्क राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिश्रित फलदायक रहने वाला है। इस सप्ताह इस राशि के जातक. ों को किसी भी फैसले को लेते समय जल्दबाजी करने से बचना चाहिए। रिश्ते–नाते में मिठास बनी रहे और किसी प्रकार की गलतफहमी न पैदा हो इसके लिए स्वजनों के साथ संवाद बनाए रखें।

सप्ताह की शुरुआत में आपको करियर–कारोबार के सिलसिले में बड़े फैसले लेने पड़ सकते हैं। ऐसा करते समय अपने शुभचिंतकों की सलाह अवश्य लें। यदि आप नौकरीपेशा व्यक्ति हैं तो अपने कार्यक्षेत्र में सीनियर और जूनियर को मिलाकर चलें। यदि कार्यक्षेत्र पर हालात आपके अनुकूल नहीं हैं तो आप उससे बजाय भागने के उसे बेहतर बनाने का प्रयास करें। भूलकर भी आवेश में आकर नौकरी में बदलाव जैसा फैसला लेने से बचें। सप्ताह के मध्य में घरेलू समस्याओं के चलते आपका मन थोड़ा खिन्न रहेगा। इस दौरान आपको आपके विरोधी आप पर हावी होने तथा आपके बनते काम बिगाड़ने की कोशिश कर सकते हैं।

सिंह

सिंह राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मध्यम फलदायी रहने वाला है। इस सप्ताह इस राशि के जातक. ों को अपनी ऊर्जा, धन और समय का प्रबंधन करके चलना उचित रहेगा। सप्ताह की शुरुआत में आपके सिर पर अचानक से कुछ बड़े खर्च आ सकते हैं। इस दौरान कार्य विशेष के लिए लंबी दूरी की यात्रा पर भी अचानक निकलना पड़ सकता है। यात्रा सुखद और नये संपर्कों को बढ़ाने वाली साबित होगी। व्यवसाय से जुड़े लोगों के लिए सप्ताह के उत्तरार्ध के मुकाबले पूर्वार्ध का समय ज्यादा अनुकूल रहने वाला है। ऐसे में आपको अपने कारोबार से जुड़े बड़े फैसले इसी दौरान करने चाहिए। सप्ताह के मध्य में आप कुछ चीजों को लेकर खुद को असमंजस की स्थिति में पा सकते हैं। ऐसे में इस दौरान कोई बड़ा फैसला लेते समय अपने शुभचिंतकों की सलाह अवश्य लें। नौकरीपेशा जातकों इस सप्ताह अपने कार्य दूसरों के भरोसे छोड़ने की बजाय स्वयं बेहतर तरीके से पूरे करने का प्रयास करना चाहिए अन्यथा पूर्व में की गई न सिर्फ आपकी मेहनत बेकार जा सकती है, बल्कि वरिष्ठ अधिकारियों की डांट भी सुननी पड़ सकती है।

कन्या

कन्या राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। यदि आप चाहते हैं कि आपको जीवन में मनचाही सफलता और खुशियां मिले तो आपको अपने कार्य और व्यवहार में आमूलचूल बदलाव लाना होगा और अपने शुभचिंतकों को नाराज करने से बचना होगा। इस सप्ताह आपकी किसी बात या व्यवहार से आपके अपने नाराज हो सकते हैं। वाद–विवाद बढ़ने पर वर्षों से बने रिश्ते में दरार आ सकती है। करियर–कारोबार से लेकर घर–परिवार में सब कुछ अच्छा बना रहे इसके लिए दूसरों से अपेक्षा करने करने की बजाय आपको खुद ही आगे बढ़कर प्रयास करना होगा।

यदि आप नौकरीपेशा व्यक्ति हैं तो अपने कार्यक्षेत्र में कनिष्ठ लोगों के साथ रुखा व्यवहार न करें और अपने वरिष्ठ लोगों के साथ अच्छा तालमेल बनाए रखें। यदि आप व्यवसायी हैं तो शार्टकट तरीके से लाभ कमाने से बचें और कागजी काम पूरे करके रखें। यदि आप पार्टनरशिप में व्यवसाय करते हैं तो धन का लेनदेन सावधानी के साथ करें।

तुला

तुला राशि के जातकों के लिए करियर और कारोबार की दृष्टि से यह सप्ताह उत्तम और रिश्ते–नाते की दृष्टि से मध्यम फलदायी रहने वाला है।

सप्ताह की शुरुआत में आपको करियर–कारोबार से जुड़ा कोई बहुप्रतीक्षित शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है। इस सप्ताह तुला राशि का नौकरीपेशा जातक हो या फिर व्यवसाय से जुड़ा कारोबारी, वह अपना शत प्रतिशत अपने कार्य में देता हुआ नजर आएगा।

खास बात कि उसके प्रयासों को सौभाग्य का भी पूरा साथ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी और सीनियर आपके कामकाज की खुले मन से प्रशंसा करते हुए नजर आएंगे। सप्ताह के अंत तक आपको बड़ा पद अथवा अहम जिम्मेदारी मिल सकती है। यदि आप लंबे समय से किसी नये कारोबार की शुरुआत करने अथवा किसी बड़ी डील को फाइनल करने के लिए प्रयासरत थे तो आपकी यह मनोकामना इस सप्ताह पूरी हो सकती है। यदि आप लंबे समय से रोजी–रोजगार के लिए प्रयासरत थे तो सप्ताह के उत्तरार्ध में आपकी यह मनोकामना पूरी हो सकती है।

वृश्चिक

वृश्चिक राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह गुडलक लिए है। इस सप्ताह आपको जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में शुभता–सफलता की प्राप्ति होगी। इस सप्ताह आपके सोचे हुए कार्य समय पर पूरे होंगे। करियर–कारोबार में मनचाही प्रगति होती नजर आएगी। कार्यक्षेत्र में आपको सीनियर और जूनियर दोनों का सहयोग और समर्थन मिलेगा। व्यवसाय में अच्छा मुनाफा कमाएंगे। यदि आपके कारोबार में बीते समय से कोई अड़चन आ रही थी इस सप्ताह वह किसी व्यक्ति विशेष की मदद से दूर हो जाएगी। मार्केट में आपकी साख बढ़ेगी। यदि आप साझेदारी में व्यवसाय करते हैं तो आप उसके विस्तार की योजना पर काम करेंगे। आपकी योजना को साकार रूप देने के लिए आपके शुभचिंतक और परिजन पूरी मदद करेंगे। इस संबंध में घर–परिवार के किसी वरिष्ठ सदस्य की सलाह लाभदायी साबित होगी। यह सप्ताह पठन–पाठन एवं शोध से जुड़े कार्यों को करने वालों के लिए अत्यधिक शुभ साबित होगा।

धनु

धनु राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह जीवन के नये अवसरों को लेकर आने वाला है, लेकिन उसका लाभ उठाने के लिए आपको आलस्य और आशंका को त्याग कर कठिन परिश्रम और प्रयास करना होगा। इस सप्ताह यदि आप अपने धन, समय और उर्जा का सही दिशा में उपयोग करते हैं तो आपको आशा से अधिक सफलता और लाभ मिल सकता हैं। वहीं इसकी अनदेखी करने पर बनते काम बिगड़ जाने से मन में निराशा के भाव जाग सकते हैं। धनु राशि के जातकों को इस सप्ताह खुले हाथ धन खर्च करने से बचना चाहिए अन्यथा सप्ताह के अंत तक उन्हें उधार मांगने की नौबत आ सकती है। व्यवसाय की दृष्टि से यह सप्ताह आपके लिए मिश्रित फलदायी साबित होने वाला है। इस सप्ताह आपको कारोबार में लाभ तो होगा लेकिन साथ ही साथ खर्च की अधिकता भी बनी रहेगी। धनु राशि के जातकों को इस सप्ताह मौसमी बीमारी को लेकर सतर्क रहने की आवश्यकता रहेगी। अपनी दिनचर्या और खानपान सही रखें अन्यथा पेट संबंधी दिक्कतें हो सकती है। परीक्षा–प्रतियोगिता की तैयारी में जुटे छात्रों को सप्ताह के मध्य में किसी सुखद समाचार की प्राप्ति संभव है।

मकर

मकर राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह उतार–चढ़ाव लिए रहने वाला है। इस सप्ताह आप अपने करियर–कारोबार में आ रही अड़चनों को लेकर चिंतित रह सकते हैं। कार्यक्षेत्र और कारोबार के अलावा निजी जीवन से जुड़ी समस्याएं भी आपकी बड़ी चिंता का कारण बनेंगी। हालांकि जीवन के कठिन समय में आपके शुभचिंतक एवं परिजन काफी मददगार साबित होंगे और काफी हद तक आप इन समस्याओं का समाधान खोजने में भी कामयाब होंगे। सप्ताह के मध्य में किसी भी कार्य को करते समय विशेष सावधानी बरतें। इस दौरान जल्दबाजी या असमंजस की स्थिति में लिया गया निर्णय आपके लिए हानिकारक साबित हो सकता है। इस दौरान स्वजनों के साथ बात–व्यवहार करते समय विनम्रता से पेश आएं अन्यथा लंबे समय से बने हुए रिश्तों में दरार आ सकती है। इस सप्ताह खर्च की अधि. कता के चलते आपका बजट थोड़ा गड़बड़ा सकता है। सप्ताह के उत्तरार्ध में करियर–कारोबार के सिलसिले में लंबी दूरी की यात्रा पर निकलना पड़ सकता है।

कुंभ

जीवन में आने वाली छोटी–मोटी दिक्कतों को यदि नजरअंदाज कर दें तो कुंभ राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह शुभ साबित होगा। इस सप्ताह आपको आपकी मेहनत का पूरा फल प्राप्त होगा। करियर और कारोबार की दिशा में किए गये प्रयास सफल होंगे और आपके पद एवं प्रतिष्ठा में बढ़ोत्तरी होगी।

राजनीति से जुड़े लोगों के लिए यह सप्ताह गुडलक लिए हुए है। इस सप्ताह आपकी झोली में कोई बड़ा पद गिर सकता है। सत्तापक्ष से जुड़े लोगों के साथ आपका मेल–मिलाप बढ़ेगा। आपके मान–सम्मान में बढ़ोत्तरी होगी। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी। आप अपनी सूझबूझ से अपने विरोधियों पर काबू पाने में कामयाब होंगे। कुंभ राशि के जो जातक तकनीक के क्षेत्र से जुड़े हुए हैं, उनके लिए यह सप्ताह अत्यंत ही शुभ साबित होगा। इसी प्रकार इलेक्ट्रानिक का कारोबार करने वालों को बड़े लाभ की प्राप्ति होगी। सप्ताह के उत्तरार्ध में किसी वरिष्ठ एवं अनुभवी व्यक्ति से कार्य विशेष के लिए मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

मीन

मीन राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। सप्ताह के पूर्वार्ध का समय जहां अनुकूल तो वहीं उत्तरार्ध थोड़ा प्रतिकूल रहने वाला है। ऐसे में मीन राशि के जातकों को जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यों सप्ताह की शुरुआत में ही निबटाने का प्रयास करना चाहिए। यदि आप बेरोजगार हैं तो आपको इसी दौरान पूरे मनोयोग से रोजी–रोजगार के लिए प्रयास करना चाहिए। इस दौरान किसी व्यक्ति विशेष की मदद से भूमि–भवन से जुड़े विवाद का समाधान निकल सकता है। मीन राशि के जातकों को इस सप्ताह इस बात का पूरा ख्याल रखना होगा कि उनकी बात से ही बात बनेगी और बात से ही बात बिगड़ भी सकती है। ऐसे में अपना काम निकलवाने के लिए लोगों की प्रशंसा करने में जरा भी कंजूसी न करें और सभी के साथ अच्छा तालमेल बनाए रखें। सप्ताह के पूर्वार्ध में आपके घर में कोई धार्मिक अथवा मांग. लिक कार्यक्रम संपन्न हो सकता है। इस दौरान घरेलू महिलाओं का अधिकांश समय पूजा–पाठ में बीतेगा।

साप्ताहिक सबका जम्मू कश्मीर

लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया, जो छह वर्षों की अभूतपूर्व प्रगति को दर्शाता है

प्रधानमंत्री मोदी के दृष्टिकोण ने लद्दाख को सुशासन, पारदर्शिता और स्थिरता के एक आदर्श मॉडल में बदल दिया है : उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता

सबका जम्मू कश्मीर

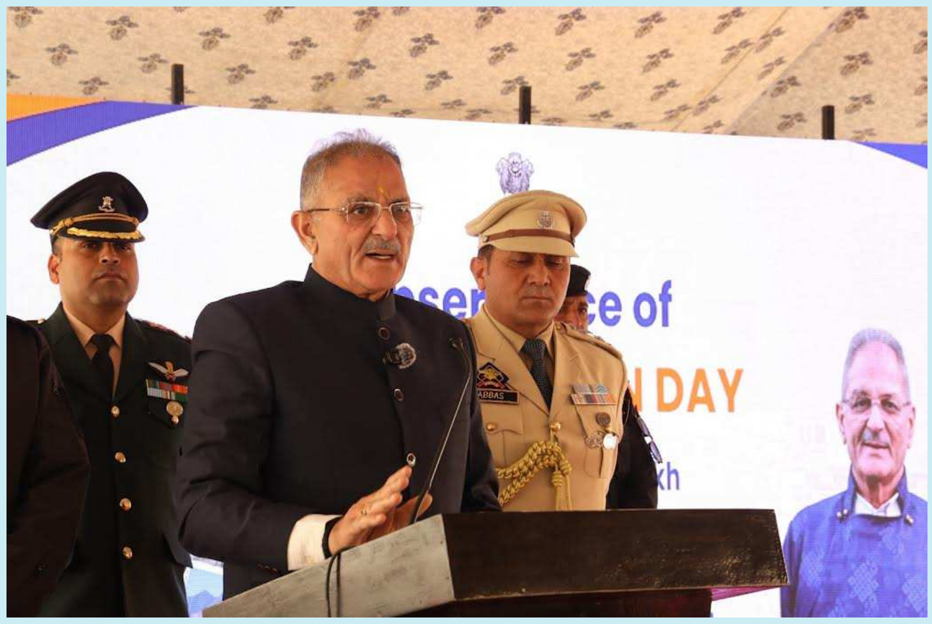

लेहू : केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख का छठा स्थापना दिवस उपराज्यपाल सचिवालय, लेह में देशभक्ति के उत्साह के साथ मनाया गया। माननीय उपराज्यपाल श्री कविंदर गुप्ता ने डिजिटल नागरिक–केंद्रित पहलों की एक श्रृंखला का उद्घाटन किया, जो प्रौद्योगिकी के माध्यम से पारदर्शिता, सुशासन और सशक्तिकरण की दिशा में लद्दाख की यात्रा में एक और मील का पत्थर साबित हुआ।

उल्लेखनीय है कि अनुच्छेद 370 के ऐतिहासिक उन्मूलन के बाद, 31 अक्टूबर, 2019 को लद्दाख एक अलग केंद्र शासित प्रदेश बना। तब से, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, इसने छह वर्षों के उल्लेखनीय परिवर्तन देखे हैं।

उपराज्यपाल द्वारा शुरू की गई प्रमुख डिजिटल पहलों में शिकायत निवारण पोर्टल (https:@@grievance-ladakh-gov-in@), राजभवन वेबसाइट (https:@@rajniwas-ladakh-gov-in@), स्वागतम पोर्टल (https:@@swagatam-gov-in@), ऑनलाइन भवन अनुमति एवं अधिभोग प्रणाली पोर्टल (ीजजचेरू//वइचवे.संकी.हवअ.पद/), और सिडको ऋण प्रबंधन पोर्टल (ीजजचेरू//पकबव. संकी.हवअ.पद/) शामिल हैं। उन्होंने सिंधु दर्शन पत्रिका का भी अनावरण किया, जिसमें उनके कार्यकाल के पहले 100 दिनों पर प्रकाश डाला गया। उपराज्यपाल ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए लद्दाख के लोगों और अधिकारियों को शुभकामनाएं दीं और इस दिन को केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा मिलने के बाद से इस क्षेत्र की प्रगति का एक गौरवशाली स्मरण बताया। उन्होंने कहा, ष्केवल छह वर्षों में, लद्दाख संतुलित विकास और प्रगतिशील शासन का एक उत्कृष्ट उदाहरण बनकर उभरा है। भौगोलिक चुनौतियों के बावजूद, प्रशासन ने बुनियादी ढाँचे, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, बिजली, जलापूर्ति और पर्यटन के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। नए डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म लॉन्च करने के लिए अधिकारियों की सराहना करते हुए, उन्होंने कहा, ष्ये पहल सुशासन के मूल मूल्यों – दक्षता, पहुँच और जवाबदेही को दर्शाती हैं। लद्दाख आज पारदर्शी और तकनीक–संचालित प्रशासन के एक आदर्श के रूप में खड़ा है।

उपराज्यपाल ने दोहराया कि लद्दाख की प्रगति माननीय प्रधानमंत्री की लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने और समग्र क्षेत्रीय विकास सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने आगे कहा, ष्2019 से आज तक की यात्रा एक बेहतर और मज़बूत लद्दाख के लिए काम कर रहे प्रत्येक नागरिक के सामूहिक प्रयासों को दर्शाती है।

उपराज्यपाल ने स्थिरता को प्रमुखता से रेखांकित करते हुए कहा कि लद्दाख नवीकरणीय ऊर्जा और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में नए मानक स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा, ष्प्रधानमंत्री मोदी द्वारा परिकल्पित कार्बन–तटस्थ लद्दाख का सपना अब एक जन आंदोलन बन गया है। हमारी सौर ऊर्जा पहल और सतत जीवन के प्रति बढ़ती जागरूकता लद्दाख के सामूहिक दृढ़ संकल्प को दर्शाती है।

श्री कविंदर गुप्ता ने लद्दाख को सुशासन का एक आदर्श बनाने में अथक प्रयासों के लिए केंद्र शासित प्रदेश के अधिकारियों और कर्मचारियों के समर्पण की सराहना की। उन्होंने कहा, ष्लद्दाख अब भारत के सबसे तेज़ी से विकसित हो रहे क्षेत्रों में से एक के रूप में पहचाना जाता है – जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, विश्वसनीय बिजली और पानी, सभी के लिए स्वास्थ्य सेवा और महिला सशक्तिकरण के अवसर प्रदान करता है।ष्

लद्दाख के युवाओं की सराहना करते हुए, उपराज्यपाल ने कहा कि वे खेल, नवाचार और उद्यमिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ष्हमारा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले, प्रत्येक युवा सशक्त हो और प्रत्येक परिवार सम्मान और समृद्धि का आनंद ले। सच्चा विकास अंतिम छोर तक पहुँचने वाली खुशी में निहित है।ष्

क्षेत्र के सांप्रदायिक सद्भाव पर ज़ोर देते हुए उन्होंने कहा, ष्विविधता में एकता लद्दाख की सबसे बड़ी ताकत है। सभी धर्मों के लोग – बौद्ध, मुस्लिम, हिंदू, सिख और ईसाई – यहाँ शांति और आपसी सम्मान के साथ रहते हैं। भाईचारे की यही भावना हमारे भविष्य को परिभाषित करती रहेगी।ष्

अपने संबोधन के समापन पर, उपराज्यपाल ने नागरिकों से एक विकसित लद्दाख के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया – शासन में पारदर्शी, समाज में सशक्त और विकास में टिकाऊ। उन्होंने कहा, ष्आइए हम लद्दाख को पूरे देश के लिए सुशासन, पर्यावरण जागरूकता और सामूहिक खुशी का एक आदर्श बनाने का संकल्प लें।ष्

इससे पहले, मुख्य सचिव डॉ. पवन कोतवाल ने लद्दाख के स्थापना दिवस पर सभी को बधाई दी और भारत सरकार के साथ साझेदारी में प्रशासन द्वारा की गई प्रमुख पहलों पर प्रकाश डाला। समारोह में ड्रुक पद्मा कार्पो स्कूल, शे के छात्रों द्वारा एक सांस्कृतिक प्रस्तुति और लद्दाख की छह वर्षों की विकासात्मक उपलब्धियों को प्रदर्शित करने वाला एक वीडियो प्रस्तुतिकरण भी शामिल था।

इस कार्यक्रम में लद्दाख के डीजीपी डॉ. एस.डी. सिंह जामवाल, प्रशासनिक सचिव, लेह के उपायुक्त श्री रोमिल सिंह डोंक, निदेशक, वरिष्ठ अधिकारी और छात्र उपस्थित थे।

Helpline

पुलिस स्टेशन	
बाग-ए-बहू	2459777
बख्शी नगर	2580102
बस स्टैंड	2575151
शहर	2543688
गांधी नगर	2430528
गंग्याल	2482019
नौबाद	2571332
पक्का डांगा	2548610
रेलवे स्टेशन	2472870
सैनिक कॉलोनी	2462212
सतवारी	2430364
चन्नी हिम्मत	2465164
ट्रांसपोर्ट नगर	2475444
त्रिकुटा नगर	2475133
गांधी नगर	2459660
एसएसपी शहर	2561578
एसपी शहर उत्तर	2547038
एसपी दक्षिण	2433778
सार्वजनिक उपयोगिता सेवाएँ	
इंडियन एयर लाइन्स	
शहर कार्यालय	2542735
एयर पोर्ट	2430449
जेट एयर वेज़	2453999
सिटी ऑफिस	2573399
रेलवे	
रेलवे पूछताछ	131, 132, 2476407
बुकिंग	2470318
आरक्षण	2470315
पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग स्टेशन	
बख्शी नगर	2543557
गांधी नगर	2430786
कंपनी बाग	2542582
नया प्लॉट	2573429
पंजतीर्थी	2547537
दूरसंचार विभाग	
डायरेक्टरी पूछताछ	197
फॉल्ट रिपेयर	198
ट्रंक बुकिंग	180
बिलिंग शिकायत	2543896
जम्मू नगर पालिका	
जं. लाइन्स	2578503
प्रशासन अधिकारी	2542192
स्वास्थ्य अधिकारी	2547440
डाक सेवाएँ	
मुख्य डाकघर शहर	2543606
गाँधी नगर	2435863
अग्निशमन सेवाएँ	
नियंत्रण कक्ष	101,132, 2476407
शहर	2544263
गाँधी नगर	2457705
नहर	2554064
गंग्याल	2480026
रसोई गैस डीलर	
चिनाब गैस	2547633
गुलमौर गैस	2430835
जैकफेड	2548297
एचपी गैस	2578456
शिवांगी गैस	2577020
तवी गैस	2548455
पावर हाउस	
गाँधी नगर	2430180
नहर रोड	2554147
जानीपुर	2533828
नानक नगर	2430776
परेड	2542289
सतवारी कैंट	2452813
अस्पताल	
जीएमसी अस्पताल	2584290
एस.एम.जी.एस. अस्पताल	2547635
सी.डी. अस्पताल	2577064
डेंटल अस्पताल	2544670
गांधी नगर अस्पताल	2430041
सरवाल अस्पताल	2579402
जी.बी. पंत कैंट अस्पताल	2433500
आयुर्वेदिक कॉलेज	2543661
सी.आर.पी. अस्पताल	2591105
आचार्य श्री चंदर	2662536
मानसिक अस्पताल	2577444
स्वामी विवेकानंद	2547418
ब्लड बैंक	2547637
एम्बुलेंस	2584225, 2575364
एम्बुलेंस (रेड क्रॉस)	2543739
नर्सिंग होम	
मददन अस्पताल	2456727
मेडिकेयर	2435070
त्रिवेणी नर्सिंग होम	2452664
सुविधा नर्सिंग होम	2555965
अल. फिरदौस नर्सिंग होम	2545050
आस्था नर्सिंग होम	2576707
बी एन चौरिटेबल ट्रस्ट	2505310
चोपड़ा नर्सिंग होम	2573580
हरबंस सिंह मेम हॉस्पिटल	2541952
जीवन ज्योति	2576985
युद्ववीर नर्सिंग होम	2547821
मीडियाएड नर्सिंग होम	2466744
सीता नर्सिंग होम	2435007
विभूति नर्सिंग होम	2547969
रामेश्वर नर्सिंग होम	2580601
बी एन चेरिटेबल	2555631
महर्षि दयानंद	2545225

शिक्षा महाकुंभ अभियान 2025 : शिक्षा पीएम मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व के तहत आत्मनिर्भर और विकसित भारत के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाया जा रहा है : एलजी लद्दाख

सबका जम्मू कश्मीर

मोहाली : लद्दाख के उपराज्यपाल, श्री कविंदर गुप्ता, आज राष्ट्रीय औषधि शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाइपर), मोहाली में शिक्षा महाकुंभ अभियान 2025 के पाँचवें संस्करण के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

यहाँ यह बताना उचित होगा कि शिक्षा महाकुंभ 2025 का तीसरा और अंतिम दिन नाइपर, मोहाली में ष्भारत / 2047ष् विषय पर प्रभावशाली विचारों के साथ संपन्न हुआ, जिसमें स्वतंत्रता की शताब्दी के लिए भारत के शैक्षिक रोडमैप की परिकल्पना की गई।

ष्कक्षा से समाज तक – शिक्षा के माध्यम से एक स्वस्थ विश्व का निर्माणष् विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में राष्ट्र निर्माण में शिक्षा की परिवर्तनकारी भूमिका पर विचार–विमर्श करने के लिए भारत भर के प्रख्यात शिक्षाविद, वैज्ञानिक, नीति निर्माता और छात्र एकत्रित हुए।

अपने मुख्य भाषण में, श्री कविंदर गुप्ता ने कहा कि भारत की सभ्यतागत शक्ति ज्ञान और आत्मनिर्भरता की उसकी शाश्वत खोज में निहित है। उन्होंने कहा, ष्हमारे शासक भले ही गुलाम रहे हों, लेकिन भारत की आत्मा ने कभी पराधीनता स्वीकार नहीं की। स्वदेशी की भावना – अपने हाथों और दिलों से निर्माण – राष्ट्र की प्रगति का मार्गदर्शन करती रहती है।ष्

उपराज्यपाल ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी 2020) के माध्यम से शैक्षिक सुधार के एक नए युग की शुरुआत करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, ष्प्रधानमंत्री के नेतृत्व में, भारत की शिक्षा प्रणाली पाठ्यपुस्तकों से आगे विकसित हुई है। यह अब प्रौद्योगिकी, मूल्यों और कौशल को एकीकृत करती है – विचारकों, नवप्रवर्तकों और जिम्मेदार नागरिकों का पोषण करती है जो एक विकसित भारत का निर्माण करेंगे।ष्

विद्या भारती की भूमिका को स्वीकार करते हुए, श्री कविन्द्र गुप्ता ने छात्रों में अनुशासन, सांस्कृतिक मूल्यों और राष्ट्रीय गौरव का संचार करने में विद्या भारती के निरंतर प्रयासों की सराहना की। उन्होंने शिक्षकों से सीखने और राष्ट्र निर्माण के बीच सेतु को मजबूत करने का आग्रह करते हुए कहा, ष्शिक्षा न केवल मन को प्रबुद्ध करे बल्कि राष्ट्र की नैतिक अंतरात्मा को भी जागृत करे।ष् जम्मू–कश्मीर और लद्दाख में आए बदलाव पर विचार करते हुए, उपराज्यपाल ने ज़ोर देकर कहा कि शिक्षा दिलों को जोड़ने और उम्मीद जगाने का सबसे शक्तिशाली ज़रिया बन गई है।

उन्होंने कहा, एक समय था जब गुमराह करने वाली आवाज़ें समाज को बाँटने की कोशिश करती थीं, लेकिन आज लोगों ने उन बातों को नकार दिया है। शिक्षा ने अलगाव की जगह आकांक्षा को जन्म दिया हैकृयह शांति, सशक्तिकरण और प्रगति का माध्यम बन गई है।ष् लद्दाख पर ध्यान केंद्रित करते हुए, श्री कविन्द्र गुप्ता ने कहा कि यह केंद्र शासित प्रदेश आज समावेशी और सतत शैक्षिक विकास का एक आदर्श उदाहरण है। उन्होंने कहा, ष्प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत 2047 के विज़न से प्रेरित होकर, लद्दाख ने शिक्षा को अपने विकास मॉडल के केंद्र में रखा है। प्रारंभिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा और कौशल विकास तक, हमारा लक्ष्य गुणवत्ता और समानता सुनिश्चित करना हैकृचाहे नुब्रा की घाटियाँ हों या चांगथांग के पठार।ष्

उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि उल्लास (नए भारत साक्षरता कार्यक्रम) के तहत लद्दाख एक पूर्णतः साक्षर क्षेत्र के रूप में उभरा है और अब इसकी साक्षरता दर 97ः है, जो राष्ट्रीय औसत से काफ़ी ज़्यादा है। लद्दाख विश्वविद्यालय की स्थापना ने इस क्षेत्र को अनुसंधान, नवाचार और सांस्कृतिक एकीकरण के केंद्र में बदल दिया है। स्कूलों में 150 से अधिक स्मार्ट क्लासरूम और 171 आईसीटी लैब बनाए गए हैं, जबकि 36 पीएम श्री स्कूल अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे और आधुनिक शिक्षण सुविधाओं के साथ विकसित किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा, ष्लद्दाख का दृष्टिकोण हिमालय का ज्ञान केंद्र बनना है – जहाँ आधुनिक विज्ञान पारंपरिक ज्ञान के साथ घुलमिल जाए और शिक्षा स्थिरता, पहचान और मानवीय मूल्यों में निहित रहे।ष् अपने संबोधन का समापन करते हुए, उपराज्यपाल ने जोर देकर कहा कि भारत का शिक्षा मॉडल वैश्विक सद्भाव और सतत विकास का मार्ग प्रदान करता है। उन्होंने कहा, ष्हमारा मिशन ऐसी पीढ़ियों का पोषण करना है जो तकनीकी रूप से कुशल, पर्यावरण के प्रति जागरूक और आध्यात्मिक रूप से दृढ़ हों। शिक्षा के माध्यम से, हम सक्षम नागरिकों का निर्माण कर रहे हैं और अपने महान राष्ट्र की एकता और अखंडता की रक्षा कर रहे हैं।ष् उपराज्यपाल ने कहा, ष्शिक्षा एक आत्मनिर्भर और समृद्ध भारत की नींव है। 2047 का भारत उन मस्तिष्कों से परिभाषित होगा जिन्हें हम आज पोषित करते हैं। आइए, शिक्षा को वह शक्ति बनाएँ जो हमारी गौरवशाली विरासत को एक उज्ज्वल भविष्य से जोड़े।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कश्मीर मैराथन के दूसरे संस्करण को हरी झंडी दिखाई

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आज पोलो व्यू, श्रीनगर से कश्मीर मैराथन के दूसरे संस्करण को हरी झंडी दिखाई, जो जम्मू–कश्मीर की फिटनेस, लचीलेपन और अदम्य साहस का एक जीवंत उत्सव था।

यह दौड़ सुबह 6रू00 बजे पोलो व्यू से शुरू हुई, जिसमें धावकों ने डल झील के किनारे सुंदर बुलेवार्ड रोड पर दौड़ लगाई। इस मैराथन का आयोजन पर्यटन विभाग, कश्मीर द्वारा किया गया था, जिसमें फुल मैराथन (42 किमी), हाफ मैराथन (21 किमी) और शौकिया तथा स्थानीय प्रतिभागियों के लिए छोटी दौड़ सहित कई श्रेणियां शामिल थीं।

इस वर्ष के आयोजन में भारत के 27 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 1,100 से अधिक धावक. ों के साथ–साथ 11 देशों के 77 विदेशी प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिससे कश्मीर के खेल और साहसिक पर्यटन के लिए एक प्रमुख गंतव्य के रूप में उभरने पर ज़ोर दिया गया।

ध्वजारोहण समारोह में मुख्यमंत्री के साथ युवा मामले एवं खेल मंत्री सतीश शर्मा, मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर असलम वानी, बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी, ज़दीबल के विधायक तनवीर सादिक, मुख्य सचिव अटल डुल्लू, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव धीरज गुप्ता, पर्यटन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आशीष वर्मा, कश्मीर पर्यटन निदेशक राजा याकूब और अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी उपस्थित थे।

गणमान्य व्यक्तियों ने, उत्साही स्थानीय लोगों के साथ, धावकों का उत्साहवर्धन किया जब वे श्रीनगर के मध्य से होकर अपने मार्ग पर निकल पड़े।

फिटनेस और जनभागीदारी के प्रति व्यक्तिगत प्रतिबद्धता प्रदर्शित करते हुए, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भी हाफ मैराथन में भाग लिया और 21 किलोमीटर की दौड़ को मात्र एक घंटे पचास मिनट से भी कम समय में सफलतापूर्वक पूरा किया।

बाद में, एक्स (जिसे पहले ट्विटर कहा जाता था) पर अपना अनुभव साझा करते हुए, मुख्यमंत्री ने पोस्ट कियारू

"अभी–अभी कश्मीर हाफ मैराथन पूरी की। मैंने कोई व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं किया, लेकिन पिछले साल की तुलना में मैंने बेहतर प्रदर्शन किया है।

फुल मैराथन और हाफ मैराथन पूरी करने वाले सभी धावकों को बधाई। शाबाश।"

गौरतलब है कि पिछले साल 20 अक्टूबर को आयोजित कश्मीर मैराथन के पहले संस्करण के दौरान, मुख्यमंत्री ने हरी झंडी दिखाकर हाफ मैराथन को पूरा भी किया था। इस कार्यक्रम में बोलते हुए, बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी ने कहा, "लोग कश्मीर और भारत के लिए दौड़ रहे हैं। सभी उम्र के लोगों में उत्साह देखना बहुत अच्छा लगता है।

टोनी ने ई–रिक्शा के लिए श्अतार्किकश् ज़ोन प्रणाली की आलोचना की, इसे फ्लॉप शो बताया

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू : जिला विकास परिषद (डीडीसी) सुच. ेतगढ़ के अध्यक्ष और वरिष्ठ कांग्रेस नेता तरनजीत सिंह टोनी ने रविवार को जम्मू प्रशासन पर जमकर निशाना साधा और उस पर मनमाने और जनविरोधी फैसले लेने का आरोप लगाया जिससे व्यापक जन असुविधा हुई है। टोनी ने ई–रिक्शा के लिए क्षेत्रवार प्रतिबंध प्रणाली लागू करने के प्रशासन के कदम की कड़ी आलोचना की और इसे ष्अतार्किक, खराब योजना वाला और पूरी तरह से असफलष् करार दिया। उन्होंने कहा कि इस फैसले से यात्रियों और ई–रिक्शा चालकों, दोनों में भ्रम और अरा. जकता फैल गई है।

टोनी ने बताया, ष्इस नई नीति के तहत, एक क्षेत्र में पंजीकृत रिक्शा को दूसरे क्षेत्र में जाने की अनुमति नहीं है। नतीजतन, यात्रियों को शहर के भीतर छोटी दूरी तय करने के लिए दो या तीन रिक्शा बदलने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। उन्होंने आगे कहा, ष्इससे न केवल जनता को परेशानी हुई है, बल्कि दैनिक कमाई पर निर्भर रहने वाले गरीब ई–रिक्शा चालकों की आजीविका पर भी असर पड़ा है।ष् टोनी ने कहा कि सार्वजनिक परिवहन को सुगम बनाने के बजाय, प्रशासन ने स्थानीय आवागमन को बाधित कर दिया है, जिससे दैनिक आवागमन एक बोझिल प्रक्रिया बन गया है। उन्होंने कहा, ष्सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को लोगों की सेवा करनी चाहिए, उन्हें दंडित नहीं करना चाहिए।ष् उन्होंने क्षेत्रवार प्रणाली को तुरंत वापस लेने की माँग की।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने बठिंडी के पास जम्मू–श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बैरिकेडिंग का भी विरोध किया और इसे नौकरशाही की असंवेदनशीलता का एक और उदाहरण बताया। उन्होंने कहा, ष्बठिंडी क्रॉसिंग के पास लगाए गए बैरिकेड्स और दीवार ने निवासियों का जीवन दयनीय बना दिया है। दूसरी तरफ जाने के लिए लंबा चक्कर लगाना पड़ता है। यह आम नागरिकों का सरासर उत्पीड़न है।ष्

टोनी ने प्रशासन से आग्रह किया कि वे ऐसे फैसले लागू करने से पहले जनता को विश्वास में लें जो सीधे उनके दैनिक जीवन को प्रभावित करते हैं। उन्होंने ज़ोर देकर कहा, ष्शासन अलग–थलग होकर काम नहीं कर सकता। लोगों की सुविधा और आजीविका हर नीति के केंद्र में होनी चाहिए।

विरोध प्रदर्शन में बलविंदर सिंह रिंकू, शमश. ेर, राम भगत, राज कुमार राजू, कुलदीप और युवा नेता शाहबाज़ समेत कई लोग शामिल हुए। विरोध प्रदर्शन और जनाक्रोश के बाद, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) यातायात अमित भसीन ने मामले में हस्तक्षेप किया, जिसके बाद बठिंडी में बैरिकेड हटा दिए गए, जिससे स्थानीय निवासियों को राहत मिली। टोनी ने एसएसपी को त्वरित प्रतिक्रिया के लिए धन्यवाद दिया, लेकिन दोहराया कि ऐसे जनवि. रोधी कदम बिना उचित परामर्श के कभी नहीं उठाए जाने चाहिए।

जम्मू–कश्मीर विधानसभा में राज्य सचिव का पद संभालने के लिए अधिकतम आयु सीमा बढ़ाकर 70 वर्ष करने संबंधी विधेयक पेश

सबका जम्मू कश्मीर

श्रीनगर : जम्मू–कश्मीर सरकार ने बुधवार को राज्य चुनाव आयुक्त के पद के लिए अधिकतम आयु सीमा 65 वर्ष से बढ़ाकर 70 वर्ष करने के लिए विधानसभा में एक विधेयक पेश किया। जम्मू–कश्मीर पंचायती राज अधिनियम, 1989 में संशोधन करने वाला विधेयक ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री जाविद अहमद डार ने पेश किया।

मसौदा विधेयक में कहा गया है, ष्राज्य चुनाव आयुक्त अपने पदभार ग्रहण करने की तिथि से या 70 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक, जो भी पहले हो, पांच वर्ष की अवधि के लिए पद पर बने रहेंगे, जिसमें उनकी पुनर्नियुक्ति की अवधि, यदि कोई हो, भी शामिल है।ष्

इसमें कहा गया है कि राज्य चुनाव आयुक्त (एसईसी) पद से इस्तीफा दे सकते हैं या धारा 36बी में प्रदत्त प्रक्रिया के अनुसार हटाए जा सकते हैं। जम्मू–कश्मीर पंचायती राज अधि. नियम, 1989 के अनुसार, एसईसी पांच वर्ष की अवधि के लिए या 65 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक,

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

बिजली विभाग की लापरवाही, हाइवोल्टेज करंट लगने से पूर्व सैनिक की गई

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू/राजौरी, अनिल भारद्वाज
जिला राजौरी के अंतर्गत गांव चकजरलां (बगनोटी) में उस समय दर्दनाक हादसा घटित हुआ जब पूर्व सैनिक अब्दुल रशीद पुत्र मीर हुसैन की करंट लगने से मौके पर ही मौत हो गई। गांवों बालों ने बताया कि बिजली विभाग की लापरवाही से घटना पेश आई है। वहीं इस संबंध में पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर शव का पोस्टमार्टम करवा कर मृतक का शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

मृतक अब्दुल रशीद अपने खेत में गया था, जहां इसी दौरान वह बिजली के खंभे से जुड़े एक तार के संपर्क में आ गया, जिसमें हाई–वोल्टेज करंट लगने से पूर्व सैनिक जमीन पर गिर पड़ा। बिजली का करंट इतना ज्यादा था कि मृतक की दोनों टांगे अलग अलग होकर धू–धू जल रही थी। घटना की सुचना मिलते ही और परिजनों सहित गांवों में चीख पुकार मच गई।

गांव के निवासी मोहम्मद फारूक ने बताया बिजली विभाग की लापरवाही के कारण ही जानी नुकसान हुआ है। बिजली की हाइवोल्टेज लाइन पेड़ व जमीन को छू रही थी जिसके चलते करंट फैला हुआ था। उन्होंने कहा करंट लगने से अब्दुल रशीद का पूरा शरीर झुलस गया था, टांगे अलग अलग हो गई थी जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

मृतक के परिजन गहरे सदमे में हैं। उन्होंने बिजली विभाग पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। परिवार का कहना है कि इलाके में ढीले और खुले तारों की शिकायत कई बार की गई थी, लेकिन विभाग ने कोई कदम नहीं उठाया। परिवार ने सरकार से न्याय की मांग करते हुए कहा कि प्रशासन व सरकार से अनुरा.ध करते हैं कि परिवार के एक सदस्य को सरक.ारी नौकरी दी जाए ताकि जीवन–यापन जारी रह सके। स्थानीय लोगों ने भी प्रशासन से इस घटना की उच्चस्तरीय जांच करवाने और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है।

गीत

सूर्य भांति चमक रही कुर्बानी गुरू तेग बहादुर की।
भारत के सिर ऊपर ताज जवानी गुरू तेग बहादुर की।
हिन्दुत्व के लिए शहादत देकर हिन्द की चादर कहलाए।
धर्म ज़मीर आज़ादी एंव बलशाली वाले जज़्बे पाए।
सारे जग में सब्र संतोष निशानी गुरू तेग बहादुर की।
सूर्य भांति चमक रही कुर्बानी गुरू तेग बहादुर की।
भाई जैता जी ने सच्चे अनुयाई के फर्ज़ निभाए।
इस कर के ही रंघरेटा गुरू का बेटा थे कहलाए।
इतिहास में एक सागर भांति रवानी गुरू तेग बहादुर की।
सूर्य भांति चमक रही कुर्बानी गुरू तेग बहादुर की।
भाई दयाला एक ज़मीर सति दास मति दास बहादुर।
सब ने अजब शहादत पा कर राष्ट्र से निकाला है डर।
गोरवमई इक याद बनी लासानी गुरू तेग बहादुर की।
सूर्य भांति चमक रही कुर्बानी गुरू तेग बहादुर की।
सिक्ख इतिहास में महत्वपूर्ण केन्द्र की करके सृजनता।
जिस में शक्ति भक्ति वाली फिर भर दी थी संपूर्णता,
आनंदपुर ने हस्ति पहचानी गुरू तेग बहादुर की।
सूर्य भांति चमक रही कुर्बानी गुरू तेग बहादुर की।
संवेदनशील त्याग सब्र की एक ज्योति ढलती रहती।
हरि मन्दिर में इस कर के ज्योत इलाही जलती रहती।
मानव मूल्य नैतिकता की बाणी गुरू तेग बहादुर की।
सूर्य भांति चमक रही कुर्बानी गुरू तेग बहादुर की।
बालम जैसे अम्बर भीतर नित्य ही चढ़ते चांद सितारे।
ऐसे सदियों तक रहने हैं यह मंगल मई संदेश न्यारे।
राष्ट्र में इक ज्योति जगे रूहानी गुरू तेग बहादुर की।
सूर्य भांति चमक रही कुर्बानी गुरू तेग बहादुर की।

बलबिन्दर बालम गुरदासपुर
ओंकार नगर गुरदासपुर पंजाब
मों 98156–25409

संगठन ने जताया विश्वास – शेख मुबारक को मिली प्रदेश उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी

सबका जम्मू कश्मीर

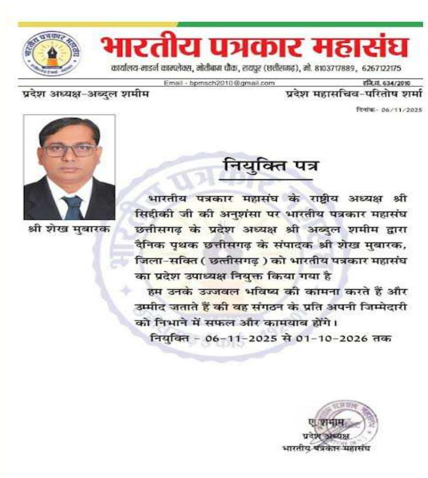

भारतीय पत्रकार महासंघ
कार्यालय-माडर्न काम्लेक्स, मोतीबाग चौक, रायपुर (छत्तीसगढ़), मो. 8103717889, 6267122175
Email - bpmsch2010@gmail.com पंजी.क्र. 634/2010
प्रदेश अध्यक्ष–अब्दुल शमीम प्रदेश महासचिव–परितोष शर्मा
दिनांक- 06/11/2025

श्री शेख मुबारक

नियुक्ति पत्र

भारतीय पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सिद्दीकी जी की अनुशंसा पर भारतीय पत्रकार महासंघ छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष श्री अब्दुल शमीम द्वारा दैनिक पृथक छत्तीसगढ़ के संपादक श्री शेख मुबारक, जिला–सक्ति (छत्तीसगढ़) को भारतीय पत्रकार महासंघ का प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है

हम उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं और उम्मीद जताते हैं की वह संगठन के प्रति अपनी जिम्मेदारी को निभाने में सफल और कामयाब होंगे।

नियुक्ति - 06-11-2025 से 01-10-2026 तक

ए. शमीम
प्रदेश अध्यक्ष
भारतीय पत्रकार महासंघ

AI-generated content

सक्ती /भारतीय पत्रकार महासंघ ने छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ पत्रकार एवं दैनिक पृथक छत्तीसगढ़ अखबार के संपादक शेख मुबारक को संगठन का प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सिद्दीकी के अनुमोदन और प्रदेश अध्यक्ष अब्दुल शमीम की अनुशंसा पर यह नियुक्ति की गई है।

प्रदेश अध्यक्ष अब्दुल शमीम ने कहा कि शेख मुबारक ने पत्रकारिता क्षेत्र में निरंतर निष्पक्षता, जनसरोकार और सामाजिक उत्तरदायित्व का परिचय दिया है। संगठन को विश्वास है कि वे अपनी नई जिम्मेदारी को निष्ठा और दक्षता से निभाएंगे। नियुक्ति पत्र में उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा गया है कि वे संगठन की नीतियों और उद्देश्यों के प्रति अपनी जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा के साथ निभाकर संगठन को और मजबूत करेंगे। पत्रकार जगत में इस नियुक्ति को संगठन के सशक्तिकरण और युवाओं को नेतृत्व में आगे लाने की दिशा में एक सकारात्मक कदम माना जा रहा है। शेख मुबारक ने अपनी नियुक्ति पर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष, प्रदेश अध्यक्ष सहित सभी पदाधिकारियों और सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह जिम्मेदारी मेरे लिए सम्मान के साथ–साथ संगठन के प्रति समर्पण का अवसर भी है। भारतीय पत्रकार महासंघ सदैव पत्रकारों के अधिकार, सुरक्षा और गरिमा के लिए संघर्षरत रहा है। मैं संगठन की नीति, उद्देश्य और सिद्धांतों पर दृढ़ता से कार्य करते हुए पत्रकार हितों की रक्षा और संगठन को मजबूत बनाने के लिए पूरी निष्ठा से काम करूंगा। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में पत्रकारों के हितों से जुड़े मुद्दों पर ठोस पहल और संवाद स्थापित कर संगठन को नई दिशा देने का प्रयास किया जाएगा।

लालू अपने बेटे को बिहार का मुख्यमंत्री और सोनिया अपने बेटे को प्रधानमंत्री बनाना चाहते हैं, लेकिन दोनों पद खाली नहीं हैं : शाह

सबका जम्मू कश्मीर

दरभंगा (बिहार) : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को महागठबंधन पर हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद अपने बेटे तेजस्वी को बिहार का मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता सोनिया गांधी अपने बेटे राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाना चाहते हैं। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि 'दोनों ही पद खाली नहीं हैं'।

बिहार के दरभंगा ज़िले में एक रैली को संबोधित करते हुए, शाह ने महागठबंधन को 'ठगबंधन' करार दिया और आरोप लगाया कि लालू प्रसाद चारा, अलकतरा और ज़मीन के बदले नौकरी घोटाले में शामिल हैं, जबकि कांग्रेस 12 लाख करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार के मामलों में लिप्त है।

शाह ने कहा कि केंद्र ने कट्टरपंथी संगठन पीएफआई पर प्रतिबंध लगा दिया है और उसके सदस्यों को गिरफ़्तार किया है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि एनडीए उन्हें जेल से बाहर नहीं आने देगा।

जम्मू की शान विशाल ज्वेलर्स ने रचा विश्वास का इतिहास 15 भाग्यशाली विजेताओं को दिए शानदार पुरस्कार

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू :' शहर के सबसे बड़े ज्वेलरी ब्रांड विशाल ज्वेलर्स द्वारा आयोजित ग्रैंड लकी ड्रा 2025 का भव्य पुरस्कार वितरण समारोह शुक्रवार को लॉर्ड्स इन होटल जम्मू में शानदार ढंग से संपन्न हुआ।

इस अवसर पर सयंम पंडोह विशाल ज्वेलर्स का परिवार तथा राजेश बाली की गरिमामयी उपस्थिति रही।

समारोह में उपस्थित अतिथियों और ग्राहकों ने इस यादगार शाम का भरपूर आनंद लिया जहाँ विजेताओं को उनके आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए गए। पूरा माहौल उत्साह हर्ष और आभार से सराबा.ेर रहा। कार्यक्रम का सबसे रोमांचक क्षण वह था जब 15 भाग्यशाली विजेताओं के नामों की घोषणा की गई। मंच पर तालियों की गूंज और मुस्कुराहटों के बीच सभी विजेताओं को उनके शानदार पुरस्कार प्रदान किए गए। कृष्णा प्रिंस ने सबसे बड़ा पुरस्कार स्कूटी जीतकर सबका ध्यान आकर्षित किया।

अक्षय और अक्षिता को मिला आईफोन 17 जबकि चंदर प्रकाश ने डाइसन उपकरण जीतकर अपनी खुशी साझा की। श्वेता बक्शी को मिला हीरे का पेंडेंट सेट और सिमरन महाजन ने जीती हीरे की अंगूठी जो समारोह की सबसे झिलमिलाती जीतों में से रही।

ऋतु ठाकुर को मिला 50 ग्राम का चांदी का सिक्का वहीं कपिल चोपड़ा को दोहरा सौभाग्य प्राप्त हुआ उन्होंने इटालियन सेट और एलईडी टीवी दोना.े जीते। विशाल टंडन को मिलीं इटालियन चूड़ियाँ अभय सिंह को रेफ्रिजरेटर और सोनिया गुप्ता को वॉशिंग मशीन से सम्मानित किया गया।

इसी क्रम में संजय रैना को माइक्रोवेव उषा पंडिता को गीजर शाइस्ता को इंडक्शन चूल्हा तथा अरुण पुरी को राइस कुकर पुरस्कार स्वरूप प्रदान किया गया।

विजेताओं के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी। उन्होंने कहा कि विशाल ज्वेलर्स न केवल आभूषणों में बल्कि ग्राहकों के दिलों में भी चमक भर देता है।

न्यू प्लॉट जम्मू स्थित विशाल ज्वेलर्स पिछले दो दशकों से अधिक समय से अपने ग्राहकों के दिलों में विश्वास की अमिट छाप छोड़ चुका है।

सन 1998 में एक छोटे से सपने के रूप में शुरू हुई यह यात्रा आज जम्मू कश्मीर के प्रमुख ज्वेलरी ब्रांड्स में शुमार है।

विधायक राजीव जसरोटिया ने 11 लाख की लागत से नवनिर्मित एवं नवीनीकृत एनक्यूएएस प्रमाणित आयुष्मान आरोग्य मंदिर का लोकार्पण किया

सबका जम्मू कश्मीर

जसरोटा/कठुआ। जसरोटा विधानसभा क्षेत्र में स्वास्थ्य ढांचे को सुदृढ़ करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए विधायक राजीव जसरोटिया ने गुरुवार मंगलूर पंचायत, ब्लॉक डिंगा अंब में आयुष्मान आरोग्य मंदिर (।।ड) के मरम्मत व नवीनीकरण उपरांत इसका उद्घाटन किया। यह परियोजना 11 लाख रुपये की लागत से पूरी की गई है।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर मंगलूर को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (छफ।) के तहत प्रमाणित किया गया है, जो इस केंद्र की उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

उद्घाटन समारोह में बीएमओ हीरानगर डॉ. स्वामी सारण, एएएम प्रभारी अंजल, सुनंदा चंदन, जेडएमओ डॉ. सीमा, तहसीलदार डिंगा अंब अमित, नायब तहसीलदार भूपिंदर सिंह सहित कई प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर मंडल प्रधान भाजपा डिंगा अंब दीपक शर्मा, किसान मोर्चा गथी सिंह, सरपंच मंगलूर पश्चिम कुलभूषण सिंह, सरपंच मंगलूर पूर्व राकेश सिंह, सरपंच चिलख पश्चिम केवल सिंह, सरपंच कुलदीप गुप्ता एवं अन्य पंचायत प्रतिनिधि और स्थानीय लोग भी मौजूद रहे।

विधायक राजीव जसरोटिया ने कहा कि "यह केंद्र क्षेत्रवासियों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं का मजबूत आधार बनेगा। इसके नवीनीकरण से ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध होंगी।"

उन्होंने बताया कि "11 लाख रुपये की लागत से यह कार्य पूरी पारदर्शिता और दक्षता के साथ संपन्न हुआ है। यह परियोजना मेरी प्रतिबद्धता को दर्शाती है कि आम जनता को सुलभ, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं।"

जसरोटिया ने कहा कि आयुष्मान आरोग्य मंदिर पहले से ही लोगों के लिए आशा की किरण रहा है और अब इसके छफ। प्रमाणन से यह केंद्र और अधिक प्रभावी ढंग से जनता की सेवा करेगा।

उन्होंने स्थानीय लोगों से अपील की कि वे इस सुविधा का पूरा लाभ उठाएं और स्वस्थ समाज के निर्माण में सहयोग दें।

स्थानीय समुदाय ने विधायक राजीव जसरोटिया के इस प्रयास का स्वागत करते हुए उनका आभार व्यक्त किया।

जम्मू गोडोला की विफलता सरकार की नीतिगत असफलता का परिणाम : मोहम्मद आरिफ

सबका जम्मू कश्मीर

जम्मू। अपनी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं एब ट्रैक्टर यूनियन के चेयरमैन मोहम्मद आरिफ ने जम्मू-कश्मीर सरकार पर पर्यटक स्थलों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए कहा कि जम्मू में पर्यटकों की कमी सरकार की लापरवाही का परिणाम है। उन्होंने कहा कि इसका सबसे बड़ा उदाहरण जम्मू गोडोला प्रोजेक्ट की विफलता है, जो सरकार की पर्यटन नीतियों की कमजोरी को उजागर करता है।

आरिफ ने कहा कि जम्मू प्रांत के अधिकांश पर्यटक स्थल बदहाल स्थिति में हैं, जिनके विकास की ओर सरकार का ध्यान नहीं है। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि जम्मू के पर्यटक स्थलों के विकास के लिए पर्याप्त धनराशि उपलब्ध कराई जाए, ताकि यहां पर्यटन को बढ़ावा मिले और स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त हों।

उन्होंने आगे कहा कि पर्यटकों के आगमन से न केवल आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि होगी बल्कि बेरोजगारी की समस्या का भी समाधान संभव है। आरिफ ने केंद्र सरकार के पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत से अपील की कि जम्मू गोडोला प्रोजेक्ट के प्रचार-प्रसार और इसके पुनर्जीवन के लिए ठोस कदम उठाए जाएं।

अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि अपनी पार्टी की सरकार बनने पर जम्मू के सभी पर्यटक स्थलों का समग्र विकास किया जाएगा, जिससे जम्मू को पर्यटन मानचित्र पर एक प्रमुख स्थान दिलाया जा सके।

जम्मू विश्वविद्यालय के कठुआ परिसर में विभागीय योजनाओं पर जागरूकता कार्यशाला आयोजित

सबका जम्मू कश्मीर

कठुआ। जम्मू विश्वविद्यालय के कठुआ परिसर में बागवानी विभाग (पी एंड एम) कठुआ की ओर से विभागीय योजनाओं पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कंप्यूटर साइंस एवं आईटी विभाग के प्रमुख डॉ. सौरभ शास्त्री मुख्य अतिथि रहे। कार्यशाला में बड़ी संख्या में पी.जी. छात्र, शोधार्थी, ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (रूज्) और सहकारिता विभाग के अधिकारी शामिल हुए।

क्षेत्रीय विपणन अधिकारी श्री एस.आर. सांगरा एवं विभाग के ग्रेडिंग/मार्केटिंग निरीक्षकों ने प्रतिभागियों को एचएडीपी, जेकेसीआईपी, ग्रेडिंग व पैकेजिंग सहायता योजनाओं सहित ई-एनएएम योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे इन योजनाओं का लाभ उठाकर अपने भविष्य को सशक्त बनाएं।

डॉ. सौरभ शास्त्री ने कार्यक्रम की शुरुआत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने पर उसका वाचन कर की। उन्होंने प्रतिभागियों से केंद्र प्रायोजित एवं विभागीय योजनाओं के लाभ उठाने के संबंध में चर्चा की और विभाग को छात्रों को ज्ञान प्रदान करने की पहल के लिए धन्यवाद दिया।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत अगले मुख्य न्यायाधीश नियुक्त; 24 नवंबर को कार्यभार संभालेंगे

सबका जम्मू कश्मीर

नई दिल्ली : न्यायमूर्ति सूर्यकांत को गुरुवार को भारत का 53वां मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया और वह 24 नवंबर को पदभार ग्रहण करेंगे। केंद्रीय विधि मंत्रालय के न्याय विभाग ने उनकी नियुक्ति की घोषणा करते हुए एक अधिसूचना जारी की।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत न्यायमूर्ति भूषण आर गवई का स्थान लेंगे, जो 23 नवंबर को पदमुक्त हो रहे हैं। वह लगभग 15 महीने तक मुख्य न्यायाधीश रहेंगे और 65 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर 9 फरवरी, 2027 को पद छोड़ देंगे। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ष्भारत के संविधान द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश श्री न्यायमूर्ति सूर्यकांत को 24 नवंबर, 2025 से भारत के मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करते हैं।

साप्ताहिक सबका जम्मू कश्मीर
"पत्रकारों की आवश्यकता"
'सबका जम्मू कश्मीर' हिंदी साप्ताहिक समाचार पत्र
के लिए जम्मू कश्मीर के सभी जिला के लिए पत्रकारों की आवश्यकता है इच्छुक पत्रकार संपर्क करें
योग्यता:
- पत्रकारिता में अनुभव
- उत्कृष्ट लेखन और संपादन कौशल
- सोशल मीडिया घराने में काम करने का अनुभव
अपना बायोडाटा ई.मेल करें
sabkajammukashmir@gmail.com
संपर्क नंबर :
6005134383

जीएलडीएम कॉलेज हीरानगर में इंटर-कॉलेज पावरलिफ्टिंग कांस्य पदक विजेता छात्र का सम्मान

सबका जम्मू कश्मीर

हीरानगर। सरकारी जीएलडीएम डिग्री कॉलेज हीरानगर की प्राचार्या डॉ. प्रज्ञा खन्ना ने कॉलेज के 5वें सेमेस्टर के छात्र नारायण सिंह को जम्मू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इंटर-कॉलेज पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में 66 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक जीतने पर सम्मानित किया।

प्राचार्या डॉ. खन्ना ने छात्र की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उसकी मेहनत और समर्पण की सराहना की।

उन्होंने कॉलेज के पीटीआई बलबीर सिंह और खेल समिति के प्रयासों की भी प्रशंसा की, जिन्होंने छात्रों को निरंतर प्रोत्साहन और मार्गदर्शन प्रदान किया।

इस अवसर पर डॉ. खन्ना ने नारायण सिंह को भविष्य में और ऊंची उपलब्धियां हासिल करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि खेल जीवन में अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना विकसित करते हैं।

कॉलेज परिवार ने नारायण सिंह को इस उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

सबका जम्मू कश्मीर

नाम परिवर्तन, तहसीलदार नोटिस, शोक संदेश, गुमशुदा सूचना, बेदखली, हुडा नोटिस, वैवाहिक, सार्वजनिक सूचना इत्यादि विज्ञापन
MOB:- +91 60051-34383, +91 87170 07205

साप्ताहिक
सबका जम्मू कश्मीर

कठुआ प्रशासन ने नशा मुक्त भारत अभियान के तहत फील्ड कर्मियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

डीसी कठुआ राजेश शर्मा ने नशे के खिलाफ सामूहिक जनभागीदारी का आह्वान किया

सबका जम्मू कश्मीर

कठुआ। जिला प्रशासन कठुआ द्वारा गुरुवार को सरकारी महिला डिग्री कॉलेज कठुआ में नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत मैदानी कार्यकर्ताओं के लिए एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई, जिसके उपरांत जिला समाज कल्याण अधिकारी वरुण कुमार चौधरी ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने कहा कि नशे की रोकथाम के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग की भागीदारी आवश्यक है और फील्ड कर्मियों की भूमिका इस दिशा में सबसे महत्वपूर्ण है।

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जिला उपायुक्त कठुआ राजेश शर्मा ने कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए कहा कि नशे की समस्या को समाप्त करने के लिए सामूहिक और समन्वित प्रयासों की जरूरत है। उन्होंने आंगनवाड़ी और आशा कार्यकर्ताओं को "जनसेवा के अग्रद.ूत" बताते हुए कहा कि ये कार्यकर्ता समाज की जड़ों से जुड़े हैं और लोगों को सही दिशा में मार्गदर्शन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

डीसी ने कहा कि "यदि प्रत्येक कार्यकर्ता दो व्यक्तियों को भी नशे की लत से बचा सके, तो यह समाज के लिए बड़ी उपलब्धि होगी।" कार्यक्रम में प्राचार्य जीडीसीडब्ल्यू कठुआ डॉ. सवी बहल, जिला कार्यक्रम अधिकारी आईसीडीएस मोहम्मद सैयद खान, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विजय रैना, मानसिक स्वास्थ्य एवं नशा मुक्ति विशेषज्ञ डॉ. अनायत मीर (संसाधन व्यक्ति), सीडीपीओ हकीकत सिंह, और तहसील समाज कल्याण अधिकारी विशाल बंधु शर्मा सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे।

संसाधन व्यक्ति डॉ. अनायत मीर ने फील्ड कर्मियों को नशे के प्रारंभिक लक्षणों की पहचान, परामर्श तकनीक, समुदाय स्तर पर निवारक उपाय, प्रभावित व्यक्तियों व उनके परिवारों की सहायता तथा नशे से जुड़े सामाजिक कलंक को दूर करने के विषय में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि "मैदानी कर्मियों की सक्रिय भागीदारी नशा मुक्त समाज के निर्माण में निर्णायक सिद्ध होगी।"

कार्यक्रम का समापन जिला मिशन समन्वयक सुश्री इटिका महाजन के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। उन्होंने सभी प्रतिभागियों, अधिकारियों और प्रशिक्षकों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस अभियान को जमीनी स्तर तक सफल बनाना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है।

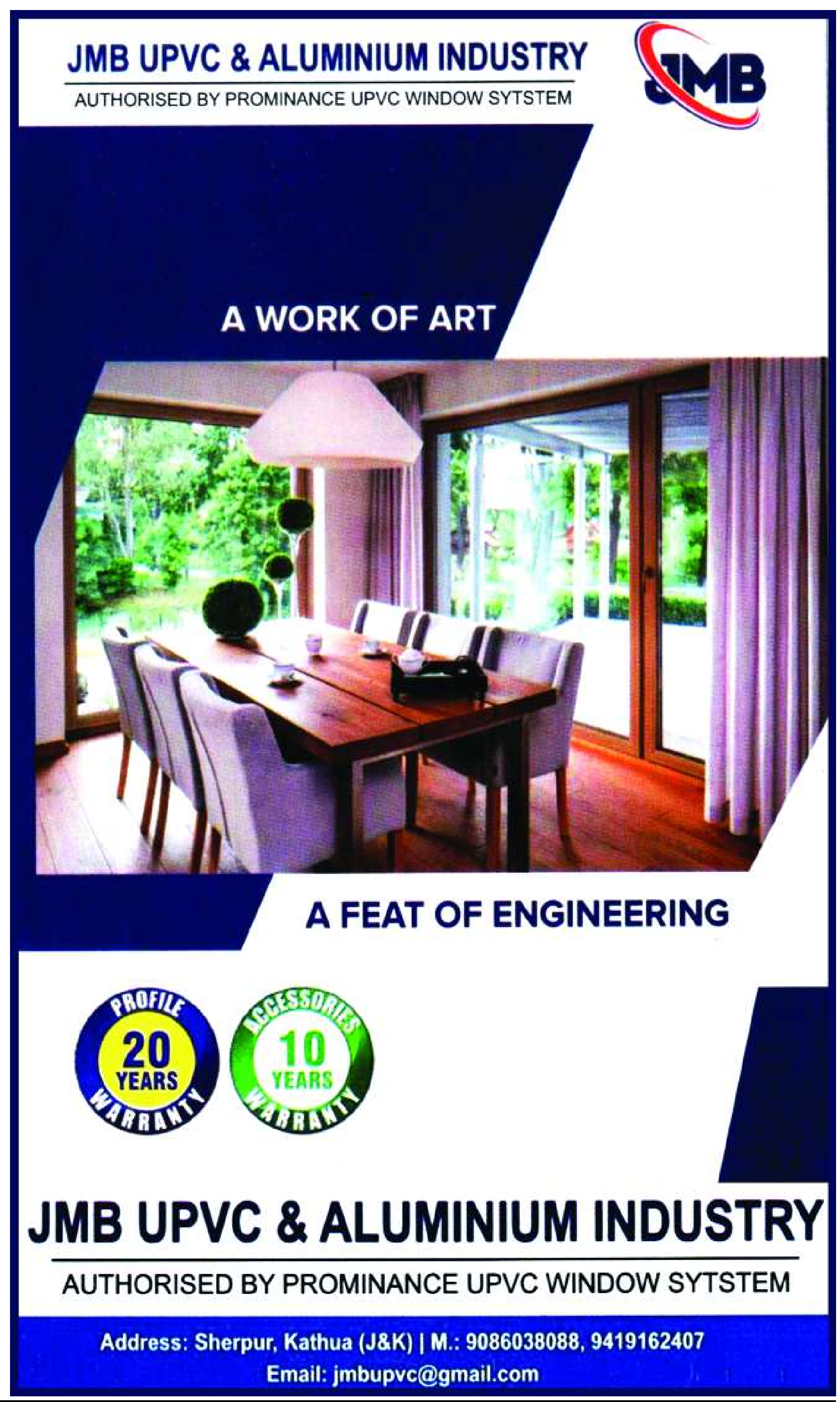

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशकः राज कुमार द्वारा एम/एस डी. आर प्रिंटिंग प्रेस, बैन बजाल्ता, तहसील जम्मू से मुद्रित एवं नगरी पैरोल नगरी, जिला कठुआ, जम्मू और कश्मीर पिन.कोड नं: 184151 | संपादकः राज कुमार